

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 38]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 23, 1995/आश्विन 1, 1917

No. 38]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 23, 1995/ASVINA 1, 1917

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(विधि कार्य विभाग)  
(न्यायिक अनुभाग)  
सूचना

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 95

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

NOTICE

New Delhi, the 24th August, 1995

क्र.सं. 2499:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम  
6a के अनुसंगम में महम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी  
जाती है कि श्री कासिम सईद गफूर, एडवोकेट ने उक्त  
प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अन्तर्गत एक  
आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बलार्ड इस्टेट,  
बम्बई (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के  
रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के  
प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजे पास  
भेजा जाए।

[सं. 5(152)/95-न्यायिक]  
पी. सी. कन्नन, महम प्राधिकारी

S.O. 2499.—Notice is hereby given by the Competent  
Authority in pursuance of Rule 6a of the Notaries Rules,  
1956 that application has been made to the said Autho-  
rity, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Kasim Syed  
Gafoor, Advocate for appointment as a Notary to practise  
in Ballard Estate in Bombay (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person  
as a Notary may be submitted in writing to the under-  
signed within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(152)/95-Judl.]  
P. C. KANNAN, Competent Authority

city, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Himadri Sekhar, Advocate for appointment as a Notary to practise in Bankshall Street in Calcutta (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(153)/95-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1995

का० आ० 2504:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रमेश चन्द गुप्ता, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मेरठ जिला (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(159)/95-न्यायिक]  
पी० सी० कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 25th August, 1995

S.O. 2504.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ramesh Chand Gupta, Advocate for appointment as a Notary to practise in Meerut District (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(159)/95-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1995

का० आ० 2505:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अजीत खुशानचन्द जैन, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दादरा ईस्ट, बम्बई (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(157)/95-न्यायिक]  
पी० सी० कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 25th August, 1995

S.O. 2505.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ajit Khushalchand Jain, Advocate for appointment as a Notary to practise in Dadar East, Bombay (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(157)/95-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1995

का० आ० 2506:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री शोक्त शर्मा निहोकी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कैमरगज, बहाराच जिला (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(158)/95-न्यायिक]  
पी० सी० कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 25th August, 1995

S.O. 2506.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Shaikat Ali Siddiqui, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kaisarganj, District Bahraich (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(158)/95-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1995

का० आ० 2507:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मनीष रमेश रावल, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बली और तुर्क जिला बाग (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5 (160)/95-न्यायिक]  
पी० सी० कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 4th September, 1995

S.O. 2507.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Sanjiv Ramesh Rawal, Advocate for appointment as a Notary to practise in Vashi & Turbhe, Thane District (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(160)/95-Judl.]  
P. C. KANNAN, Competent Authority  
सूचना

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

का० आ० 2508.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मुरारी रामदायाल शर्मा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे गांधीधाम कच्छ (गुजरात) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5 (161)/95-न्यायिक]  
पी० सी० कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 4th September, 1995

S.O. 2508.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Murari Ramdayal Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Gandhidham (Kachchh) (Gujarat).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(161)/95-Judl.]  
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली 4 सितम्बर, 1995

का० आ० 2509.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री हरेन्द्र नाथ मुखर्जी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मधुबन चौक

(राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(162)/95-न्यायिक]  
पी० सी० कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 4th September, 1995

S.O. 2509.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Harendra Nath Mukherjee, Advocate for appointment as a Notary to practise in Madhuban Chowk Area (Delhi).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(162)/95-Judl.]  
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1995

का० आ० 2510.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री पठान मोराजिज मुरतुजाखान, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे खेड़ा जिला (गुजरात) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(163)/95-न्यायिक]  
पी० सी० कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

#### NOTICE

New Delhi, the 5th September, 1995

S.O. 2510.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Pathan Mouazaziz Murtujakhan, Advocate for appointment as a Notary to practise in District Kheda, (Gujarat).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[N. M. 5(163)/95-Judl.]  
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1995

का० आ० 2511.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी

जाती है कि श्रीमति गरोजिनी ललित मगदूम एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अर्थात् एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे कटरा गांव (पुणे) महाराष्ट्र राज्य में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(164)/95-न्यायिक]  
पी० सी० कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 5th September, 1995

S.O. 2511.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Smt. Sarojini Lalit Magdum, Advocate for appointment as a Notary to practise in Katfaj Gaon, Pune (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(164)/95-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 5 सितम्बर 1995

का० आ० 2512.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रमेश चन्द्र वधवा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे अंबोहर जिला फिरोजपुर (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाये।

[सं० 5(165)/95-न्यायिक]

पी० सी० कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 5th September, 1995

S.O. 2512.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ramesh Chander, Wadhawa, Advocate for appointment as a Notary to practise in Abohar, District Ferozepur (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(165)/95-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

गृह मंत्रालय

(पुनर्वास प्रभाग)

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1995

का० आ० 2513.—निष्क्रांत सम्पत्ति प्रबंध अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा गृह मंत्रालय, पुनर्वास प्रभाग में संयुक्त सचिव, श्री यू० के० सिन्हा को उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा उसके अधीन महाभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य से निष्क्रांत सम्पत्ति के महाभिरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

2. इसके द्वारा दिनांक 31 मई, 1995 की अधिसूचना संख्या 1(1)/94-बन्दोबस्त (ख) का अधिक्रमण किया जाता है।

[संख्या 1(1)/94-बन्दोबस्त (ख)]

पी० के० शर्मा, निदेशक

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 7th August, 1995

S.O. 2513.—In exercise of the power conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints Shri U. K. Sinha, Joint Secretary in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division as the Custodian General of Evacuee Property for the purpose of performing functions assigned to such Custodian General by or under the said Act.

2. This supersedes notification No. 1(1)/94-Settlement (B) dated 31st May, 1995.

[No. 1(1)/94-Settlement (B)]

P. K. SHARMA, Director

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1995

का० आ० 2514.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर एवं पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, गृह मंत्रालय पुनर्वास प्रभाग में संयुक्त सचिव, श्री यू० के० सिन्हा को उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा उसके अधीन मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य से मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

2. इसके द्वारा दिनांक 31 मई, 1995 की अधिसूचना संख्या 1(1)/94-बन्दोबस्त (क) का अधिक्रमण किया जाता है।

[संख्या 1(1)/94-बन्दोबस्त (क)]

पी० के० शर्मा, निदेशक

New Delhi, the 7th August, 1995

S.O. 2514.—In exercise of the power conferred by Sub-Section (i) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri U. K. Sinha, Joint Secretary in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division as Chief Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to such Chief Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to such Chief Settlement Commissioner by or under the said Act.

2. This supersedes notification No. 1(1)/94-Settlement (A) dated the 31st May, 1995.

[No. 1(1)/94-Settlement (A)]

P. K. SHARMA, Director

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1995

का० आ० 2515.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में, गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालयों में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या 80 प्रतिशत से अधिक हो जाने के फलस्वरूप उन्हें एतद्वारा अधिसूचित करती है :

क्रम सं०	कार्यालय का नाम
1.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, गांधी नगर
2.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, इटानगर
3.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, कवार्ती
4.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, कोहिमा
5.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, गाजियाबाद
6.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, चण्डीगढ़
7.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, जयपुर
8.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, त्रिवेन्द्रम
9.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, पटना
10.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, पणजी
11.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, बम्बई
12.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, भोपाल
13.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, भुवनेश्वर
14.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, लखनऊ
15.	अंतर राज्य पुलिस बेतार केन्द्र, हैदराबाद

[संख्या 12017/1/95-हिन्दी]

के० सी० कपूर, निदेशक

New Delhi, the 12th September, 1995

S.O. 2515.—In pursuance of Sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Ministry of Home Affairs where

the percentage of Hindi knowing staff has gone above 80 percent :—

Sl. No.	Name of the Office
1.	Inter-State Police Wireless Centre, Gandhinagar.
2.	Inter-State Police Wireless Centre, Itanagar.
3.	Inter-State Police Wireless Centre, Kavartti.
4.	Inter-State Police Wireless Centre, Kohima.
5.	Inter-State Police Wireless Centre, Ghaziabad.
6.	Inter-State Police Wireless Centre, Chandigarh.
7.	Inter-State Police Wireless Centre, Jaipur.
8.	Inter-State Police Wireless Centre, Trivendrum.
9.	Inter-State Police Wireless Centre, Patna.
10.	Inter-State Police Wireless Centre, Panaji.
11.	Inter-State Police Wireless Centre, Bombay.
12.	Inter-State Police Wireless Centre, Bhopal.
13.	Inter-State Police Wireless Centre, Bhubaneswar.
14.	Inter-State Police Wireless Centre, Lucknow.
15.	Inter-State Police Wireless Centre, Hyderabad.

[No. 12017/1/95-Hindi]

K. C. KAPOOR, Director

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1995

का० आ० 2516.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालयों में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या 80 प्रतिशत से अधिक हो जाने के फलस्वरूप उन्हें एतद्वारा अधिसूचित करती है :—

क्रम सं० कार्यालय का नाम "क" क्षेत्र

1	2
1.	के०ओ०सु० बल यूनिट सी०एच०ई०पी० चमेरा, (हिमाचल प्रदेश)
2.	के०ओ०सु० बल यूनिट जी०टी०पी०एस०, डेसू नई दिल्ली
3.	के०ओ०सु० बल यूनिट एम०आई०ओ०एन० मेघालय (बिहार)
4.	के०ओ०सु० बल 5वीं रिजर्व बटालियन गाजियाबाद (उ०प्र०)
5.	के०ओ०सु० बल यूनिट जी०एच०आई०एस० (गैस) विजयपुर (मध्य प्रदेश)
6.	के०ओ०सु० बल यूनिट सी०टी०पी०एस० चन्द्रपुरा (बिहार)

1	2
7.	के०ओ०सु० बल यूनिट, के०एच०एम०टी०पी०पी०, कटलगांव (बिहार)
8.	के०ओ०सु० बल यूनिट, टी०एच०ई०पी०, बनवासा (उत्तर प्रदेश)
9.	के०ओ०सु० बल यूनिट, एच०जैड०एल० टुण्डू, बनवासा (बिहार)
10.	के०ओ०सु० बल यूनिट, ए०यू०जी०टी०पी०, इटावा (उत्तर प्रदेश)
11.	के०ओ०सु० बल यूनिट, आई०टी०आई० गोण्डा, (उत्तर प्रदेश)
12.	के०ओ०सु० बल यूनिट, टी०टी०पी०पी० टण्डा, फैजाबाद (उत्तर प्रदेश)
13.	के०ओ०सु० बल यूनिट, बी०टी०पी०एस०, बोकारो (बिहार)
14.	के०ओ०सु० बल यूनिट, कुटेश्वर माइनस, जबलपुर (मध्य प्रदेश)
14क.	के०ओ०सु० बल ग्रुप मुख्यालय, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)
15.	के०ओ०सु० बल यूनिट, ओ०टी०पी०पी० ओबरा (उत्तर प्रदेश)
16.	के०ओ०सु० बल यूनिट, एन०पी०जी० टीकरीकला, नई दिल्ली
17.	महानिरीक्षक/उ०मे० का कार्यालय के०ओ०सु० बल, लोदी रोड, नई दिल्ली-3
18.	के०ओ०सु० बल यूनिट, आई०ओ०सी०, फरीदाबाद (हरियाणा)
“ख” क्षेत्र :—	
19.	के०ओ०सु० बल यूनिट, यू०टी०पी०एस०, उकई, (गुजरात)
20.	के०ओ०सु० बल ग्रुप मुख्यालय, अहमदाबाद, (गुजरात)
21.	के०ओ०सु० बल यूनिट, एम०डी०एल० बम्बई, (महाराष्ट्र)
22.	के०ओ०सु० बल यूनिट, एच०आई०, एम०डी०एल० बम्बई (महाराष्ट्र)
23.	के०ओ०सु० बल यूनिट, पावरसीड ऊर्जा नगर, मोगा (पंजाब)
24.	के०ओ०सु० बल यूनिट, आई०ओ०सी० वाडीनार (गुजरात)

1	2
25.	के०ओ०सु० बल यूनिट, ग्रुप मुख्यालय, बम्बई (महाराष्ट्र)
26.	के०ओ०सु० बल ग्रुप मुख्यालय, चण्डीगढ़
“ग” क्षेत्र :—	
27.	के०ओ०सु० बल यूनिट, सी०पी०एम० पांचग्राम, (असम)
28.	के०ओ०सु० बल यूनिट, बी०एच०ई०एल० हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)
29.	महानिरीक्षक/पूर्वांतर क्षेत्र का कार्यालय, कलकत्ता (प०ब०)
30.	के०ओ०सु० बल यूनिट, पॉवर (यू०डी०) उद्योग मंडल, केरल
31.	के०ओ०सु० बल यूनिट भा०पा०म० तालचर, (उड़ीसा)
32.	के०ओ०सु० बल यूनिट, ओ०आई०एल० दुनियाजान (असम)
33.	के०ओ०सु० बल यूनिट, एम०पी०ई०सी० कोयंबूर (आ०प्र०)
34.	के०ओ०सु० बल यूनिट, एम०पी०टी० मद्रास (त०ना०)
35.	के०ओ०सु० बल यूनिट, वी०एम०पी०/जे०एल०एम० जगदमापेट (आ०प्र०)
36.	के०ओ०सु० बल यूनिट, एन०एम०पी०टी० मंगलूर (कर्नाटक)
37.	के०ओ०सु० बल ग्रुप मुख्यालय, हैदराबाद (आ०प्र०)
38.	के०ओ०सु० बल यूनिट, ओ०एन०जी०सी० नजीरा (असम)
39.	के०ओ०सु० बल यूनिट, एम०आर०एल० मद्रास (त०ना०)
40.	के०ओ०सु० बल यूनिट, बी०डी०एल० भानूर (आ०प्र०)
41.	के०ओ०सु० बल यूनिट, ओ०एन०जी०सी० सरसापुर (आ०प्र०)
42.	के०ओ०सु० बल यूनिट, एन०पी०पी०सी०एल० तूली, (तामिलनाडु)

[मं० 12017/1/93-हिन्दी]

के०सी० कपूर, निदेशक

New Delhi, the 12th September, 1995

S.O. 2516.—In pursuance of Sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Ministry of Home Affairs where the percentage of Hindi knowing staff has gone above 80 percent:—

Sl.No.	Name of the Office
1	2
<b>'A' REGION</b>	
1.	Central Industrial Security Force Unit, CHEP Chamera (H.P.)
2.	Central Industrial Security Force Unit, GTPS DESU, New Delhi.
3.	Central Industrial Security Force Unit, MJON, Medhatubru (Bihar).
4.	Central Industrial Security Force Unit, GAIL, Vijaypur (M.P.)
5.	Central Industrial Security Force, 5 Reserve En. Ghaziabad (U.P.)
6.	Central Industrial Security Force Unit, CTPS, Chandrapura (Bihar).
7.	Central Industrial Security Force Unit, KHSTPP, Kahalgau (Bihar).
8.	Central Industrial Security Force Unit, THEP, Banwasa (U.P.)
9.	Central Industrial Security Force Unit, HZL, Tundu, Dhanbad (Bihar).
10.	Central Industrial Security Force Unit, AUGTP, Itawah (UP).
11.	Central Industrial Security Force Unit, ITI, Gonda (UP).
12.	Central Industrial Security Force Unit, TTPP Tanda, Faizabad (UP).
13.	Central Industrial Security Force Unit, BTPS, Bokaro (Bihar).
14.	Central Industrial Security Force, Group Hqrs., Allahabad (UP).
15.	Central Industrial Security Force, Unit Kuteshwar Mines, Jabalpur (MP).
16.	Central Industrial Security Force Unit, OTPP, Obara (U.P.)
17.	Central Industrial Security Force Unit, LPG, Tikri Kalan, N. Delhi.
18.	Office of the IG/Northern Sector, CISF, Lodi Road, New Delhi.
19.	Central Industrial Security Force Unit, IOC, Faridabad (Haryana).
<b>'B' REGION</b>	
20.	Central Industrial Security Force Unit, UTPS, Ukai (Gujarat).
21.	Central Industrial Security Force, Unit, Group Hqrs, Ahmedabad (Guj.).
22.	Central Industrial Security Force Unit, MDL, Bombay (Maharashtra).
23.	Central Industrial Security Force Unit, Nawa Yard, MDL, Bombay (Maharashtra).
24.	Central Industrial Security Force Unit, Power Grid Oorja Nagar, Moga (Punjab).
25.	Central Industrial Security Force Unit, IOC, Wadinar (Guj.).
26.	Central Industrial Security Force Unit, Group Hqrs, Bombay (Maharashtra).
27.	Central Industrial Security Force, Group Headquarters, Chandigarh,

1 2

**"C" REGION**

28. Central Industrial Security Force Unit, CPM, Panchgram (Assam).
29. Central Industrial Security Force Unit, BHLL, Hyderabad (A.P.).
30. Office of the IG/North-Eastern Sector, Calcutta (West Bengal).
31. Central Industrial Security Force Unit, FACT (UD), Udyog Mandal, (Kerala).
32. Central Industrial Security Force, Heavy Water Plant, Talchar (Orissa).
33. Central Industrial Security Force Unit, OIL, Duliajan (Assam).
34. Central Industrial Security Force Unit, SPEC, Kobbloor (A.P.).
35. Central Industrial Security Force Unit, MPT, Madras (Tamilnadu).
36. Central Industrial Security Force Unit, VSP/JLM Jaggatmapeta (A.P.).
37. Central Industrial Security Force Unit, NMPT, Mangloor (Karnataka).
38. Central Industrial Security Force, Group Hqrs., Hyderabad (A.P.).
39. Central Industrial Security Force Unit, ONGC, Nazira (Assam).
40. Central Industrial Security Force Unit, SRL, Madras (Tamilnadu).
41. Central Industrial Security Force Unit, BDL, Bhanoor (A.P.).
42. Central Industrial Security Force Unit, ONGC, Narsapur (A.P.).
43. Central Industrial Security Force Unit, NPPCL, Tuli (Nagaland).

[No. 12017/1/95 -Hindi]

K. C. KAPOOR, Director

कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कामिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

का०आ० 2517:—केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री आर० जे० त्रिवेदी, अधिवक्ता, अहमदाबाद (गुजरात) को केस एफ० आई०आर० संख्या 580/91, पुलिस स्टेशन, भिलाई, बुरंग (सी०बी०आई० केस संख्या आर०सी 9(एस)/91/एसआईए-5/एसआईसी-2/नई दिल्ली), सेशन न्यायालय, बुरंग में शंकर गुप्ता नियोगी को हत्या एवं अन्य घटनाओं से संबंधित मामलों के संचालन के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/28/95-ए०बी०डी०-II]

एस सौंदर राजन्, अवर सचिव

**MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES  
AND PENSIONS**

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2517.—In exercise of the powers conferred by Sub-clause (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Govt. hereby appoints Shri R. J. Trivedi, Advocate, Ahmedabad (Gujarat) as Special Public Prosecutor for conducting case FIR No. 580/91 of PS Bhiljai, Durg (CBI Case No. RC. 9(S)/91/SIUV/CBI New Delhi) relating to the murder of Shri Shankar Guha Neogi and any other matter connected therewith or incidental thereto in the Session Court at Durg.

[No. 225/28/95-AVD.II]

S. SOUNDER RAJAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

(आयकर)

का०आ० 2518 :—आयकर अधिनियम, 1961 के (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "विक्टोरिया टेक्नीकल इंस्टीट्यूट, मद्रास" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 और 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं० 9692/फा०सं० 197/169/93—

आयकर नि०-I]

साधना शंकर, अवर सचिव

**MINISTRY OF FINANCE**

(Department of Revenue)

New Delhi, the 20th January, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2518.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), The Central Government hereby notifies "Victoria Technical Institute, Madras" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 and 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9692/F. No. 197/169/93-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1995

(आयकर)

का०आ० 2719 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "सर्वेन्ट्स आफ दी पीपल सोसाइटी, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का हस्तेमाल अथवा इसकी आय का हस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;



(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग में लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 9694/फा०सं० 197/11/92-आयकर  
नि०-1]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 27th January, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2519.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Servants of the People Society, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9694/F. No. 197/11/92-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1995

(आयकर)

का०आ० 2520 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप-खंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार "एस०ओ०एस० चिल्ड्रन्स विलेज आफ इंडिया, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक हंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान में भिन्न) का निवेश नहीं करेगा, अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग में लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जानी हों।

[अधिसूचना सं० 9701/फा०सं० 197/95/94-आयकर  
नि०-I]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2520.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "SOS Children's Village of India, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9701/F. No. 197/95/94-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1995

(आयकर)

का०आ० 2521 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एस्द्वारा "श्री नासिक पंचवटी पंजरापेले, नासिक" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 और 1994-95 के लिए

निम्नलिखित शर्तों के अध्याधीन रहते हुए, उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है; अर्थात्:—

नई दिल्ली, 15 फरवरी 1995

(आयकर)

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए, इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर, आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हो।

[अधिसूचना सं० 9707/फा०सं० 197/148/94-आयकर  
नि०-1]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2521.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shree Nasik Panchavati Panjrapole, Nasik," for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 and 1994-95 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9707/F. No 197/148/94-ITA-1]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

भा०आ० 22 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "नवजीवन ट्रस्ट, अहमदाबाद", को कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्याधीन रहते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा, अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हो।

[अधिसूचना सं० 9703/फा०सं० 197/169/94-आयकर  
नि०-1]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2522.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Navajivan Trust, Ahmedabad" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1994-95 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9707/F. No. 197/169/94-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1995

(आयकर)

का.आ. 2523 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री रामचन्द्र मिशन, उत्तर प्रदेश" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 और 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उप-धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9713/फा.सं. 197/167/94-आयकर नि.-I]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 6th March, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2523.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Ram Chandra Mission, Uttar Pradesh" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 and 1994-95 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9713/F. No. 197/167/94-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1995

(आयकर)

का.आ. 2524 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (22ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "यूनाइटेड न्यूज आफ इंडिया" को केवल समाचारों के एकत्रीकरण तथा वितरण के लिए भारत में स्थापित एक समाचार एजेंसी के रूप में कर-निर्धारण वर्ष 1994-95, 1995-96 तथा 1996-97 के लिए उक्त खंड के प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट करती है।

[अधिसूचना सं. 9719/फा.सं. 200/117/94-आयकर नि.-I]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 10th March, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2524.—In exercise of the powers conferred by clause (22B) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies the "United News of India" as a news agency set up in India solely for collection and distribution of news, for the purposes of said clause for the assessment years 1994-95, 1995-1996 and 1996-97.

[Notification No. 9719/F. No. 200/117/94-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1995

(आयकर)

का.आ. 2525 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (IV) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इंडियन इन्स्टीट्यूट आफ फारेन ट्रेड, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरान, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रखा-रखाव में स्वीच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9728/फा.सं. 197/118/94-आयकर नि. I]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd March, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2525.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Institute of Foreign Trade, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1994-95 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9728/F. No. 197/118/94-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1995

(आयकर)

फा.सं. 2526 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा वेस्ट जोन कलचरल सेंटर, उदयपुर को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रखते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका

संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उक्त उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है।

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरान फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रखा-रखाव में स्वीच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9732/फा.सं. 197/10/95-आयकर नि.-I]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd March, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2526.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "West Zone Cultural Centre, Udaipur" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 and 1994-95 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9732/F. No. 197/10/95-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1995

(आयकर)

का.आ. 2527. —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "एशियाटिक सोसायटी आफ बंबई" को कर निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदिके रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखापुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9733/फा.सं. 197/108/94-आयकर नि.-1]

साधना शंकर, अव्वर सचिव

New Delhi, the 29th March, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2527.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Asiatic Society of Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(ii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9733/F. No. 197/108/94-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1995

(आयकर)

का.आ. 2528. —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "राष्ट्रीय ग्रामीण विकास निधि, गुवाहाटी" को कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा, अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखापुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9734/फा.सं. 197/38/94 आयकर नि.-1]

साधना शंकर, अव्वर सचिव

New Delhi, the 29th March, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2528.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Rashtriya Gramin Vikas Nidhi, Guwahati" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1994-95 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9734/F. No. 197/38/94-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1995

(आयकर)

का.आ. 2529.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "पंजाब स्त्री सभा रिलीफ ट्रस्ट, पंजाब" को कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है; अर्थात्:—

(i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9737/फा.सं. 197/13/95-आयकर नि.-1]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 29th March, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2529.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Punjab Istri Sabha Relief Trust, Punjab" for the purpose of

the said sub-clause for the assessment year 1994-95 subject to the following conditions, namely:—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9737/F. No. 197/13/95-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1995

आयकर

का.आ. 2530.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "महाराष्ट्र स्टेट भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, बॉयर्स" को कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है; अर्थात्:—

(i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9738/फा.सं. 197/26/95-आयकर नि.-1]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 29th March, 1995

## (INCOME-TAX)

S.O. 2530.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Maharashtra State Bharat Scouts & Guides, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9738/F. No. 197/26/95-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1995

(आयकर)

का.प्र. 2531—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "रामकृष्ण विवेकानन्द मिशन, बैरकपुर, पश्चिमी बंगाल" को कर-निर्धारण वर्ष 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों में भिन्न तरीकों में इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान में भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय से संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा

कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों के प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना स. 9748/का.सं. 197/28/95-आयकर नि.-I]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 10th April, 1995

## (INCOME-TAX)

S.O. 2531.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Ramakrishna Vivekananda Mission, Barrackpore, West Bengal" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93, 1993-94 and 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9748/F. No. 197/28/95-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1995

(आयकर)

का.प्र. 2532—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23 ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "बंगाल सोशियल सर्विस मीग, कलकत्ता" को कर निर्धारण वर्ष 1992-93, 1993-94 और 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (क) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों में भिन्न तरीकों में इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा

रख रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9751/फा.सं. 197/16/93-आयकर नि०-I]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 18th April, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2532.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bengal Social Service League, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93, 1993-94 and 1994-95 subject to the following conditions, namely:—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9751/F. No. 197/16/93-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1995

(आयकर)

का.आ. 2533 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "कृष्ण गोपाल आयुर्वेदिक धर्मार्थ औषधालय ट्रस्ट, अजमेर" को कर निर्धारण वर्ष 1990-91, 1991-92 और 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

(i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट

किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा

2195 GI/95—3

तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जोवर जनसहारा, फर्नचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9757/फा.सं. 197/33/91-आयकर नि०-I]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 21st April, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2533.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Krishna Gopal Ayurvedic Dharmarth Aushdhalaya Trust, Ajmer" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91, 1991-92 and 1992-93 subject to the following conditions, namely:—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9757/F. No. 197/33/91-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy

नई दिल्ली, 10 मई, 1995

(आयकर)

का.आ. 2534.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "प्रेस ट्रस्ट आफ इंडिया लिमिटेड, फोर्ट, बंबई" को कर निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

(i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;



- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9767/फा.सं. 197/32/95-आ.क.नि.-I]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 10th May, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2534.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the Press Trust of India Limited, Fort, Bombay for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9767/F. No. 197/32/95-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 मई, 1995

(आयकर)

का.आ. 2535—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “रामन महर्षि सेंटर फार लनिंग, बंगलौर” को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97, 1997-98 और 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इस का

संचयन पूर्णतया तथा अग्न्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9770/फा.सं. 197/30/95-आ.क.नि.-I]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 17th May, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2535.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Ramana Maharashi Centre for Learning Bangalore” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97, 1997-98 and 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9770/F. No. 197/30/95-ITA-I]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 मई, 1995

(आयकर)

का.आ. 2536—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “इंडियन काउंसिल फार रिसर्च आन इंटरनेशनल इकोनामिक रिलेशन, नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 के लिए निम्नलिखित शर्तों

के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

नई दिल्ली, 30 मई, 1995

(आयकर)

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9772/फा.सं. 197/97/94-आ.क.नि.-I]

एच.के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 25th May, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2536.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Indian Council for Research on International Economic Relation, New Delhi for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9772/F. No. 197/97/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

का.आ. 2537—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “तिब्बतन होम्स फाउण्डेशन, ब्यूरो आफ हिज होलीनेस द दलाई लामा, नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96, 1996-97 और 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा,
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9774/फा.सं. 197/107/94-आयकर नि.-I]

एच.के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 30th May, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2537.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Tibetan Homes Foundation, Bureau of His Holiness The Dalai Lama, New Delhi for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96, 1996-97 and 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9774/F. No. 197/107/94-JET-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 मई, 1995

( आयकर )

का. आ. 2538:—आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा 10 के खंड ( 23-ग ) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “राजीव गान्धी फाउंडेशन (जनरल फंड), नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96, 1996-97 और 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

(i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि ( जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न ) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9775( फा. सं. 197/102/94—आयकर नि.—1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 30th May, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2538.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Rajiv Gandhi Foundation (General Fund), New Delhi” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years

1995-96, 1996-97 and 1997-98 subject to the following conditions, namely:—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9775/F. No. 197/102/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 मई, 1995

(आयकर)

का.आ. 2539:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “जर्जन लैंगरॉस रिलीफ एसोसिएशन रिहैबिलिटेशन फंड, मद्रास” को कर निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

(i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त रख रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9776/फा. सं. 197/181/94-आयकर नि-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 30th May, 1995

## (INCOME-TAX)

S.O. 2539.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies German Leprosy Relief Association Rehabilitation Fund, Madras for the purpose of the said sub-clause for the assessment years, 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9776/F. No. 197/181/94-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 मई, 1995

(आयकर)

का. भा. 2540.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दयानन्द एंग्लो वैदिक कॉलेज ट्रस्ट एण्ड मैनेजमेंट सोसाइटी, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में असंग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं 9777/का सं 197/53/94-आ क नि I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 30th May, 1995

## (INCOME-TAX)

S.O. 2540.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Dayanand Anglo-Vedic College Trust and Management Society, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9777/F. No. 197/53/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 मई, 1995

(आयकर)

का. भा. 2541.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "स्वामी नारायण अभरूपीठ, शाहीबाग, अहमदाबाद" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94, 1994-95 और 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9779/फा.सं. 197/29/95-आ.क.नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 31st May, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2541.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Swaminarayan Aksharapith, Shahibaug, Ahmedabad" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94, 1994-95 and 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9779/F. No. 197/29/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 मई, 1995

(आयकर)

का. आ. 2542.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उप-खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[अधिसूचना सं. 9781/फा.सं. 197/161/93-आ.क.नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 31st May, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2542.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bharat Scouts and Guides, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90.

[Notification No. 9781/F. No. 197/161/93-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 मई, 1995

(आयकर)

का. आ. 2543.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उप-खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1991-92 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वेलर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9782/फा.सं. 197/161/93-आ.क.नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 31st May, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2543.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bharat Scouts & Guides, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1991-92 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (ii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9782/F. No. 197/161/93-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 जून, 1995

आयकर

का. आ. 2534.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "मध्य प्रदेश महिला कल्याण समिति, गोविन्दपुर, भोपाल," को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9785/फा.सं. 197/34/95-आयकर नि-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 13th June, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2544.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Madhya Pradesh Mahila Kalyan Samiti, Govindpura, Bhopal" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9785/F. No. 197/34/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

न दिल्ली, 23 जून, 1995

(आयकर)

का. आ. 2545.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "एशियन इंस्टीट्यूट आफ ट्रांसपोर्ट डेवलपमेंट नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक (अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 9789/फा.सं. 197/64/95-आयकर नि-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 2nd June, 1995

## (INCOME-TAX)

S.O. 2545.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Asian Institute of Transport Development, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9789/F. No. 197/64/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 जून, 1995

## (मुख्यालय स्थापना)

का. आ. 2546:—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क (कारबार संव्यवहार का विनियम), 1964 के नियम 3 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा के अधिकारी और इस समय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड में सदस्य के पद पर तैनात श्री तरुण राय को दिनांक 26-6-95 (पूर्वाह्न) से और अगला आदेश होने तक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड में अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. ए-19011/3/91-प्रका.-1]

रमेश कुमार, अवग सचिव

New Delhi, the 26th June, 1995

## (HEADQUARTERS ESTABLISHMENT)

S.O. 2546.—In exercise of the powers conferred by Rule 3 of the Central Board of Excise and Customs (Regulation of Transaction of Business) Rules, 1964, the Central Government hereby appoint Shri Tarun Roy, an officer of the Indian Customs & Central Excise Service and presently posted as Member, C.B.E.C. as Chairman, Central Board of Excise and Customs with effect from forenoon of 26-6-1995 and until further orders.

[F. No. A-19011/3/91-Ad. I]

RAMESH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

## (आयकर)

का. आ. 2547:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री रामचन्द्र मिशन, उत्तर प्रदेश" को कर-निर्धारण वर्ष 1995 से 1996 तक के लिए निम्न-लिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोगनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अन्त्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों में भिन्न तरीकों में इसकी निधि (जेवर-जवाहिरान, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9791/फा.सं. 197/167/94-आयकर ति-I]

एच. के. चौधरी, अवग सचिव

New Delhi, the 27th June, 1995

## (INCOME-TAX)

S.O. 2547.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Ramachand. Mission Uttar Pradesh" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995 to 1996 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9791/F. No. 197/167/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1995

(आयकर)

का.आ. 2548 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फण्ड, नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भ्रम से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9812/फा.सं. 197/176/94—आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 14th July, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2548.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Jawaharlal Nehru Memorial Fund, New Delhi” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

2195 GI/05—4

- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9812/F. No. 197/176/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1995

(आयकर)

का.आ. 2549 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “वेस्ट बंगाल कौंसिल फार चाइल्ड वेल-फेयर, कलकत्ता” को कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 से 1996-97 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भ्रम से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9813/फा.सं. 197/16/95—आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi the 18th July, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2549.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “West Bengal Council for Child Welfare, Calcutta” for the



purpose of the said sub-clause for the assessment years 1994-95 to 1996-97 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9813/F. No. 197/16/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1995

(आयकर)

का.आ. 2550 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री अरविन्दो सोसाइटी, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9815/का.सं. 197/19/95-आयकर नि-I]

इ.च.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 18th July, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2550.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Aurobindo Society, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9815/F. No. 197/19/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1995

(आयकर)

का.आ. 2551 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "एम ओ एस चिल्ड्रेनज विलेज आफ इण्डिया नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1996-97 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में भलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9823/का.सं. 197/85/95-आयकर नि-I]

इ.च.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 24th July, 1995

## (INCOME-TAX)

S.O. 2551.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "SOS Children's Villages of India, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1996-97 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9823/F. No. 197/85/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1995

## (आयकर)

का.आ. 2552 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्रीमदजगद्गुरु साधवाचार्य मूल महा-संस्थान उत्तरादि मठ धारवाड़" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिता उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलास के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार

उक्त कर-निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रार्थनिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9828/का.सं. 197/39/95-आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 27th July, 1995

## (INCOME-TAX)

S.O. 2552.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Srimadjagadguru Madhwacharya Moola Mahasamsthana, Uttaradi Math, Dharwada" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9828/F. No. 197/39/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1995

## (आयकर)

का.आ. 2553 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री आनन्दपुर ट्रस्ट नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर निर्धारिता उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात,

फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9831/फा.सं. 197/38/95-आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 1st August, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2553.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Anandpur Trust, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9831/F. No. 197/38/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1995

(आयकर)

का.आ. 2554 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "महाराणा प्रताप स्मारक समिति उदयपुर राजस्थान" को कर निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिमूचित करती है अर्थात् :—

- (1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संशयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जवर-अवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9834/फा.सं. 197/80/95-आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 9th August, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 2554.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Maharana Pratap Smarak Samiti, Udaipur, Rajasthan" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9834/F. No. 197/80/95-ITA-II]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1995

(आयकर)

का.आ. 2555.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "महाराष्ट्र गांधी स्मारक निधि, पुणे" को कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 से 1996-97 तक के लिए

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1995

(आयकर)

- (1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (4) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख रखाव में स्वीच्छक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9835/फा./सं. 197/102/95-आयकर-नि-1]  
एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 9th August, 1995

#### (INCOME-TAX)

S.O. 2555.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Maharashtra Gandhi Smarak Nidhi, Pune" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1994-95 to 1996-97 subject to the following conditions,

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9835/F. No. 197/102/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

का.आ. 2556.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "मानकारा सीरियल न्याम चर्च, केरल" को कर निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त अथवा रख-रखाव में स्वीच्छक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से सेवा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9836/फा.सं. 197/63/95 आयकर-नि.-1]  
एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 9th August, 1995

#### (INCOME-TAX)

S.O. 2556.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Malankara Syrian Knayaya Church, Kerala" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9836/F. No. 197/63/95-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.आ. 2557.—आयकर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर और यह विचार रखते हुए कि मामले की विशेष परिस्थितियों और जनहित को ध्यान में रखते हुए ऐसा करना आवश्यक और उचित है ऐसी बैंकिंग कंपनियों जिन पर बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) उक्त अधिनियम की धारा 51 में विनिर्दिष्ट (किसी बैंक अथवा बैंकिंग संस्था सहित) लागू होता है, को वित्तीय वर्ष 1995-96 से प्रतिभूतियों पर व्याज से प्राप्त उनकी आय के संबंध में व्याज कर लगाने से छूट प्रदान करती है।

[अधिसूचना सं. 9858/का.स. 160/2/94-आयकर नि-1]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

New Delhi, the 4th September, 1995

S.O. 2557.—In exercise of the powers conferred by section 28 of the Income-tax Act, 1974 (45 of 1974), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, being of opinion that it is necessary and expedient so to do having regard to the peculiar circumstances of the case and in public interest, hereby exempts the banking companies to which the Banking Regulations Act, 1949 (10 of 1949) applies (including any bank or banking institution referred to in section 51 of that Act) from the levy of interest-tax in respect of their income from interest on securities with effect from the financial year 1995-96.

[Notification No. 9858/F. No. 160/2/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1995

का.आ. 2558.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में स्थित भारतीय साधारण बीमा निगम के निम्नलिखित कार्यालयों को जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

कंपनी का नाम : दि ओरिएण्टल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

1. मंडल कार्यालय, दादर

2. मंडल कार्यालय-6, बंबई

3. मंडल कार्यालय, ठाणे

4. शाखा कार्यालय, पालघर

5. शाखा कार्यालय-1, बंबई

[सं. 11013/9/95-ह.का.क.]

सुधीर कुमार वर्मा, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 4th September, 1995

S.O. 2558.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rule, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the General Insurance Corporation of India, under the Administrative control of Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, where of more than 80 per cent of staff have acquired working knowledge of Hindi.

Name of the Company : The Oriental Insurance Company Ltd.

1. Divisional Office, Dadra

2. Divisional Office-6, Bombay

3. Divisional Office, Thane

4. Branch Office, Palghar

5. Branch Office-1, Bombay.

[No. 11013/9/95-H.I.C.]

S. K. VERMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1995

का.आ. 2559.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम के निम्नलिखित कार्यालयों को जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. मंडल कार्यालय, कोल्हापुर

2. शाखा कार्यालय-947, कोल्हापुर

3. शाखा कार्यालय-949, कोल्हापुर

4. शाखा कार्यालय-94, एल., कोल्हापुर

5. शाखा कार्यालय-94 एस०, कोल्हापुर

6. शाखा कार्यालय-9252, कोल्हापुर

7. शाखा कार्यालय-9251, मुसुंड

8. शाखा कार्यालय-89 पी., बारणा नगर

9. शाखा कार्यालय-94 एफ., गडहिंग्लज

10. शाखा कार्यालय-94 एल., जयसिंगपुर

11. शाखा कार्यालय-94 ए., इचलकरंजी

12. शाखा कार्यालय-89 एल., इचलकरंजी

13. शाखा कार्यालय-948, रत्नागिरी

14. शाखा कार्यालय-94 डी., चपलून

15. शाखा कार्यालय-94 पी., दायोरी

16. शाखा कार्यालय-94 आर, राजापूर
17. शाखा कार्यालय-94. क्यू., कणकवली
18. शाखा कार्यालय-94 ई., कुडाल
19. शाखा कार्यालय-827, मालवण
20. मण्डल कार्यालय, हजारी बाग
21. शाखा कार्यालय, हजारी बाग
22. सी. ए. बी. कार्यालय, हजारी बाग
23. शाखा कार्यालय, रामगढ़
24. शाखा कार्यालय, बेरमी
25. शाखा कार्यालय, गिरीडीह
26. शाखा कार्यालय, गोंमिया
27. शाखा कार्यालय, झुमरी तिलैया
28. शाखा कार्यालय-1, बोकारो
29. शाखा कार्यालय-2, बोकारो
30. शाखा कार्यालय-3, बोकारो
31. शाखा कार्यालय, चिरकुडा
32. शाखा कार्यालय-1, धनबाद
33. शाखा कार्यालय-2, धनबाद
34. शाखा कार्यालय-3, धनबाद
35. शाखा कार्यालय-4, धनबाद
36. वेतन अक्षत योजना प्रकोष्ठ, धनबाद
37. शाखा कार्यालय, गोविन्दपुर
38. शाखा कार्यालय कतरासगढ़
39. शाखा कार्यालय, सिन्दरा

[सं. 11013/9/95-हि.का.क.]

सुधीर कुमार वर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 4th September, 1995

S.O. 2559.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rule, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Life Insurance Corporation of India, under the Administrative control of Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, where of more than 80 per cent of staff have acquired working knowledge of Hindi.

1. Divisional Office, Kolhapur
2. Branch Office-27, Kolhapur
3. Branch Office-949, Kolhapur
4. Branch Office-94-L, Kolhapur
5. Branch Office-94-S, Kolhapur
6. Branch Office-9252, Kolhapur
7. Branch Office-9251, Murgud
8. Branch Office-89-P, Varanasi
9. Branch Office-94-F, Garhanglej
10. Branch Office-94-L, Jaisingh Pur
11. Branch Office-94-A, Ichalkarnji
12. Branch Office-89-N, Ichalkarnji
13. Branch Office-948, Ratnagiri
14. Branch Office-94-D, Chiploon
15. Branch Office-94-P, Dapoli
16. Branch Office-94-R, Rajapur
17. Branch Office-94-Q, Kanakavli
18. Branch Office-94-E, Kudal
19. Branch Office-827, Malavani

20. Divisional Office, Hazari Bagh
21. Branch Office, Hazari Bagh
22. C.A.B. Office, Hazari Bagh
23. Branch Office, Ram Garh
24. Branch Office, Bermo
25. Branch Office, Giridih
26. Branch Office, Gomia
27. Branch Office, Jhumri Tellia
28. Branch Office-1, Bokaro
29. Branch Office-2, Bokaro
30. Branch Office-3, Bokaro
31. Branch Office, Chir Kundah
32. Branch Office-1, Dhanbad
33. Branch Office-2, Dhanbad
34. Branch Office-3, Dhanbad
35. Branch Office-4, Dhanbad
36. P.D.S. Unit, Dhanbad
37. Branch Office, Govindpur
38. Branch Office, Katrasgarh
39. Branch Office, Sindri

[No. 11013/9/95-H.I.C.]

S. K. VERMA, Under Secy.

(वैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1995

का.आ. 2560.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजन के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में संलग्न अनुबद्ध में निम्नलिखित बैंकों के सूचीबद्ध कार्यालयों/शाखाओं को, जिनके कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

क्र.सं.	बैंक का नाम	कार्यालय/शाखाओं की संख्या
1.	भारतीय स्टेट बैंक	1
2.	भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक	1
3.	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	2
4.	युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया	2
5.	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	11
6.	स्टेट बैंक ऑफ वीकानेर एंड जयपुर	18
7.	पंजाब नेशनल बैंक	5
8.	बैंक ऑफ बड़ोदा	36
9.	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	28
10.	विजया बैंक	156
11.	कारपोरेशन बैंक	6
	कुल	276

[सं. 11016/4/95-हिन्दी]

सुधीर भार्गव, निदेशक

राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अन्तर्गत  
शाखाएं अधिसूचित करना

1. भारतीय स्टेट बैंक,  
आंचलिक कार्यालय,  
सयाजीगंज,  
बड़ोदरा-390 005

राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अन्तर्गत  
कार्यालयों को अधिसूचित किया जाना

1. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक,  
5-आर/2, दूसरी मंजिल,  
बादशाह खान चौक,  
नीलम बाद शाह खान मार्ग,  
फरीदाबाद-121 001

राजभाषा 10(4) के अन्तर्गत कार्यालय को अधिसूचित करना

1. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक,  
जनार्दन टावर, पहली मंजिल,  
2, रेसीडेंसी रोड,  
बंगलौर-560025
2. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक,  
नेपच्यून टावर, दूसरी व तीसरी मंजिल,  
नेहरू पुल के पास, आश्रम रोड,  
पोस्ट बैंग सं. 22, अहमदाबाद-380009

राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अन्तर्गत कार्यालयों/  
शाखाओं को अधिसूचित करना

1. यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया,  
उत्तर भारत क्षेत्र,  
206-208, अंसल भवन,  
16, कस्तूरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली-110001
2. यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया,  
पारादीप शाखा, कम्युनिटी सेंटर  
के नजदीक, जयदेव सदन,  
पी ओ पारादीप पोर्ट  
जिला जगतसिंह पुर-754 142

राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अन्तर्गत अधिसूचित  
की जाने वाली शाखाएं

अंचल—हैदराबाद

भाषिक क्षेत्र “ग”

जगत्पाल

अंचल—बम्बई

1. अब्दुल रहमान स्ट्रीट
2. बोरीबंदर
3. ग्रांट रोड,

4. ओवरसीज
5. कालबादेवी
6. कोलांदा कांजरे
7. कांटन एक्सचेंज शाखा
8. क्राफ्ट मार्फेट
9. नल बाजार
10. आपेरा हाउस
11. एस.वी.पी. रोड  
स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर  
एंड जयपुर  
प्रधान कार्यालय, जयपुर

शाखाओं की सूची जिन्हें राजभाषा नियम 1976 के नियम  
10(4) के अन्तर्गत अधिसूचित करती है :—

जिला—चित्तौड़गढ़

1. चित्तौड़गढ़  
जिला—अजमेर
2. मदनगंज (औ. क्षे.) किशनगढ़  
दिल्ली :
3. सेवा शाखा, नई दिल्ली
4. लारेन्स रोड, नई दिल्ली
5. नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
6. फेज रोड, नई दिल्ली
7. अमर कालोनी, नई दिल्ली
8. पश्चिम बिहार, नई दिल्ली
9. बादली औ. क्षे. नई दिल्ली

10. रेवाड़ी
11. आगरा, माह गंज
12. देहरादून
13. मुजफ्फरनगर
14. बृन्दावन

जिला अलवर :

15. स्टेशन रोड, राजगढ़
16. खैरथल

जिला—सवाई माधोपुर

17. क्षेत्रीय कार्यालय, सवाई माधोपुर  
जिला—जयपुर
18. कुलेरा

पंजाब नेशनल बैंक के शाखा कार्यालय जिन्हें नियम 10(4) में  
अधिसूचित किया जाना है ।

1. अलगांव  
एम० जी० रोड, नावी पेठ
2. चन्द्रपुर  
जेतपुर गेट, मेन रोड  
के पास-442401

3. साटक, शाखा कार्यालय  
तालुका-पारसीमोनी-  
441105
4. सा. का. सूरज सदन  
नागपुर
5. श्रीरागोड़ा  
धनबाद,  
बिहार।

## बैंक ऑफ बड़ौदा

राजभाषा नियम 10(4) की आवश्यकताओं के अनुसार सरकार गजट में अधिसूचना हेतु प्रस्तावित पात्र शाखाओं/कार्यालयों के नाम व पते :

शाखा/कार्यालय का नाम व पते

1. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
सेवा शाखा, पी. डी. टंकन रोड,  
दलाहाबाद
2. बैंक ऑफ बड़ौदा  
बांदा शाखा,  
जिला बांदा
3. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
रेवा शाखा,  
गुरुधाम कालोनी,  
बाराणसी
4. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
प्रशोक नगर शाखा,  
कानपुर
5. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
गुलजार बाग रेलवे स्टेशन रोड,  
शाखा, गुजरी,  
पटना सिटी-800 008  
(बिहार)
6. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
भुइयाडिह शाखा,  
भुइयाडिह,  
जमशेदपुर,  
(बिहार)
- क. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
मण्डल रेल कार्यालय शाखा,  
प्रजमेर,  
जिला-प्रजमेर
8. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
सांगानेर-भीलवाड़ा,  
जिला-भीलवाड़ा
9. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
मानसरोवर शाखा,  
जयपुर,  
जिला-जयपुर
10. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
अंतर्राष्ट्रीय शाखा,  
जयपुर,  
जिला-जयपुर
11. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
बगरु शाखा,  
जिला-जयपुर
12. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
बाईस गोदाम शाखा,  
जयपुर
13. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
भरावली बिहार शाखा,  
भरवली
14. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
देवीपुरा कोठी रोड,  
सीकर,  
जिला-सीकर
15. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
चांदपोल शाखा,  
जोधपुर,  
जिला-जोधपुर
16. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
सवाई माधोपुर शहर शाखा,  
सवाई माधोपुर,  
जिला-सवाई माधोपुर
17. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
बृज औद्योगिक क्षेत्र शाखा,  
भरतपुर,  
जिला-भरतपुर
18. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
एस. सी. ओ. 22,  
सेक्टर 11, पंचकुला (हरियाणा)
19. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
9, ट्रांसपोर्ट नगर,  
प्रथम तल,  
कोरबा-495679
20. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
ज्योत्सना काम्पलेक्स,  
एम जी रोड,  
सतना-485001
21. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
परासिया रोड,  
पंकज टाकीज के पीछे,  
छिन्हावाड़ा-480002



22. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
ए. बी. रोड,  
शिवपुरी-473 551
23. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
जीन घर,  
बस स्टैंड के पास,  
एम. बी. रोड,  
गुना-473001
24. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
सुखेर औद्योगिक क्षेत्र,  
उदयपुर,  
जिला उदयपुर
25. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
ओवरसीज शाखा,  
सूरज प्लाजा-1,  
भूमितल,  
सयाजीगंज,  
बड़ौदा (गुजरात)
26. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
बाकोर शाखा,  
जिला-पंचमहल,  
(गुजरात)
27. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
विक्का कालोनी शाखा,  
जिला : पंचमहल  
(गुजरात)
28. बैंक ऑफ बड़ौदा  
साहेरा शाखा,  
जिला पंचमहल  
(गुजरात)
29. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
विधान सभा शाखा,  
गांधीनगर (गुजरात)
30. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
भीड़ शाखा,  
जिशा मेहसाणा,  
(गुजरात)
31. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
चांसोल शाखा,  
जिला-मेहसाणा,  
(गुजरात)
32. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
छाड़ोतर शाखा,  
जिला-मेहसाणा,  
(गुजरात)
33. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
मोटा बराछा शाखा,  
ग्राम पंचायत बिल्डिंग,  
तालुका धोर्यासी,  
जिला सूरत (गुजरात)  
पिन-394 105
34. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
बड़दे मला, मंत्री मार्केट,  
हृषपसर, पुणे-411 028  
(महाराष्ट्र)
35. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
बसई (पूर्व) शाखा,  
गौरी अपार्टमेंट अंधिका कर्मशिवल,  
काम्पलेक्स, नवधर (पूर्व),  
सिडको कार्यालय के पीछे,  
बसई (पूर्व), जिला धाना
36. बैंक ऑफ बड़ौदा,  
भायंदर (पूर्व) शाखा,  
कामाक्षी हाल, कामाक्षी सदन,  
जैमल पार्क रोड, भायंदर (पूर्व),  
जिला-धाना 401 105
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
राजभाषा विभाग,  
केन्द्रीय कार्यालय
- राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अन्तर्गत  
शाखाओं को अधिमूर्तित करना
- क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर
1. सवाई माधोपुर शाखा,  
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
11/12, जवाहर कालोनी,  
मानटाउन, सवाई माधोपुर शाखा,  
जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान)
- अंचलीय कार्यालय, बेंगलूर
2. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
अन्नभोटला वारिपालेम शाखा,  
प्रकाश म जिला  
पिन कोड-523 174
  3. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, अंगोल शाखा,  
पो. बा. नं. 12, गांधीमार्ग, रोड,  
अंगोल-523 002  
संवर्ग अर्धशहरी
  4. बोवनपल्ली शाखा,  
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
प्लॉट नं. 8, कृष्णा रेड्डी नगर,  
सिकन्दराबाद,  
आंध्र प्रदेश-500 011

## अधिलेखीय कार्यालय, पुणे

5. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
हृषपसर शाखा, मंत्री बिल्डिंग,  
क्र. 165/177, हृषपसर मार्ग,  
पुणे-411 028 (महाराष्ट्र)

## क्षेत्रीय कार्यालय रांची

6. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
कालीमाटी रोड शाखा,  
मिल्लीराम मार्केट,  
साकची—जमशेदपुर  
जिला—सिन्धुभूम (पूर्व)

## क्षेत्रीय कार्यालय, विशाखापट्टणम

7. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
तण्डु शाखा,  
डार क्र. 25/68,  
पहला तल,  
बेलपूरु रोड,  
तण्डु—524211  
पश्चिमी गोदावरी जिला
8. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
पालकील्लु शाखा, 13-7-2, भूतल,  
हरिप्रिया मेशन रंगमन्तार पेट,  
पालकील्लु,  
पश्चिम गोदावरी जिला (आंध्र प्रदेश)  
अमलापुरम शाखा,
9. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
3-1-148, पहला तल,  
राम सदन, के. अग्रहारम,  
अमलापुरम—533 201  
गोदावरी जिला  
जिला (आंध्र प्रदेश)

## क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे

10. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
लघु उद्योग शाखा,  
619 साचापीर स्ट्रीट,  
पुणे छावनी,  
पुणे—411 001

## क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़

11. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
सैड पाइपर, हरियाणा टूरिज्म के सामने,  
सरकुलर रोड, रिवाड़ी शाखा,  
रिवाड़ी—123 400 (हरियाणा)

## पुणे शाखा

12. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
कोलमरे शाखा,  
मु. पो. कोलमरे,  
तालुका सापोली  
जिला—रत्नागिरी  
महाराष्ट्र राज्य  
पिन कोड—415 712

## क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूर

13. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
म्वे शाखा,  
659-60 रविबार पेट,  
पो. बा. नं. 128,  
बेंगलूर—590 002

## क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूर

14. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
चित्रदुर्ग शाखा  
विजय काम्प्लेक्स,  
बी.डी. मार्ग,  
चित्रदुर्ग—577 501

## क्षेत्रीय कार्यालय, विजयवाड़ा

15. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
वेल्लटूरु शाखा,  
रेपल्से तालुका,  
पिन : 522 257

## क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर

16. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
कटक कालेज स्कवेयर शाखा,  
कालेज स्कवेयर,  
भीम-आईस फैक्टरी रोड,  
कटक, उड़ीसा —753 003

17. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
ब्रजराजनगर शाखा,  
स्थान/पोस्ट : ब्रजराजनगर,  
जिला : भारतगुडा,  
उड़ीसा

18. यूनिवर्सल बैंक ऑफ इंडिया,  
अयनगर शाखा,  
स्थान/पोस्ट अयनगर,  
बसा : राजकनिथा,  
जिला—केन्द्रपाड़ा,  
उड़ीसा—754 220

19. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
छुरियापल्ली शाखा,  
स्थान/पोस्ट : छुरियापल्ली,  
ग्राम : सोहेला,  
जिला : बरगढ़,  
उड़ीसा—768 033
20. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
गईसीमा शाखा,  
स्थान/पोस्ट : गईसीमा,  
ग्राम : बरगढ़,  
जिला : बरगढ़,  
उड़ीसा—768 040
- अंचलीय कार्यालय, लखनऊ
21. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
रिहन्द नगर शाखा,  
रिहन्द नगरपरियोजना क्षेत्र,  
जिला : सोनभद्र,  
उत्तर प्रदेश
- केन्द्रीय कार्यालय, पटना
22. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
हाजीनर शाखा,  
चांदपुरा हाउस,  
सिनेमा रोड हाजीपुर,  
जिला—बैशाली—844 101
- क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर
23. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
अस्पताल मार्ग,  
बारां शाखा,  
जिला—बारां (राजस्थान)  
पिन कोड—325 205
- अंचलीय कार्यालय, दिल्ली
24. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
औद्योगिक वित्त शाखा,  
नयी दिल्ली—110 001
25. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
विदेश व्यापार शाखा,  
प्रथम तल, जी—39,  
कनाट सर्कस,  
नई दिल्ली—110 001
26. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
एस.एस.आई. शाखा,  
बी-231, ओबला इंडस्ट्रीयल एरिया,  
फेज—1, ओबला, नई दिल्ली
- क्षेत्रीय कार्यालय, बरदवान
27. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
अंबोना शाखा,  
ग्राम एवं पोस्ट अंबोना,  
जिला बरदवान,  
पिन कोड नं. 713120 (प. अणाल)
- क्षेत्रीय कार्यालय, नासिक
28. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,  
सौभाग्यनगर शाखा,  
177, ग्राह्म अपार्टमेंट्स,  
लाम रोड, नाका नं. 6 के पास,  
देवलाही,  
नासिक—422 401
1. विजया बैंक  
जालंधर (7502),  
पो. बा. सं. 131, जी टी रोड,  
जनरल पोस्ट ऑफिस के सामने,  
जालंधर
2. विजया बैंक,  
पटियाला (7504),  
पो. बा. सं. 63,  
1229/4, धर्मपुरा बाजार,  
पटियाला,
3. विजया बैंक,  
अहमदाबाद प्रभागीय लेखा कार्यालय,  
(9208) "नौकल्स", आश्रम रोड,  
अहमदाबाद
4. विजया बैंक,  
अहमदाबाद, अम्बावाणी (1302)  
संजय अपार्टमेंट्स,  
डा. विक्रम साराभाई रोड,  
एलिस ब्रिज, अम्बावाड़ी,  
अहमदाबाद
5. विजया बैंक,  
अहमदाबाद आश्रम रोड (7315),  
"नौकल्स" नेहरू ब्रिज के सामने,  
आश्रम रोड, अहमदाबाद
6. विजया बैंक,  
अहमदाबाद गुरुकुल (7324),  
गोमल इंटरसिटी रोड,  
बलतेज रोड के पीछे, गुरुकुल,  
अहमदाबाद

7. विजया बैंक,  
अहमदाबाद-माणिक चौ (7305),  
मदन गोपाल हवेली,  
माणिक चौक, अहमदाबाद
8. विजया बैंक,  
अहमदाबाद मणिलगर (7304),  
पो बा सं. 9060,  
143/11, सुवास बिल्डिंग,  
कृष्ण बाग, मणिलगर,  
अहमदाबाद
9. विजया बैंक,  
अहमदाबाद नवरापुरा (7306),  
पो. बा. सं. 4065,  
40, श्रीमान को-ऑपरेटिव हूडसिंग,  
मोसाहटी लि. नवरंगपुरा,  
अहमदाबाद
10. विजया बैंक,  
अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय (9101),  
"नोबल्स" नेहरू ब्रिज के सामने,  
छात्रम रोड, अहमदाबाद
11. विजया बैंक,  
अहमदाबाद रिलीफ रोड (7301),  
पो बा सं. 203, प्रथम तल,  
विशाल कमर्शियल सेंटर, पञ्चकुवा,  
रिलीफ रोड, अहमदाबाद
12. विजय बैंक,  
अहमदाबाद-सरसपुर (7321),  
313, पीठ बाजार, सरसपुर,  
अहमदाबाद
13. विजया बैंक,  
आणंद (7323), विजया चैम्बर्स,  
नगरपालिका के सामने,  
मरदार गंज रोड, आणंद
14. विजया बैंक,  
अंकलेश्वर (7325),  
इन्द्रप्रस्थ शापिंग सेंटर,  
प्रथम तल, होटल महाशिव के पास,  
पो. बा. सं. 173, ओल्ड एन एच सं. 8,  
अंकलेश्वर
15. विजया बैंक,  
बड़ौदा-अलकापुरी (7309),  
बी एन चैम्बर्स,  
आर सी बस्ता रोड,  
अलकापुरी, बड़ौदा
16. विजया बैंक,  
बड़ौदा-रावणपुरा रोड (7303),  
सी आई एस ओ चैम्बर्स,  
रावपुरा रोड, बड़ौदा
17. विजया बैंक,  
बड़ौदा सयाजीपुरा (7318),  
आजवा रोड,  
सयाजीपुरा,  
बड़ौदा
18. विजया बैंक,  
कैम्बे (7313),  
अम्बासी मंजिल,  
स्टेशन रोड, खम्भात,  
कैम्बे खेड़ा जिला
19. विजया बैंक,  
गांधीनगर (7222),  
प्लॉट सं. 111, सेक्टर-8,  
सेंट जेवियर्स स्कूल, गांधीनगर,  
गुजरात
20. विजया बैंक,  
जामखम्भालिया (7319),  
पोस्ट आफिस रोड,  
पो. बा. सं. 25,  
जामखम्भालिया, जामनगर जिला
21. विजया बैंक,  
जामनगर (710),  
सोमयूया मेशन,  
सुपर मार्केट के पास,  
जामनगर
22. विजया बैंक,  
काछियावाड़ी (7317),  
काछियावाड़ी,  
नवधारी तालुक,  
बलसाद जिला
23. विजया बैंक,  
मछाय (7316),  
बुल्काभवन, फेलिया स्कूल,  
मछाय, नवसारी तालुक,  
बलसाद जिला
24. विजया बैंक,  
नवसारी (7311),  
पो. बा. सं. 65,  
गोलबाड गेट,  
नवसारी,  
बुल्सार जिला

25. विजया बैंक,  
पोरबंदर (7312),  
पो बा सं. 71,  
महात्मा गांधी रोड,  
पोरबंदर,  
अनागढ़ जिला
26. विजया बैंक,  
राजकोर (7307),  
छेबरभाई रोड,  
राजकोर
27. विजया बैंक,  
मूरत (7308),  
पो बा सं. 292  
ठाकर भाई मिठाईवाला मार्केट,  
रिंग रोड, मूरत
28. विजया बैंक,  
बेरावल (7314),  
बंदर रोड,  
टिम्बर मार्केट,  
बेरावल,  
अनागढ़ जिला
29. विजया बैंक,  
अहमदनगर (5001),  
2436, मध्यम बिल्डिंग,  
तेलीकुंट,  
एम जी रोड,  
अहमदनगर
30. विजया बैंक,  
अनकलकोर (5050),  
सी एस टी सं. 122/3ए,  
एस टी बसस्टैंड के सामने,  
अनकलकोर, पुणे जिला
31. विजया बैंक,  
अमरावती (5030),  
26/2, 27/7, प्रथम तल,  
जे जे कॉम्प्लेक्स,  
ग्रोल्ड कॉर्टन मार्केट रोड,  
अमरावती
32. विजया बैंक,  
डोम्बिविली (5023),  
त्रिबेणी बिल्डिंग,  
प्रथम तल, लोकमान्य चौक,  
नेहरू रोड, डोम्बिविली,  
ठाणा जिला
33. विजया बैंक,  
अलगांव (5037),  
पो. बा सं. 59, ई बिंग, दूसरा तल,  
सेंट्रल फूले मार्केट,  
अलगांव
34. विजया बैंक,  
कराड (5026),  
233 ई, मनिवार पेठ,  
तहसीलदार कचहरी के सामने,  
कराड,  
सतारा जिला
35. विजया बैंक,  
किर्की (5038),  
सं. 48, न्यू किर्की बाजार,  
किर्की,  
पुणे
36. विजया बैंक,  
लोनावाला (5040),  
प्लॉट सं. 30, कुएकेवा बिल्डिंग,  
न्यू भठगसबाडी रोड,  
लोनावाला
37. विजया बैंक,  
मीरज (5024),  
पो० बा० सं. 21, श्रीनाथ बालासाहेब,  
जुबली लावलेरी बिल्डिंग,  
लक्ष्मी मार्केट के पास, मीरज,  
सांगली जिला
38. विजया बैंक,  
नागपुर (5013),  
सं. 93-94, गांधी बाग,  
सेंट्रल एवेन्यू रोड,  
नागपुर
39. विजया बैंक,  
नासिक (5036),  
पो बा सं. 416, सं. 7 भू तक  
“अभयनकर प्लाजा”,  
एम जी रोड, नासिक
40. विजया बैंक,  
न्यू पानवेल न्यू बम्बई (5053),  
“हरि कीर्तन” बंगला,  
प्लॉट सं. 1, रोड सं. 8,  
सेक्टर 11, मैथेरन रोड,  
न्यू पानवेल—5

41. विजया बैंक,  
पापडी (5032),  
सेंट थॉमस बैप्टिस्टा जूनियर कालेज,  
काम्पाउण्ड, पापडी,  
वसे (पश्चिम), बर्सेन तालूक,  
धाणा जिला
42. विजया बैंक,  
पुणे सदाशिवपेट (5016),  
पो बा सं. 710,  
स्वेजस हाउस,  
1159, सदाशिवपेट, पुणे,
43. विजया बैंक,  
सांगली (5041),  
पो बा सं. 188,  
1117/3के + 4, सुशील निवास,  
प्रथम तल, मारुति रोड,  
सांगली
44. विजया बैंक,  
सोलापुर (5018),  
पो बा सं. 431,  
प्रथम तल,  
गणेशपेट शॉपिंग सेंटर,  
सोलापुर
45. विजया बैंक,  
धाणा (पश्चिम) (5019)  
मल्हार थियेटर कम्पाउण्ड,  
टेलीफोन एक्सचेंज के सामने,  
गोखले रोड, नवपाया,  
धाणा
46. विजया बैंक,  
वाशी-न्यू बम्बई (5044),  
एफ-3/3, सेक्टर सं. 10,  
वाशी, न्यू बम्बई
47. विजया बैंक,  
भयठवर (5051),  
एच/सेक्टर, जसल पार्क,  
भयंवर पूर्व,  
श्री लक्ष्मीनारायण बिल्डिंग,  
धाणा, जिला
48. विजया बैंक,  
बम्बई ग्रंथेरी (5035),  
1/बी, अलका जैम्बर्स,  
एस वी रोड,  
ग्रंथेरी (पश्चिम),  
बम्बई
49. विजया बैंक,  
बम्बई बांद्रा (5002),  
81, हिल रोड,  
बांद्रा (पश्चिम),  
बम्बई
50. विजया बैंक,  
बम्बई भुलेश्वर (5029),  
पो बा सं. 2050  
जौहरी मैगन,  
259/264, काल्वादेवी रोड,  
बम्बई
51. विजया बैंक,  
बम्बई-जेम्बूर (5003),  
"कुमकुम", भू-तल,  
17वां रोड, रामकृष्ण चेम्बूरकर, मार्ग,  
चेम्बूर,  
बम्बई
52. विजया बैंक,  
बम्बई-चीराबाजार (5015),  
586, चीराबाजार,  
जगन्नाथ शंकर सेठ रोड,  
चीराबाजार,  
बम्बई
53. विजया बैंक,  
बम्बई चूनाभट्टी (5042),  
बंलरा बवना भंडारी एस्टेट,  
चूनाभट्टी, कुर्ली पूर्व,  
बम्बई
54. विजया बैंक,  
बम्बई कोलाबा (5005),  
सं. 29, कफ परेड,  
कोलाबा,  
बम्बई
55. विजया बैंक,  
बम्बई एक्सेलसियर (5006),  
न्यू एक्सेलसियर सिनेमा बिल्डिंग,  
रेवेलीन स्ट्रीट,  
बम्बई
56. विजया बैंक,  
बम्बई-फोर्ट (5007),  
एम्का हाउस, सं. 289,  
जहीद भगत सिंह मार्ग,  
फोर्ट, बम्बई

57. विजया बैंक,  
बम्बई—गामदेवी (5008),  
पो. बा. सं. 4055,  
प्रथम तल, धरम पैलेस,  
एन एस पाटकर मार्ग, गामदेवी,  
बम्बई
58. विजया बैंक,  
बम्बई—गोरेगांव (5009),  
नालंदा शापिंग सेंटर,  
बानु मोरे मार्ग,  
स्टेशन रोड,  
गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई
59. विजया बैंक,  
बम्बई—माहिम (5011),  
(आराधना),  
नेही जमशेवजी रोड, माहिम,  
बम्बई
60. विजया बैंक,  
बम्बई मांडवी (5012),  
"प्रवसर",  
77/81, काजी सम्यद स्ट्रीट,  
मांडवी, बम्बई
61. विजया बैंक,  
बम्बई—माटुंगा (5022),  
एच ए डी बोर्डर्स इस्टिटीयूशन,  
तापू मांडन के सामने,  
माटुंगा, बम्बई
62. विजया बैंक,  
बम्बई—मुलुव (ईस्ट) (5048),  
गौरव कानेर,  
के बी डी फडके रोड व नववर,  
रोड अंकनम, मुलुव (पूर्व),  
बम्बई
63. विजया बैंक,  
बम्बई—समुद्रपारीय (5043),  
पो. बा. सं. 11675,  
222, मेकर चेम्बर्स IV,  
नरीमन पॉइंट,  
बम्बई
64. विजया बैंक,  
बम्बई सांताक्रुज (पश्चिम) (5017),  
"पर्स व्हीन",  
मार्श एवेन्यू रोड,  
सांताक्रुज (पश्चिम),  
बम्बई
65. विजया बैंक,  
बम्बई विन्से पार्ले (5020),  
12-बी, अमृत निवास,  
पो. बा. सं. 8045, टी पी एस III,  
मरोजिनी रोड, विन्से पार्ले,  
पश्चिम, बम्बई
66. विजया बैंक,  
बम्बई—वडाला (5021),  
स्तम्भ तीर्थ,  
82, रफी अहमद किर्दार रोड,  
वडाला, बम्बई
67. विजया बैंक,  
बम्बई वर्ली (5021),  
एनम चेम्बर्स,  
शिवसागर एस्टेट,  
डॉ. एनीबेसेंट रोड,  
वर्ली, बम्बई
68. विजया बैंक,  
बम्बई अंचल कार्यालय (5103),  
विकास सेंटर,  
प्रथम तल, एस बी रोड,  
माताक्रुज (पश्चिम), बम्बई
69. विजया बैंक,  
पालघर (5049),  
गोकुलधाम शापिंग सेंटर,  
माहिम रोड, पालघर,  
वाणो जिला, महाराष्ट्र  
अस "ग"
70. विजया बैंक,  
आलप्पुजा (2001),  
पो. बा. सं. 61,  
आयरम ब्रिज के पास,  
आलप्पुजा,  
आलप्पुजा जिला
71. विजया बैंक,  
चावक्काड—अ नि था (2067),  
चावक्काड कुण्णम—कुलम रोड,  
चावक्काड,  
त्रिपशूर जिला
72. विजया बैंक,  
चंगनाशेरी (2060),  
पो. बा. सं. 32,  
मुनिसिपल अंकनम,  
चंगनाशेरी,  
कोट्टायम जिला

73. विजया बैंक,  
चेतला (2034),  
केएमआरटीसी बस स्टैंड के सामने,  
चेतला, श्रालप्पुजा जिला
74. विजया बैंक,  
चौदटानिककरा (2007),  
बुडलेण्डम बिल्डिंग,  
चौदटानिककरा पोस्ट,  
एरणाकुलम जिला
75. विजया बैंक,  
एरणाकुलम ब्राडवे (2011),  
शान्ता एस्टेट, प्रथम तल,  
पोस्ट आफिस लिंक रोड,  
ब्राडवे एरणाकुलम,  
कोच्चि
76. विजया बैंक,  
एरणाकुलम-एमजीरोड (2022),  
पो. बा. नं. 1722,  
एरणाकुलम,  
कोच्चि
77. विजया बैंक,  
गुरुवापुर (2065),  
डोर नं. 101/9-10,  
गया बिल्डिंग, ईस्ट नाडा,  
गुरुवापुर, विष्णुपुर जिला,  
केरल राज्य
78. विजया बैंक,  
करिबा (2048),  
के. पी. नं. II/490,  
प्रथम तल, चौदटक्करा बिल्डिंग,  
करिबा,  
पालक्काड जिला
79. विजया बैंक,  
केशवदासपुरम (2051),  
मुख्यमटम बिल्डिंग,  
केशवदासपुरम जंक्शन,  
तिरुवनन्त पुरम
80. विजया बैंक,  
किजक्कनचेरी (2016),  
डोर नं. 1/365,  
पो. ओ. किजक्कनचेरी,  
पालक्काड जिला
81. विजया बैंक,  
कोच्चि-2 (2008),  
पो. बा. नं. 335,  
इंडियन चेम्बर आफ कामर्स बिल्डिंग,  
चौदटकुलम रोड, मट्टांचेरी,  
कोच्चि
82. विजया बैंक,  
कोल्लम (2032),  
पो. बा. नं. 26,  
बडयाट्टु कोर्ट रोड,  
चामकडा,  
कोल्लम
83. विजया बैंक,  
कोट्टयम (2018),  
वाई. एम. सी. पी. बिल्डिंग,  
कोट्टयम
84. विजया बैंक,  
कोजनचेरी (2068),  
पो. बा. नं. 7, नल्लम तोडात बिल्डिंग,  
पन्ननमनिट्टा जिला अस्पताल रोड,  
कोजनचेरी, ||  
पन्ननमनिट्टा जिला, केरल
85. विजया बैंक,  
मण्णारक्काड (2026),  
मेन रोड,  
मण्णारक्काड,  
पालक्काड जिला
86. विजया बैंक,  
मुक्कूर (2057), मुक्कूर,  
पालकतकिडी,  
कुन्नन्तानम,  
पन्ननमनिट्टा जिला
87. विजया बैंक,  
मुवाट्टुपुजा (2027),  
पो. बा. नं. 12,  
पालप्पूरम बिल्डिंग,  
न्यू बाजार, मुवाट्टुपुजा,
88. विजया बैंक,  
नेडुम्पुरम (2050),<sup>1</sup>  
नेडुम्पुरम,  
पन्ननमनिट्टा जिला
89. विजया बैंक,  
नेल्लया (2053),  
पी. ओ. नेल्लया,  
पालक्काड जिला
90. विजया बैंक,  
नेट्टूर (2049),  
10/69-कोविन बहापाम रोड,  
नेट्टूर,  
एरणाकुलम



91. विजया बैंक,  
ओलवक्कोट (2046),  
35/62, वुडेवस,  
पोस्ट आफिरा रोड,  
ओलवक्कोट,  
पालक्काड जिला, केरल
92. विजया बैंक,  
पालक्काड (2028),  
प्रथम तल, पो. बा. नं. 36,  
तेरडुपुजा बिल्डिंग,  
टाऊन रेलवे स्टेशन के सामने,  
पालक्काड
93. विजया बैंक,  
पुतियाकाव (2047),  
बैंकम रोड,  
पुतियाकाव,  
एरणाकुलम जिला
94. विजया बैंक,  
विश्वेश्वर (2038),  
पो. बा. नं. 124,  
तिरुवम्बाडी देवस्वम बिल्डिंग,  
राऊण्ड वेस्ट, विश्वेश्वर,  
विश्वेश्वर जिला
95. विजया बैंक,  
तिरुवल्ला (2058),  
बेंगल बिल्डिंग,  
नार्थ आफकाम जंक्शन,  
तिरुवल्ला,  
पल्लनमतिट्टा जिला
96. विजया बैंक,  
तिरुवनन्तपुरम (2041),  
पो. बा. नं. 152 स्वस्तिक सेंटर,  
टी सी 25/2425-2,  
प्रथम तल, एम जी रोड,  
तिरुवनन्तपुरम
97. विजया बैंक,  
विष्णुल्लुरा (2040),  
पो. बा. नं. 11,  
मेन रोड,  
विष्णुल्लुरा,  
एरणाकुलम जिला
98. विजया बैंक,  
निवेन्द्रम-क्षेत्रीय कार्यालय (9117),  
स्वस्तिक सेंटर,  
टी सी 25/2425-3,  
दूसरा तल,  
एम जी रोड,  
तिरुवनन्तपुरम
99. विजया बैंक,  
बंदाजी (2042),  
बंदाजी,  
आलतूर तालुक,  
पालक्काड जिला
100. विजया बैंक,  
वायनूर (2062),  
नं. 4/433 ई,  
पट्टांकी कुट्टमाड रोड,  
वायनूर,  
पालक्काड जिला
101. विजया बैंक,  
वेल्तरडा (2043),  
1/867, नारायण बिल्डिंग,  
पनचमुडु पोस्ट,  
तिरुवनन्तपुरम जिला
102. विजया बैंक,  
विल्लिगटन ग्राइलैड (2063),  
सीटीवीयू बिल्डिंग,  
13वां फ़्लोर,  
ब्रिटो रोड,  
विल्लिगटन ग्राइसेलड, कोच्ची,
103. विजया बैंक,  
हैदराबाद-आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा,  
आ व शाखा,  
पो. बा. सं. 513,  
5-1-743, बैंक स्ट्रीट,  
हैदराबाद
104. विजया बैंक,  
हैदराबाद-बैंक स्ट्रीट (4003),  
पो. बा. सं. 513,  
5-1-743, बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद
105. विजया बैंक,  
हैदराबाद-चारमीनार (4058),  
22-6-76, प्रथम तल,  
मुलज्जर हीज, चारकमान,  
चारमीनार, हैदराबाद
106. विजया बैंक,  
हैदराबाद-करंसी चेस्ट (9606),  
करंसी चेस्ट,  
3-4-558, नारायणगुडा,  
हैदराबाद, आंध्र प्रदेश
107. विजया बैंक,  
हैदराबाद-प्रभागीय लेखा का. (9206),  
3-6-140/5 बी,  
हिमायतनगर, हैदराबाद

108. विजया बैंक,  
हैदराबाद-गोशामहल बेगम रोड,  
खाजा एस्टेट्स, प्रथम तल,  
15-8-514, ओल्ड फीलखाना,  
गोशामहल, हैदराबाद
109. विजया बैंक,  
हैदराबाद-हार्डीकरबाग (4012),  
गंगनमहल रोड, 1-2-54/3,  
हार्डीकरबाग, हैदराबाद
110. विजया बैंक,  
हैदराबाद-मालकपेट (4043),  
पो. बा. सं. 1309,  
16-2-674/6/के  
मालकपेट हैदराबाद
111. विजया बैंक,  
हैदराबाद मुखरमजाही रोड (4037),  
पो बा सं. 547, दिवन सिटी मार्केट,  
प्रथम तल, 5-4-183, एम जे.  
मार्केट के पास, हैदराबाद
112. विजया बैंक,  
हैदराबाद-नल्लकुंटा (4016),  
2-1-460/1, यूनिवर्सिटी रोड,  
नल्लकुंटा, हैदराबाद
113. विजया बैंक,  
हैदराबाद-नारायणगुडा (4046),  
3-4-558, नारायणगुडा,  
हैदराबाद
114. विजया बैंक,  
हैदराबाद-पब्लिक गार्डन रोड (4048),  
5-8-328/11, पब्लिक गार्डन रोड,  
हैदराबाद
115. विजया बैंक,  
हैदराबाद-क्षेत्रीय कार्यालय (9111),  
पो बा सं. 218,  
306, 307 व 308, तृतीय तल,  
बाबूखान एस्टेट,  
बशीरबाग, हैदराबाद
116. विजया बैंक,  
हैदराबाद सोमीजीगुडा (4021),  
6-3-652, आनंदा चैम्बर्स,  
अमृता एस्टेट्स, सी. ई. आफिस के सामने,  
पी. डब्ल्यू. डी. एरामंजिल, मामाजीगुडा,  
हैदराबाद
117. विजया बैंक,  
हैदराबाद-विजयनगर कालोनी (4025),  
10-3-677, विजयनगर कालोनी,  
विजयनगर कालोनी डाकघर के सामने,  
हैदराबाद
118. विजया बैंक,  
सिकंदराबाद-एमजीरोड (4020),  
पो बा सं. 1599,  
45, एम जी रोड, सिकंदराबाद
119. विजया बैंक,  
सिकंदराबाद वेस्ट मरडफल्ली (4008),  
3-6-100, "स्वस्तिका",  
वेस्ट मरडफल्ली, सिकंदराबाद
- विजया बैंक
- राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत  
अधिसूचित की गई शाखाएं
- "क" क्षेत्र
120. विजया बैंक,  
आगरा जीवनी मंडी (7101),  
1426, जीवनी मंडी,  
आगरा
121. विजया बैंक,  
अलीगढ़ (7120),  
सं. 13/6, जी टी रोड,  
अलीगढ़
122. विजया बैंक,  
इलाहाबाद बेली रोड (7122),  
5, बेली रोड, नया कलरा,  
इलाहाबाद
123. विजया बैंक,  
इलाहाबाद खोयामंडी (7102),  
पो बा सं. 112,  
21/23, सुमेरचंद जैन मार्केट,  
खोयामंडी चौक,  
इलाहाबाद
124. विजया बैंक,  
बुलंदशहर (7104),  
165, सिविल लाइन,  
बुलंदशहर
125. विजया बैंक,  
देहरादून (7112),  
पो बा सं. 120,  
चंदर नगर,  
हरद्वार रोड, देहरादून,
126. विजया बैंक,  
गोरखपुर (7114),  
पो बा सं. 58,  
बैंक रोड, गोरखपुर
127. विजया बैंक,  
झांसी (7128),  
पो. बा. सं. 96 कचहरी चौराहा,  
झांसी

128. विजया बैंक,  
लखनऊ विश्वेश्वर नाथ रोड (7127),  
नेहरू भवन,  
नैशनल हेराल्ड बिल्डिंग,  
1, विश्वेश्वरनाथ रोड, केसरबाग,  
लखनऊ
129. विजया बैंक,  
लखनऊ करेंसी चेस्ट (9607),  
करेंसी, चेस्ट, 418/19, डालीगंज, लखनऊ
130. विजया बैंक,  
लखनऊ डालीगंज (7118),  
418/19, डालीगंज, लखनऊ
131. विजया बैंक,  
लखनऊ हजरतगंज (7106),  
31/49, एम जी मार्ग,  
मेफेयर बिल्डिंग, हजरतगंज,  
लखनऊ
132. विजया बैंक,  
मुरादाबाद (7115),  
ए/2, गांधीनगर, दिल्ली रामपुर रोड,  
मुरादाबाद
133. विजया बैंक,  
नैनीताल (7130),  
होटल युडलैण्ड्स बिल्डिंग,  
बड़ा बाजार, माल रोड, मल्लीताल,  
नैनीताल
134. विजया बैंक,  
फूलपुर (7119),  
बस स्टैण्ड के पास, फूलपुर,  
इलाहाबाद जिला
135. विजया बैंक,  
आर एस एम नगर (7123),  
इंदिरानगर, भूतनाथ मार्केट,  
फेजाबाद रोड, रामसागर मिश्रनगर,  
लखनऊ जिला
136. विजया बैंक,  
रायबरेली (7116),  
प्रथम तल, सुपर मार्केट,  
फिरोज गांधी रोड,  
रायबरेली
137. विजया बैंक,  
रामपुर (7125),  
पो बा सं. 41, बाबू राम मार्केट,  
मेस्टनगंज, रामपुर
138. विजया बैंक,  
बोकारो स्टील सिटी (8408),  
15/डी, 1, वेस्टर्न एवेन्यू,  
नया मोड़, बोकारो स्टील सिटी,  
बिहार
139. विजया बैंक,  
पटना करेंसी चेस्ट (9608),  
करेंसी चेस्ट, सत्कार होटल बिल्डिंग,  
फेजर रोड, पटना
140. विजया बैंक,  
भोपाल (7601),  
111, लक्ष्मी निवास,  
सिनध्री कालोनी,  
बेरासिया रोड,  
भोपाल
141. विजया बैंक,  
बीकानेर (7008),  
नं. 4, अमरसियाह पुर,  
न्यू गजनेर रोड,  
बीकानेर
142. विजया बैंक,  
दिल्ली अंसारी रोड (6017),  
2/10, संमति बिहार,  
अंसारी रोड, दरियागंज,  
नई दिल्ली
143. विजया बैंक,  
दिल्ली भीकाजीकामा प्लेस (6020),  
अंसल चेम्बर-II, अपर ग्राउंड फ्लोर,  
फ्लैट नं. यूजी 27 से 34 तक,  
6, भीकाजी कामा प्लेस, अफ्रीका एवेन्यू,  
नई दिल्ली
144. विजया बैंक,  
दिल्ली चांदनी चोक (6002),  
1488-89, चांदनी चोक, दिल्ली
145. विजया बैंक,  
दिल्ली करेंसी चेस्ट (9604),  
करेंसी चेस्ट, कार्नेर हाउस,  
11, मेन कुतब रोड,  
नई दिल्ली
146. विजया बैंक,  
दिल्ली गोपीनाथ बाजार,  
छावनी (6006),  
52/11, गोपीनाथ बाजार,  
दिल्ली छावनी
147. विजया बैंक,  
दिल्ली हीजबास (6015),  
डी-65, हीजबास,  
नई दिल्ली
148. विजया बैंक,  
दिल्ली कमला नगर (6007),  
6926/33, जयपुरिया मिल्स कंपाउंड,  
वार्ड 12, कमला नगर, मन्जीमंडी,  
दिल्ली

149. विजया बैंक,  
दिल्ली समथपुर (6012),  
मेन रोड, समथपुर,  
दिल्ली
150. विजया बैंक,  
गाजियाबाद (7113),  
84, नवयुग मार्केट पो.बा.नं. 152,  
गाजियाबाद
151. विजया बैंक,  
गुडगांव (8303),  
पायल सिनेमा कम कर्माशयल कॉम्प्लेक्स,  
सेक्टर-14,  
हुडा, गुडगांव
152. विजया बैंक,  
जयपुर नाहरी का नाका (7009),  
प्लॉट सं. ए-28, रामनगर,  
अमनईशाह रोड, शास्त्री नगर,  
जयपुर
153. विजया बैंक,  
मोदी नगर (7129),  
6/18, अपर बाजार,  
दिल्ली मेरठ रोड, मोदीनगर,  
गाजियाबाद जिला (उ.प्र.)
154. विजया बैंक,  
नोएडा कॉम्प्लेक्स (7126),  
ए-5, सेक्टर-19,  
नोएडा कॉम्प्लेक्स,  
गाजियाबाद जिला
155. विजया बैंक,  
पंचकुला (8304),  
एस सी ओ 12, सेक्टर-11,  
पंचकुला, अम्बाला जिला,  
हरियाणा
156. विजया बैंक,  
शिमला (7701),  
सं. 2, माल रोड, शिमला,  
हिमाचल प्रदेश

राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अन्तर्गत  
अधिसूचित की जाने वाली शाखाएं/कार्यालय ।

कारपोरेशन बैंक

1. कारपोरेशन बैंक,  
पोरबंदर शाखा,  
"देवी कृपा",  
केदारेश्वर रोड,  
पो.बा. सं. 57,  
पोरबंदर-360 575

2. कारपोरेशन बैंक,  
खंभात शाखा,  
बिल्डिंग नं. 1198/बी/2 भूसल,  
स्टेशन रोड, पो.बा.सं. 60,  
खंभात (गुजरात)
3. कारपोरेशन बैंक,  
जामनगर शाखा,  
ठक्कर चेम्बरस,  
पो.बा. सं. 27,  
जामनगर (गुजरात)
4. कारपोरेशन बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय,  
दोलत बिल्डिंग,  
पो.बा.सं. 87,  
18, जून रोड,  
संत नाइनेज,  
पणजी
5. कारपोरेशन बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय,  
5-9-88/18/2 (द्वितीय तल),  
पो.बा. सं. 384, सफायर कॉम्प्लेक्स,  
चेपल रोड, हैदराबाद
6. कारपोरेशन बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय,  
एडएल चर्च कम्पाउण्ड, द्वितीय तल,  
टी.वी.एस. बिल्डिंग, टूक रोड,  
पो.बा.सं. 332 गेटूर।

New Delhi, the 5th September, 1995

S.O. 2560.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby, notifies the listed Offices/Branches of the following banks in the attached annexure, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

S. No.	Name of the Banks	No. of Offices/Branches
1.	State Bank of India	1
2.	Small Industries Development Bank of India	1
3.	Central Bank of India	11
4.	United Bank of India	2
5.	Central Bank of India	11
6.	State Bank of Bikaner and Jaipur	18
7.	Punjab National Bank	5
8.	Bank of Baroda	36
9.	Union Bank of India	28
10.	Vijay Bank	156
11.	Corporation Bank	6

Total—276

[F. No. 11016/4/95-Hindi]  
SUDHIR BHARGAVA, Director

**STATE BANK OF INDIA**

Branches to be notified under rule 10(4) of the Official Language Rules, 1976.

1. State Bank of India,  
Zonal Office,  
Sayajiganj,  
Badodara.

**SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT  
BANK OF INDIA**

Branches to be notified under rule 10(4) of the Official Language Rules, 1976.

1. Small Industries Development  
Bank of India,  
5-R/2, II Floor,  
Badshah Khan Chowk,  
Neelam Badshah Khan Road,  
Faridabad.

**INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
BANK OF INDIA**

Branches to be notified under rule 10(4) of the Official Language Rules, 1976.

1. Industrial Development  
Bank of India,  
Janardan Tower, First Floor,  
2, Residency Road,  
Bangalore.
2. Industrial Development  
Bank of India,  
Neptune Tower, II and III Floor,  
Near Nehru Pul, Asram Road,  
P.B. No. 22,  
Ahmedabad.

**UNITED BANK OF INDIA**

Notification of Branches/Offices under the Rule 10(4) of O. L. Rule, 1976.

1. United Bank of India,  
North India Regional Office,  
206-208, Ansal Bhavan,  
16, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi-110001.
2. United Bank of India,  
Paradip Branch, Near Community  
Centre, Jaydev Sadan, P.O.  
Paradip Port, District  
Jagatsingpur-754142.

**CENTRAL BANK OF INDIA**

Branches to be notified under rule 10(4) of the Official Language Rules, 1976.

Zone—Hyderabad

Linguistic Region 'C'

Jagtyal

Zone-Bombay

1. Abdul Rehaman Street
2. Bori Bunder
3. Grant Road
4. Overseas
5. Kalba Devi
6. Kolba Kajway
7. Cotton Exchange Branch
8. Crawford Market
9. Nul Bazar
10. Opera House
11. S. V. P. Road.

**STATE BANK OF BIKANER AND JAIPUR  
HEAD OFFICE  
JAIPUR**

List of Branches to be Notified in the Official Gazette under Rule 10(4) of the Official Language Rules, 1976.

**DISTRICT CHITTORGARH**

1. Chittorgarh.

**DISTRICT AJMER**

2. Madanganj (Ind. Area) Kishangarh.

**DELHI**

3. Service Branch, New Delhi
4. Lawrance Road, New Delhi
5. Nehru Place, New Delhi
6. Faiz Road, New Delhi
7. Amar Colony, New Delhi
8. Paschim Vihar, New Delhi
9. Badli (Ind. Area), New Delhi
10. Rewari
11. Shah Ganj, Agra
12. Dehradun
13. Muzaffar Nagar
14. Vrindavan

**DISTRICT ALWAR**

15. Station Road, Rajgarh
16. Khairthal

**DISTRICT SAWAI MADHOPUR**

17. Regional Office, Sawai Madhopur

**DISTRICT JAIPUR**

18. Phulera.

**PUNJAB NATIONAL BANK**

Branches to be notified under rule 10(4) of the Official Language Rules, 1976.

1. Jalagaon,  
M. G. Road, Navi Peth
2. Chandrapur,  
Near Jelpura Gate,  
Main Road-442401.
3. Satak, Branch Office,  
Taluka, Parseoni-441105.
4. B.O. Surajsadan,  
Nagpur.
5. Chiragora,  
Dhanbad,  
Bihar.

**BANK OF BARODA**

Name and Address of the Branches proposed for Notification as required under Rule 10(4) of Official Language Rules.

Name and Address of the Br./Office

1. Bank of Baroda,  
Service Branch,  
P. D. Tandon Road,  
Allahabad.
2. Bank of Baroda,  
Banda Branch,  
District Banda.
3. Bank of Baroda,  
Service Branch,  
Gurudham Colony,  
Varanasi.
4. Bank of Baroda,  
Ashok Nagar Branch,  
Kanpur.
5. Bank of Baroda,  
Gulzar Bagh Railway Station  
Road Branch, Gujri,  
Patna City-800008,  
(Bihar).

6. Bank of Baroda,  
Bhuiyadib Branch,  
Bhuiyadib,  
Jamshedpur,  
(Bihar).
7. Bank of Baroda,  
Divisional Railway Office Branch,  
Ajmer, District-Ajmer.
8. Bank of Baroda,  
Sanganair-Bhilwada,  
District-Bhilwada.
9. Bank of Baroda,  
Mansarowar Branch,  
Jaipur, District-Jaipur
10. Bank of Baroda,  
International Branch,  
Jaipur, District-Jaipur.
11. Bank of Baroda,  
Bargu Branch,  
District Jaipur.
12. Bank of Baroda,  
Baise Godown Branch,  
Jaipur.
13. Bank of Baroda,  
Arawali Vihar Branch,  
Alwar.
14. Bank of Baroda,  
Dewipura Kothi Road,  
Sikar, District Sikar.
15. Bank of Baroda,  
Chandpol Branch,  
Jodhpur,  
District-Jodhpur.
16. Bank of Baroda,  
Sawai Madhopur City Branch,  
Sawai Madhopur,  
District-Madhopur.
17. Bank of Baroda,  
Bridge Industrial Area Branch,  
Bharatpur, District Bharatpur.
18. Bank of Baroda,  
S.C.O. 22,  
Sector 11, Panchkula,  
(Haryana).
19. Bank of Baroda,  
9, Transport Nagar,  
1st Floor,  
Korba-495679.
20. Bank of Baroda,  
Jyotsana Complex,  
M. G. Road,  
Katana-485001.
21. Bank of Baroda,  
Parasia Road,  
Behind Pankaj Talkies,  
Chhindwada-480002.
22. Bank of Baroda,  
A. B. Road,  
Shippuri-473551.
23. Bank of Baroda,  
Zeen Ghar,  
Near Bus Stand,  
A. B. Road,  
Guna-473001.
24. Bank of Baroda,  
Sukher Industrial Area,  
Udaipur,  
District Udaipur.

## Bank of Baroda Region 'B'

25. Bank of Baroda,  
Overseas Branch,  
Suraj Plaza-1,  
Ground Floor,  
Sayajigunj,  
Baroda (Gujarat).
26. Bank of Baroda,  
Bakor Branch,  
District Panchmahal  
(Gujarat).
27. Bank of Baroda,  
Diwada Colony Branch,  
District Panchmahal,  
(Gujarat).
28. Bank of Baroda,  
Sahera Branch,  
District Panchmahal,  
(Gujarat).
29. Bank of Baroda,  
Vidhan Sabha Branch,  
Gandhinagar (Gujarat).
30. Bank of Baroda,  
Meeu Branch,  
District Mehsana,  
(Gujarat).
31. Bank of Baroda,  
Chansol Branch,  
District Mehsana,  
(Gujarat).
32. Bank of Baroda,  
Chharottar Branch,  
District Mehsana,  
(Gujarat).
33. Bank of Baroda,  
Mota Varachha Branch,  
Gram Panchayat Building,  
Tq. Choryasi,  
District Surat (Gujarat),  
PIN-394105.
34. Bank of Baroda,  
Badade Mala, Mantri Market,  
Hadapsar. Pune-411028,  
(Maharashtra).
35. Bank of Baroda,  
Vasai (East) Branch,  
Gauri Apartment, Ambika,  
Commercial Complex. Navghar (E),  
Behind Oldco, Vasai (East),  
District Thana.
36. Bank of Baroda,  
Bhayander (East) Branch,  
Kamakshi Hall, Kamakshi-Sadan,  
Jessal Park Road, Bhayander (E),  
District Thana-401185.

## UNION BANK OF INDIA

(Department of Official Language)  
Central Office

Branches to be notified under rule 10(4) of the Official  
Language Rules, 1976,

## Regional Office, Jaipur

1. Sawai Madhopur Branch,  
Union Bank of India,  
11/12, Jawahar Colony,  
Mantown, Sawai Madhopur Branch,  
District Sawai Madhopur,  
Rajasthan.

## Zonal Office, Bangalore

2. Union Bank of India,  
Annambhotlavaripalem Branch,  
Prakasam District,  
Pin Code-523174.
3. Union Bank of India, Ongole Branch,  
P.B. No. 12, Gandhi Road,  
Ongole-523002.
4. Bovanpalli Branch,  
Union Bank of India,  
Plot No. 8, Krishna Reddy  
Nagar, Secunderabad,  
Andhra Pradesh-500011.

## Zonal Office, Pune

5. Union Bank of India,  
Hadapsar Branch,  
Mantri Building,  
No. 165/177, Hadapsar Marg,  
Pune-411028, (Maharashtra).

## Regional Office, Ranchi

6. Union Bank of India,  
Kalmati Road Branch,  
Milkhiram Market,  
Sakachi-Jamshedpur,  
Dist. Singhbhoom (E).

## Regional Office, Vishakhapatnam

7. Union Bank of India, Tanuku Branch.  
Door No. 25/69,  
First Floor,  
Velpur Road,  
Tanuku-534211,  
West Godavari District.
8. Union Bank of India,  
Palakillu Branch,  
13-7-2-Bhupal, Haripriya,  
Mansion, Rangamannar Peth,  
Palkillu,  
West Godavari District (A.P.).
9. Amalapuram Branch,  
Union Bank of India,  
3-1-148, First Floor,  
Ram Sadan, K. Agraharam,  
Amalapuram-533201,  
Godavari District (A.P.).

## Regional Office, Pune

10. Union Bank of India,  
Laghu Udyog Branch,  
Sachapir Street,  
Pune Cantt.,  
Pune-411001.

## Regional Office, Chandigarh

11. Union Bank of India,  
Sand Paipar,  
Opp. Hariyana Tourism,  
Sarkular Road, Riwadi Branch  
Riwadi-123400 (Haryana).

## Panaji Branch

12. Union Bank of India,  
Kolathare Branch,  
At Post-Kolathare,  
Taluka-Dapoli,  
Dist. Ratnagiri,  
Maharashtra State,  
Pin Code-415712.

## Zonal Office, Bangalore

13. Union Bank of India,  
Service Branch,  
659-60, Ravivar Peth,  
P.B. No. 129,  
Belgaum-590002.

## Regional Office, Bangalore

14. Union Bank of India,  
Chitradurg Branch,  
Vijay Complex,  
B. D. Road,  
Chitradurg-577501.

## Regional Office, Vijaywada

15. Union Bank of India,  
Vellaturu Branch,  
Repalle Taluka,  
Pin-522257.

## Regional Office, Bhubaneswar

16. Union Bank of India,  
Cuttack-College Square Branch,  
At College Square,  
Bhima Ice Factory Road,  
Cuttack, Orissa-753003.
17. Union Bank of India,  
Brajrajnagar Branch,  
At/Post-Brajrajnagar,  
Dist. Jharsuguda,  
Orissa-753216.
18. Union Bank of India,  
Jaynagar Branch,  
At/Post Jayanagar,  
Via Rajkanika,  
Dist. Kendrapara,  
Orissa-754220.
19. Union Bank of India,  
Churiapalli Branch,  
Via-Sohela,  
Dist. Bargarh,  
Orissa-768033.
20. Union Bank of India,  
Gaisima Branch,  
At/Post-Gaisima,  
Via Bargarh,  
Dist. Bargarh,  
Orissa-768040.

## Zonal Office, Lucknow

21. Union Bank of India,  
Rihandnagar Branch,  
Rihandnagar Pariyojna,  
Area,  
Dist. Sonbhadra,  
Uttar Pradesh.

## Regional Office, Patna

22. Union Bank of India,  
Hajipur Branch,  
Chandpura House,  
Cinema Road, Hajipur,  
Dist. Vaishali-844101.

## Regional Office, Jaipur

23. Union Bank of India,  
Hospital Road, Baran Branch,  
Dist. Baran (Rajasthan)  
Pin Code-32505.

## Zonal Office, Delhi

24. Union Bank of India,  
Industrial Finance Branch,  
G-39, Connaught Circus,  
New Delhi-110 0001.
25. Union Bank of India,  
Overseas Branch,  
1st Floor, G-39,  
Connaught Circus, New Delhi-1.
26. Union Bank of India,  
S.S.I. Branch,  
B-231, Okhla Industrial Area,  
Phase-I, Okhla New Delhi.

## Regional Office, Burdwan

- 27 Union Bank of India.  
Ankhona Branch. At/Post Ankhona  
Dist. Bardwan Pin-713 129  
West Bengal

## Regional Office, Nasik

- 28 Union Bank of India.  
Sambhayanagar Branch.  
177, Ahi Apartments,  
Lam Road Near Naka No. 6,  
Deolali,  
Nasik-422 101.

## REGION 'B'

1. Vijaya Bank,  
Jalandhar (7502),  
P.B. No. 131, G. T. Road  
Opp. General Post Office,  
Jalandhar.

2. Vijaya Bank,  
Patiala (7504).  
P.B. No. 63.  
1229/4, Dharmapura Badar,  
Patiala.

3. Vijaya Bank.  
Ahmedabad D.A.O. (9708),  
'Nobles',  
Ashram Road.  
Ahmedabad.

4. Vijaya Bank.  
Ahmedabad Apartments,  
Sanjay Apartments,  
Dr. Vikram Sarabhai Road,  
Ellis Bridge, Ambavadi,  
Ahmedabad.

5. Vijaya Bank,  
Ahmedabad-Ashram Road. (7315)  
'Nobles',  
Opp. Nehru Bridge,  
Ashram Road, Ahmedabad.

6. Vijaya Bank,  
Ahmedabad-Gurukul (7324),  
Goyal Intercity Road,  
Off. Thutlej Road,  
Gurukul, Ahmedabad

7. Vijaya Bank,  
Ahmedabad-Manek Chowk (7305).  
Madan Gopal Haveli  
Manek Chowk,  
Ahmedabad.

8. Vijaya Bank,  
Ahmedabad-Maninagar. (7304).  
PB No. 9060.  
143/11, Suvas Building,  
Krishna Bagh, Maninagar,  
Ahmedabad.

9. Vijaya Bank,  
Ahmedabad-Navarangpura (7306).  
P.B. No. 4066.  
40 Shrimati Co Op Housing Society Ltd.  
Navarangpura,  
Ahmedabad.

10. Vijaya Bank,  
Ahmedabad-Regional Office (9101),  
'Nobles', Opp. Nehru Bridge  
Ashram Road,  
Ahmedabad.

11. Vijaya Bank,  
Ahmedabad-Relief Road, (7301),  
P.B. No. 205, 1st Floor,  
Vishal Commercial Centre,  
Patharkuva,  
Relief Road Ahmedabad

12. Vijaya Bank  
Ahmedabad-Saraspur (7321)  
113, Pesh Bazar,  
Saraspur, Ahmedabad

13. Vijaya Bank,  
Anand (7323),  
Vijaya Chambers,  
Opp. Nagarpalika,  
Sardar Ganj Road,  
Anand.

14. Vijaya Bank,  
Ankleshwar (7325).  
Andraprashta Shopping Arcade,  
1 Floor, Near Hotel Maheshw,  
P.B. No. 173, Old N.H. No. 3  
Ankleshwar.

15. Vijaya Bank,  
Baroda-Alkapuri (7309).  
B. N. Chambers,  
R. C. Dutia Road,  
Alkapuri,  
Baroda.

16. Vijaya Bank,  
Baroda-Raopura Road (7303)  
CISD Chambers,  
Raopura Road,  
Baroda.

17. Vijaya Bank,  
Baroda-Savajipura (7318).  
Ajwa Road,  
Sayajipura,  
Baroda.

18. Vijaya Bank,  
Cambay (7313).  
Abhasi Manzil,  
Station Road, Khambhat,  
Cambay,  
Kaira District.

19. Vijaya Bank,  
Gandhinagar (7322),  
Plot No. 111, Sector-8,  
Near St. Xaviers School,  
Gandhinagar, Gujarat.

20. Vijaya Bank,  
Jamkhambhalia (7319).  
Post Office Road,  
P. B. No. 25,  
Jamkhambhalia,  
Jamnagar District.

21. Vijaya Bank,  
Jamnagar (7310),  
Somaiva Mansion  
Near Super Market,  
Jamnagar.

22. Vijaya Bank,  
Kachhiawadi (7317).  
Kachhiawadi,  
Navasari Taluk,  
Valsad District.

23. Vijaya Bank,  
Machhad (7316).  
Bulka Bhavan School Falia Machhad  
Navasari Taluka,  
Valsad District.

24. Vijaya Bank,  
Navasari (7311).  
P.B. No. 65,  
Golwad Gate,  
Navasari,  
Bulsar District.



25. Vijaya Bank,  
Porbandar (7312),  
PB No. 71,  
Mahatma Gandhi Road,  
Porbandar,  
Junagarh District.
26. Vijaya Bank,  
Rajkot (7307),  
Dhebarshai Road,  
Rajkot.
27. Vijaya Bank,  
Surat (7308),  
P. B. No. 292,  
Thakur Shai Mitaiwala Market,  
Ring Road, Surat.
28. Vijaya Bank,  
Veraval (7314),  
Bunder Road,  
Timber Market,  
Veraval,  
Junagarh District.
29. Vijaya Bank,  
Ahmed Nagar (5001),  
2436. Madhyan Building,  
Telikhunt,  
M.G. Road,  
Ahmednagar.
30. Vijaya Bank,  
Akkalkot (5050),  
CST No. 122/3A,  
Opp. S. T. Bus Stand,  
Akkalkot,  
Dist. Pune.
31. Vijaya Bank,  
Amravathi (5030),  
26/2, 27/7, 1st Floor,  
J. J. Complex,  
Old Cottol Market Road,  
Amravathi.
32. Vijaya Bank, D.  
Dombivli (5023),  
Truvebu Building,  
1st Floor, Lokmanya Chowk,  
Nehru Road, Dombivli,  
Thana District.
33. Vijaya Bank,  
Jalgaon (5037),  
P.B. No. 59, F-Wing, 2nd Floor,  
Central Phule Market,  
Jalgaon.
34. Vijaya Bank,  
Karad (5026),  
233-E. Shaniwarpeth,  
Opp. Tahasildar's Office,  
Karad,  
Satara District.
35. Vijaya Bank,  
Kirkee (5038),  
No. 48, New Kirkee Bazar,  
Kirkee, Poona.
36. Vijaya Bank,  
Lonavala (5040),  
Plot No. 30, Kuekreja Building,  
New Bhangathwadi Road,  
Lonavala.
37. Vijaya Bank,  
Miraj (5024),  
P.B. No. 21, Srinath Balasaheb,  
Jubilee Library Building,  
Near Laxmi Market, Miraj,  
Sangli District.
38. Vijaya Bank,  
Nagpur (5013),  
No. 93-94, Gandhi Bagh,  
Central Avenue Road,  
Nagpur.
39. Vijaya Bank,  
Nasik (5036),  
PB No. 416, No. 7. Ground Floor,  
'Abhyankar Plaza',  
M. G. Road, Nasik.
40. Vijaya Bank,  
New Panvel-New Bombay (5053),  
'Hari Keerthan' Bungalow,  
Plot No. 1, Road No. 8,  
Sector-11, Matheran Road,  
New Panvel-5.
41. Vijaya Bank,  
Papadi (5032),  
St. Thomas Baptista Junior College Compound,  
Papadi Vasai (W),  
Bassein Taluk  
Thana District.
42. Vijaya Bank,  
Poona-Sadashivpet (5016),  
P.B. No. 710,  
Swejas House,  
1189, Sadashivpet,  
Pune.
43. Vijaya Bank,  
Sangli (5041),  
P.B. No. 188,  
117/3K+4, Sushila Nivas  
1st Floor, Maruti Road,  
Sangli.
44. Vijaya Bank,  
Solapur (5018),  
P.B. No. 431,  
1st Floor,  
Ganeshpeth Shopping Centre,  
Solapur.
45. Vijaya Bank,  
Thana (West) (5019),  
Malhar Theatre Compound,  
Opp. Telephone Exchange,  
Gokhale Road, Naupada Thana.
46. Vijaya Bank,  
Vashi-New Bombay (5044),  
F-3/3, Sector No. 10,  
Vashi, New Bombay.
47. Vijaya Bank,  
Bhayander (5051),  
Sri Laxminarayana Building,  
H-Sector, Jasal,  
Bhayander East,  
Thana District.
48. Vijaya Bank,  
Bombay-Andheri (5035),  
1/B, Alka Chambers,  
S. V. Road,  
Andheri (West),  
Bombay.
49. Vijaya Bank,  
Bombay-Bandra (5002),  
81, Hill Road,  
Bandra (West),  
Bombay.
50. Vijaya Bank,  
Bombay-Bhuleshwar (5029),  
P.B. No. 2050,  
Johari Mansion,  
259/263, Kalbadevi Road,  
Bombay.

51. Vijaya Bank,  
Bombay-Chembur (5063),  
'Kumkum' Ground Floor,  
17th Road, Ramakrishna,  
Chemburkar Marg Chembur,  
Bombay.
  52. Vijaya Bank,  
Bombay-Chirabazar (5015),  
586, Chirabazar,  
Jagannath Shankar Seth Road,  
Chirabazar,  
Bombay.
  53. Vijaya Bank,  
Bombay-Chunabhatti (5042),  
Buntara Bavana Bhandary Estate,  
Chunabhatti, Kurla East,  
Bombay.
  54. Vijaya Bank,  
Bombay-Colaba (5005),  
No. 29, Cuffe Parade,  
Colaba, Bombay.
  55. Vijaya Bank,  
Bombay-Excelsior (5006),  
New Excelsior Cinema Building,  
Raveline Street,  
Bombay.
  56. Vijaya Bank,  
Bombay-Port (5007),  
Emco House No. 289,  
Shahid Bhagath Singh Marg,  
Fort, Bombay.
  57. Vijaya Bank,  
Bombay-Gamdevi (5008),  
P.B. No. 4055,  
1st Floor, Dharam Palace,  
N. S. Patkar Marg, Gamdevi,  
Bombay.
  58. Vijaya Bank,  
Bombay-Goregaon (5009),  
Nalanda Shopping Centre,  
Banu Gore Marg,  
Station Road,  
Goregaon (W), Bombay.
  59. Vijaya Bank,  
Bombay-Mahim (5011),  
'Aradhana',  
Lady Jamshedji Road,  
Mahim, Bombay.
  60. Vijaya Bank,  
Bombay-Mandvi (5012),  
'Avasar',  
77/81, Kazi Syed Street,  
Mandvi, Bombay.
  61. Vijaya Bank,  
Bombay-Matunga (5022),  
H.A.D. Boarder's Institution,  
Opp. Napoo Garden,  
Matunga, Bombay.
  62. Vijaya Bank,  
Bombay-Mulund (East) (5048),  
Gaurav Corner,  
KVB Phadke Road and Navghar Road,  
Junction, Mulund (East),  
Bombay.
  63. Vijaya Bank,  
Bombay-Overseas (5043),  
P.B. No. 11675,  
222, Maker Chambers IV,  
Nariman Point,  
Bombay.
  64. Vijaya Bank,  
Bombay-Santacruz (W) (5017),  
'Pearl Queen',  
North Avenue Road,  
Santacruz (West),  
Bombay.
  65. Vijaya Bank,  
Bombay-Vile Parle (5020),  
12-B, Amrit Nivas,  
P.B. No. 8045, T.P.S. III,  
Sarojini Road, Vile Parle-West,  
Bombay.
  66. Vijaya Bank,  
Bombay-Wadala (5021),  
Stumb Tirth,  
82, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Wadala, Bombay.
  67. Vijaya Bank,  
Bombay-Worli (5028),  
Poonam Chambers,  
Shivsagar Estate,  
Dr. Annie Besant, Road,  
Worli, Bombay.
  68. Vijaya Bank,  
Bombay-Zonal Office (9103),  
Vikas Centre, 1st Floor, S. V. Road,  
Santa Cruz (West), Bombay.
  69. Vijaya Bank,  
Palghar (5049),  
Gokuldharm Shopping Centre,  
Mahim Road Palghar,  
Thana Dist.,  
Maharashtra.
- REGION 'C'
70. Vijaya Bank,  
Alapuzha (2001),  
P.B. No. 61,  
Near Iron Bridge,  
Alapuzha,  
Alapuzha District.
  71. Vijaya Bank,  
Chavakkad-NRI (2067),  
Door No. 252, Ward No. 4,  
Chavakkad Kunnam-Kulam Road,  
Chavakkad,  
Trisoor District.
  72. Vijaya Bank,  
Chenkanacherry (1060),  
P.B. No. 32,  
Municipal Junction,  
Chenganacherry,  
Kottayam District.
  73. Vijaya Bank,  
Cherthala (2034),  
Opp. KSRTC Bus Stand,  
Cherthala,  
Alapuzha District.
  74. Vijaya Bank,  
Chottanikara (2007),  
Woodlands Building,  
Chottanikara Post,  
Ernakulam District.
  75. Vijaya Bank,  
Ernakulam-Broadway (2011),  
Santha Estate, 1st Floor,  
Post Office Link Road,  
Broadway Ernakulam,  
Kochi.
  76. Vijaya Bank,  
Ernakulam-M.G. Road (2022),  
P.B. No. 1722,  
M. G. Road,  
Ernakulam,  
Kochi.
  77. Vijaya Bank,  
Guruvayur (2065),  
Door No. 101/9 10,  
Gaya Building, East Nada,  
Guruvayur, Trisoor District,  
Kerala State.

78. Vijaya Bank,  
Karimba (2048),  
K. P. No. 11/490,  
1st Floor, Thottakkara Building,  
Karimba,  
Palakkad District.
79. Vijaya Bank,  
Keshawadasapuram (2051),  
Murumadom Buildings,  
Keshawadasapuram Junction,  
Tiruvananthapuram.
80. Vijaya Bank,  
Kizhakkencherry (2016),  
Door No. 1/365,  
P.O. Kizhakkencherry,  
Palakkad District.
81. Vijaya Bank,  
Kochi-2 (2008),  
P.B. No. 335,  
Indian Chamber of Commerce Bld.,  
Kottukulam Road, Muttancherry,  
Kochi.
82. Vijaya Bank,  
Kollam (2032),  
P.B. No. 26,  
Vadayattu Kottai Road,  
Chamakada, Kollam.
83. Vijaya Bank,  
Kottayam (2018),  
Y.M.C.A. Building  
Kottayam.
84. Vijaya Bank,  
Kozhencherry (2068),  
P.B. No. 7, Nallam Thodath Building,  
District Hospital Road,  
Kozhencherry,  
Pathanamthitta Dist., Kerala.
85. Vijaya Bank,  
Mannarkkad (2026),  
Main Road,  
Mannarkkad,  
Palakkad District.
86. Vijaya Bank,  
Mukkoor (2057),  
Mukkoor,  
Palakathakidi,  
Kunnamthanam,  
Pathanamthitta District.
87. Vijaya Bank,  
Muvathupuzha (2027),  
P.B. No. 12,  
Palappuram Building,  
New Bazar, Muvathupuzha
88. Vijaya Bank,  
Nedumpuram (2050)  
Nedumpuram,  
Pathanamthitta District.
89. Vijaya Bank,  
Nellaya (2053),  
P.O. Nellaya,  
Palakkad District.
90. Vijaya Bank,  
Nettoor (2049),  
10/69-Cochin Bypass Road,  
Nelloor,  
Ernakulam District.
91. Vijaya Bank,  
Olavakkot (2046),  
35/62, Woodex,  
Post Office Road,  
Olavakkot,  
Palakkad Dist., Kerala.
92. Vijaya Bank,  
Palakkad (2028),  
1st Floor, P.B. No. 36,  
Teradapuzha Building,  
Opp. Town Railway Station,  
Palakkad.
93. Vijaya Bank,  
Puthiyakavu (2047),  
Vankom Road,  
Puthiyakavu,  
Ernakulam District.
94. Vijaya Bank,  
Thrissoor (2038),  
P.B. No. 124,  
Thruvambadi Devassam Building  
Round West, Thrissoor,  
Thrissoor District.
95. Vijaya Bank,  
Tiruvalla (2058),  
Vengul Building,  
North of Cross Junction,  
Tiruvalla,  
Pathanamthitta District.
96. Vijaya Bank,  
Tirupvanamhapuram (2041),  
P.B. No. 152, Swastik Centre,  
T. C. 25/2425-2,  
1st Floor, M.G. Road,  
Tiruvananthapuram.
97. Vijaya Bank,  
Tripunithura (2040),  
P.B. No. 11,  
Main Road,  
Tripunithura,  
Ernakulam District.
98. Vijaya Bank,  
Trivandrum-Regional Office (9117),  
Swastik Centre,  
TC 25/2425-3, II Floor,  
M.G. Road,  
Tiruvananthapuram.
99. Vijaya Bank,  
Vandazhy (2042),  
Vandazhy,  
Althur Taluk,  
Palakkad District.
100. Vijaya Bank,  
Vavanoor (2062),  
No. 4/433-E,  
Pattambi Koottamad Road,  
Vavanoor,  
Palakkad District.
101. Vijaya Bank,  
Vellarada (2043),  
1/867, Narayana Building,  
Panchamoodu Post,  
Tiruvananthapuram District.
102. Vijaya Bank,  
Willington Island (2063),  
CTTU Building, 13th Cross,  
Breltow Road,  
Willington Island, Cochin.
103. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Assl Recovery Mgmt,  
A.R.M. Branch,  
P.B. No. 513,  
51-743, Bank Street,  
Hyderabad.
104. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Bank Street (4003),  
P.B. No. 513, 5-1-743, Bank Street,  
Hyderabad.

105. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Charminar (4058),  
2-6-76, 1st Floor,  
Gajjar Houz, Charkaman, Charminar,  
Hyderabad.
106. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Currency Chest (9606).  
Currency Chest,  
34-558, Narayanaguda,  
Hyderabad (A.P.).
107. Vijaya Bank,  
Hyderabad-D.A.O. (9206),  
3-6-240/5B, Himayathnagar,  
Hyderabad.
108. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Goshamahall Begum Road,  
Khaja Estates, 1st Floor,  
15 8-514, Old Fecikhana,  
Goshamahall, Hyderabad.
109. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Hardikarbagh (4012),  
1-2-54/3, Gangunmahall Road,  
Hardikarbagh, Hyderabad.
110. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Malakpet (4043),  
P.B. No. 1309, 16-2-674/6/K,  
Malakpet,  
Hyderabad.
111. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Mukrmjahi Road (4037).  
P.B. No. 547, Twin City Market,  
First Floor, 5-4-183,  
Near M J Market, Hyderabad.
112. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Nallakunta (4016),  
2-1-460/1, University Road,  
Nallakunta, Hyderabad.
113. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Narayanaguda (4046),  
3-4-558, Narayanaguda,  
Hyderabad.
114. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Public Garden Road (4048),  
5-8-328/11, Public Garden Road,  
Hyderabad.
115. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Regional Office (9111),  
P.B. No. 218,  
306, 307 & 308, III Floor,  
Babukhan Estate,  
Basheerbagh, Hyderabad.
116. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Somajiguda (4021),  
6-3-652, Ananda Chambers,  
Amrutha Estates, Opp. Ce. Office  
PWD Erramanzil, Somajiguda,  
Hyderabad.
117. Vijaya Bank,  
Hyderabad-Vijayanagar Colony (4025),  
10-3-677, Vijayanagar Colony Opp.  
Vijayanagar Colony PO,  
Aligarh (7120),
118. Vijaya Bank,  
Secunderabad-MG Road (4020),  
PB No. 1599, 45, M.G. Road,  
Secunderabad.
119. Vijaya Bank,  
Secunderabad West Marred Pally (4008)  
3-6-100 "Swastika" West Marred Pally,  
Secunderabad.
120. Vijaya Bank,  
REGION "A"  
Agra-Jeoni Mandi (7101),  
1426, Jeoni Mandi, Agra.
121. Vijaya Bank,  
Aligarh (7120),  
No. 13/6, G. T. Road,  
Aligarh.
122. Vijaya Bank,  
Allahabad, Beli Road (7122),  
5, Beli Road, Naya Katda,  
Allahabad.
123. Vijaya Bank,  
Allahabad-Khoyamandi (7102),  
P.B. No. 112,  
21/23, Sumar Chand Jain Market,  
Khoyamandi Chowk,  
Allahabad.
124. Vijaya Bank,  
Bulandshahar (7104),  
165, Civil Line,  
Bulandshahar.
125. Vijaya Bank,  
Dehradun (7112),  
P.B. No. 120,  
Chander Nagar, Hardwar Road,  
Dehradun.
126. Vijaya Bank,  
Gorakhpur (7114),  
P.B. No. 58, Bank Road,  
Gorakhpur.
127. Vijaya Bank,  
Jhansi (8128),  
P.B. No. 96, Kashehri Chauraha,  
Jhansi.
128. Vijaya Bank,  
Lucknow-Bishweswarnath Road (7127),  
Nehru Bhavan,  
National Herald Building,  
1, Bishweswarnath Road,  
Kaiserbagh, Lucknow.
129. Vijaya Bank,  
Lucknow-Currency Chest (9607),  
Currency Chest,  
418/19, Daliganj,  
Lucknow.
130. Vijaya Bank,  
Lucknow-Daliganj (7118),  
418/19, Daliganj,  
Lucknow.
131. Vijaya Bank,  
Lucknow-Hazratganj (7106),  
31/49, M.G. Road,  
Mayfair Building,  
Hazratganj,  
Lucknow.
132. Vijaya Bank,  
Moradabad (7115),  
A/20, Gandhi Nagar,  
Delhi Rampur Road,  
Moradabad.
133. Vijaya Bank,  
Nainital (7130),  
Hotel Woodlands Building,  
Bora Bazar Mall Road,  
Mallital,  
Nainital.
134. Vijaya Bank,  
Phulpur (7119),  
Near Bus Stand,  
Phulpur,  
Allahabad District.
135. Vijaya Bank,  
R S M Nagar (7123),  
Indira Nagar, Bhootnath Market,  
Faizabad Road,  
Ramsagar-Misranagar,  
Lucknow District.

136. Vijaya Bank,  
Raebareli (7116),  
1<sup>st</sup> Floor, Super Market,  
Firoz Gandhi Road,  
Raebareli.
  137. Vijaya Bank,  
Rampur (7125),  
P.B. No. 41, Baburam Market,  
Mestonganj Rampur.
  138. Vijaya Bank,  
Bokaro Steel City (8408),  
15/01, Western Avenue,  
Nayamare, Bokaro Steel City,  
Bihar.
  139. Vijaya Bank,  
Patna-Currency Chest (9608),  
Currency Chest,  
Satkar Hotel Building,  
Frazer Road, Patna.
  140. Vijaya Bank,  
Bhopal (7601),  
111, Laxmi Nivas,  
Sindhi Colony,  
Berasia Road,  
Bhopal.
  141. Vijaya Bank,  
Bikaner (7008),  
No. 4, Amarsiahpur,  
New Gajner Road,  
Bikaner.
  142. Vijaya Bank,  
Delhi-Ansari Road. (6017),  
2/10, Sanmathi Vihar,  
Ansari Road,  
Daryaganj,  
New Delhi.
  143. Vijaya Bank,  
Delhi-Bhikajicama Place (6020),  
Ansal Chamber-II, Upper Ground  
Floor, Flat No. UG-27 to 35,  
6, Bhikajicama Place,  
Africa Avenue, New Delhi.
  144. Vijaya Bank,  
Delhi-Chandni Chowk (6002),  
Delhi-Chandni Chowk,  
Delhi.
  145. Vijaya Bank,  
Delhi-Currency Chest (9604),  
Currency Chest, Corner House,  
11, Main Kutab Road,  
New Delhi.
  146. Vijaya Bank,  
Delhi-Gopinath Bazar (Cantt) (6006),  
52/11, Gopinath Bazar,  
Delhi Cantt.
  147. Vijaya Bank,  
Delhi-Hauz khas (6015),  
D-65, Hauz khas,  
New Delhi.
  148. Vijaya Bank,  
Delhi-Kamalanagar (6007),  
6926/33,  
Jaipuria Mills Compound,  
Ward No. 12, Kamalanagar,  
Subramandi, Delhi.
  149. Vijaya Bank,  
Delhi-Shamepur (6012),  
Main Road, Shamepur,  
Delhi.
  150. Vijaya Bank,  
Ghaziabad (7112),  
84, Navyug Market,  
P.B. No. 152,  
Ghaziabad.
  151. Vijaya Bank,  
Gurgaon (8303),  
Payal Cinema Cum Commercial  
Complex Sector-14,  
Huda, Gurgaon.
  152. Vijaya Bank,  
Jaipur-Nahari-Ka-Naka (7009),  
Plot No. A. 28, Ram Nagar,  
Amanashah Road,  
Shastri Nagar,  
Jaipur.
  153. Vijaya Bank,  
Modinagar (7129),  
6/18, Upper Bazar,  
Delhi-Meerut Road,  
Modinagar,  
Ghaziabad Dist. (U.P.).
  154. Vijaya Bank,  
Noida Complex (7126),  
A-5, Sector 19,  
Noida Complex,  
Distt. Ghaziabad.
  155. Vijaya Bank,  
Panchkula (8304),  
SCO 12, Sector 11,  
Panchkula,  
Ambala District.
  156. Vijaya Bank,  
Shimla (7701),  
No. 2, Mall Road,  
Shimla, Himachal Pradesh.
- CORPORATION BANK.
1. Corporation Bank,  
Porbandar Branch,  
"Devi Kripa",  
Kedarcshwar Road,  
P.B. No. 57,  
Porbandar.
  2. Corporation Bank,  
Cambay Branch,  
Building No. 1198/B/2 Ground Floor,  
Station Road, P.B. No. 60,  
Cambay (Gujarat).
  3. Corporation Bank,  
Jamnagar Branch,  
Thakkar Chambers,  
P.B. No. 27,  
Jamnagar (Gujarat).
  4. Corporation Bank,  
Regional Office,  
Daulat Building,  
P.B. No. 87,  
18th June Road,  
St. Inez,  
Panjim.
  5. Corporation Bank,  
Regional Office,  
5-9-88/18/2 (1Ind Floor),  
P.B. No. 384, Suppire Complex,  
Chapel Road, Hyderabad.
  6. Corporation Bank,  
Regional Office,  
AEL Church Compound, Ind Floor,  
T.V.S. Building, Trunk Road,  
P.B. No. 332, Guntur.

नई दिल्ली, 7 मितम्बर, 1995

का. प्रा. 2561.—भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक अधिनियम, 1984 (1984 का 62) की धारा 10 उपधारा (1) के खण्ड (घ) के उप-खण्ड (ii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, निम्नलिखित व्यक्तियों को भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक के निदेशक के रूप में नामित करती है:—

1. कार्यपालक निदेशक, राष्ट्रीय आवास बैंक
2. प्रबंध निदेशक, भारतीय जीवन बीमा निगम

[मं. एफ. 7/5/94-बी ओ-1]

के. के. मंगल, अवसर सचिव

New Delhi, the 5th September, 1995

S.O. 2561.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1984 (62 of 1984), the Central Government hereby nominates the following persons as directors on the Board of the Industrial Reconstruction Bank of India :—

1. Executive Director, National Housing Bank.
2. Managing Director, Life Insurance Corporation of India.

[No. F. 7/5/94-B.O.I.]

K. K. MANGAL. Under Secy.

नई दिल्ली, 7 मितम्बर, 1995

का. प्रा. 2562.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड-3 के उप खंड (1) के साथ पाठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उपधारा 3 के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, श्री एम. दामोदरन, संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) को श्री अनूप मिश्रा के स्थान पर बैंक आफ बड़ौदा में निदेशक के रूप में नामित करती है।

[मं. एफ. 9/9/94-बी. ओ.-1]

के. के. मंगल, अवसर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 7th September, 1995

S.O. 2562.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section 3 of section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 read with sub-clause (1) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby nominates Shri

M. Damoderan, Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), New Delhi, as a Director of Bank of Baroda Vice Shri Anoop Mishra.

[F. No. 9/9/94-B.O.I]

K. K. MANGAL. Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 मितम्बर, 1995

का. प्रा. 2563.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 3 के साथ पठित निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 3 के अनुसरण में दो वर्ष की अवधि के लिए श्री टी. एस. विजयराघवन, अपर सचिव वाणिज्य मंत्रालय को नियत निरीक्षण परिषद् के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है तथा निम्नलिखित सदस्यों को नामनिर्देशित करती है जो 16-9-95 से प्रभावी होंगे, अर्थात् :—

1. निरीक्षण और क्वालिटी नियंत्रण निदेशक, निर्यात—सदस्य सचिव निरीक्षण परिषद्, नई दिल्ली।
2. महानिदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली —पदेन
3. कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, नई दिल्ली —पदेन
4. वाणिज्यिक प्रामुखता और मांडविकी महानिदेशक —पदेन कलकत्ता।
5. अध्यक्ष, सामूहिक उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, कोचीन।
6. निदेशक (निर्यात निरीक्षण का सारसाधक (वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली)।
7. निदेशक (वित्त प्रभाग), वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली।
8. विकास आयुक्त, लघु उद्योग, नई दिल्ली।
9. विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग का नाम निर्देशित, भारत सरकार, नई दिल्ली।
10. निदेशक, केन्द्रीय मीन उद्योग प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचीन।
11. पटसन आयुक्त, कलकत्ता।
12. निदेशक, फल और सब्जी तथा परीक्षण, नई दिल्ली।
13. क्वालिटी चिह्नकन केन्द्र, उद्योग निदेशालय, उत्तर प्रदेश सरकार।
14. क्वालिटी चिह्नकन केन्द्र, उद्योग निदेशालय, पंजाब सरकार।
15. श्री ए. जेनियन, जे. एम. डी. टी. आई. सॉल्यूशंस।
16. श्री आर.एस. गेष्पादी, उपाध्यक्ष, यूनाइटेड राइसर्स नई दिल्ली।
17. अध्यक्ष, काजू निर्यात संवर्धन परिषद्।
18. अध्यक्ष, समुद्री खाद्य निर्यात समिति, कोचीन।
19. महानिदेशक, नेशनल टैग हॉउस, कलकत्ता।

[का. प्रा. 3(1) 4/9/95-ई. आई. एण्ड ई. पी.]

कुमारी सुमा सुब्रह्मा, निदेशक

## MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 4th September, 1995

S.O. 2563.—In pursuance of section 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), read with rule 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, the Central Government hereby appoints Shri T. S. Vijayaraghavan, Additional Secretary, Ministry of Commerce, as Chairman and nominates the following members of the Export Inspection Council for a period of two years which shall take effect from 16th September, 1995:

- (1) Director of Inspection and Quality Control, Export Inspection Council, New Delhi. . . Member-Secretary.
- (2) Director General of Bureau of Indian Standards, New Delhi. . . Ex-officio.
- (3) Agricultural Marketing Advisor to the Government of India, New Delhi. . . Ex-officio.
- (4) Director General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta. . . Ex-officio.
- (5) Chairman, Marine Products Export Development Authority, Cochin.
- (6) Director (Incharge of Export Inspection), Ministry of Commerce, New Delhi.
- (7) Director (Finance Division), Ministry of Commerce, New Delhi.
- (8) Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi.
- (9) Nominee of the Department of Science and Technology, Government of India, New Delhi.
- (10) Director, Central Institute of Fisheries Technology, Cochin.
- (11) Jute Commissioner, Calcutta.
- (12) Director, Fruits and Vegetables & Preservation, New Delhi.
- (13) Quality Marking Centre, Directorate of Industry, Government of U.P.
- (14) Quality Marking Centre, Directorate of Industry, Government of Punjab.
- (15) Shri A. Vellayan, JMD, T. I. Cycles.
- (16) Shri R. S. Seshadri, VP, United Riceland Ltd.
- (17) Chairman, Cashew Export Promotion Council, Cochin.
- (18) President, Sea food Exporters Association, Cochin.
- (19) Director General, National Test House, Calcutta.

[File No. 3(i)/4/95-EI&EP]  
KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1995

का.प्र. 2464.—नियमित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम-3 के तहत पठित नियमित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दिनांक 21-1-1994 के का.प्र. सं. 264 की अधिसूचना के द्वारा स्थापित परिषद की अधिपत्य द्वारा दिनांक 16-9-95 तक बढ़ाती है। वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव, श्री ए. सीवार सिंह 3 जुलाई, 1995 से 15-9-1995 तक इस परिषद के अध्यक्ष होंगे।

[फा. सं 3(1)/4/95-ई.आई.एण्ड ई.पी.]

कु. सुमा सुब्बान्ना, निदेशक

New Delhi, the 4th September, 1995

S.O. 2564.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), read with Rule 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, the Central Government hereby extends the life of the Council as constituted in notification S.O. 264 dated 21st January, 1993 upto 16th September, 1995, with Shri A. Didar Singh Joint Secretary, Ministry of Commerce as Chairman from 3rd July, 1995 to September 15, 1995.

[File No. 3(i)/4/95-EI&EP]  
KUM. SUMA SUBBANNA, Director

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

(सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1995

का० प्र० 2565—भारतीय सांख्यिकीय संस्थान अधिनियम (संख्या 57) 1959 की धारा 8, उप धारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1996-97 के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों की एक समिति का गठन करती है:—

1. डा० राजा जे० चेलैया, अध्यक्ष  
अध्यक्ष, राष्ट्रीय लोक वित्त तथा नीति संस्थान,  
नई दिल्ली 110067.
2. डा० जी० एस० भस्मा, सदस्य  
प्रोफेसर अर्थशास्त्र,  
क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र,  
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय,  
नई दिल्ली 110067.
3. डा० एस० जी० के० रिन्नई, सदस्य  
चार्टर्ड इजीनियर एवं प्रबंध परामर्शदाता  
1615 एवेन्यू, उन्दिगा नगर,  
मद्रास 600020.
4. प्रो० एस० के० चटर्जी, सदस्य  
प्रोफेसर,  
सांख्यिकी विभाग,  
यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ साइंस,  
कलकत्ता 19.
5. प्रो० एम० बी० राव, निदेशक, सदस्य  
भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता  
(भारतीय सांख्यिकीय संस्थान के मनोनीत)
6. महानिदेशक, सदस्य  
केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन,  
सांख्यिकी विभाग,  
नई दिल्ली।
7. वित्तीय सलाहकार, सदस्य  
सांख्यिकी विभाग,  
नई दिल्ली।
8. उप वित्तीय सलाहकार तथा उप सचिव, सदस्य  
सांख्यिकी विभाग,  
नई दिल्ली।

और उक्त समिति को निम्नलिखित कार्य निर्धारित करती है:—

- (1) कार्य के सम्मन कार्यक्रम (योजनागत तथा योजनामर दोनों) की समीक्षा करना तथा संशोधित प्राक्कलन 1995-96 में प्रदान की जाने वाली राशि के संबंध में सिफारिशें करना तथा भारतीय सांख्यिकीय संस्थान को सहायता अनुदान प्रदा करने के लिए 1996-97 के लिए वित्तीय प्राक्कलनों के संबंध में भी सिफारिशें करना ।

- (2) (क) वर्ष 1996-97 के दौरान भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता द्वारा किए जाने वाले कार्य का कार्यक्रम (योजनागत तथा योजनामर दोनों) दर्शाने वाले विवरण तथा इस प्रकार के कार्य के लिए सामान्य वित्तीय

अनुमान तैयार करना और उसे केन्द्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत करना, जिसके लिए केन्द्रीय सरकार निधि की व्यवस्था करती है ।

- (ख) कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत अप-रेखा निश्चित करना ।

2. समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को 31 मार्च, 1996 को या इससे पहले प्रस्तुत करेगी ।

3. सांख्यिकी विभाग, समिति का जिनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा, सचिवालय सहायता प्रदान करेगा ।

[संख्या एस-12011/3/89-समन्वय]

श्रीमती विष्णु मैत्री, अवर सचिव

## MINISTRY OF PLANNING & PROGRAMME IMPLEMENTATION

(Department of Statistics)

New Delhi, the 25th August, 1995

S.O. 2565 :—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 8 of the Indian Statistical Institute Act (No. 57) of 1959, the Central Government hereby constitutes a Committee for 1976-77 consisting of :—

- |  |          |
|--|----------|
| 1. Dr. Raja J. Chelliah<br>Chairman,<br>National Institute of Public Finance and Policy,<br>New Delhi-110067           | Chairman |
| 2. Dr. G.S. Bhalla,<br>Professor of Economics,<br>Centre for Studies in Regional Development,<br>JNU,<br>New Delhi-67. | Member   |
| 3. Dr. S.G.K. Pillai<br>Chartered Engineer & Management Consultant,<br>16-IV Avenue,<br>Indira Nagar,<br>Madras-600020 | Member   |
| 4. Prof. S.K. Chatterjee,<br>Professor,<br>Department of Statistics,<br>University College of Science,<br>Calcutta-19. | Member   |
| 5. Prof. S.B. Rao,<br>Director<br>Indian Statistical Institute,<br>Calcutta<br>(Nominee of the ISI).                   | Member   |
| 6. Director General,<br>CSO,<br>Department of Statistics,<br>New Delhi.  | Member   |



7. Financial Adviser,  
Department of Statistics,  
New Delhi.

Member

8. Deputy Financial Adviser and Deputy Secretary,  
Department of Statistics,  
New Delhi.

Member-Secretary.

and assigns the following duties to the said Committee, namely:-

- (1) Review of the agreed programme of work (both Plan and Non-Plan) and make recommendations regarding the amount to be provided in the RE 1995-96 and also make recommendations regarding the financial estimates for 1996-97 for paying grant-in-aid to the ISI.
- (2) (a) Preparation and submission to the Central Government of statement showing programmes of work (both Plan and Non-Plan) agreed to be undertaken by the Indian Statistical Institute, Calcutta, during the year 1996-97 for which the Central Government may provide funds, as well as general financial estimates of such work.  
(b) The settlement on broad lines of the programme of work.
2. The Committee shall submit its Report to the Government on or before 31st March, 1996.
3. The Department of Statistics shall render secretariat assistance to the Committee, the headquarters of which will be at New Delhi.

[No. M. 12011/3/89-Coord.]  
SMT. VISHU MAINI, Under Secy.

नागरिक प्रति, उपसोचना मामले और मार्केटिंग विवरण संज्ञा

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1995

का.भा. 256e:--भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 5 के उपविनियम (6) के अनुवर्ण में एनड्रा द्वारा अतिरिक्त किया जाता है कि जिन प्रमाणन मुहर लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनकी अवधि समाप्त हो गई है :

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस सं. (सीएम/एल)	लाइसेंसधारी का नाम	आईएस संख्या	अवधि समाप्ति की तिथि	समाप्ति का कारण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	0238336	पम्पासर डिस्टिलरीज लि., चित्तवादी 583 211, होमपेट, जिला--बेलारी	आईएम 4450 : 1988	93-08-31	लाइसेंसधारी की कृति नहीं
2.	0238437	पम्पासर डिस्टिलरीज लि., चित्तवादी 583 211, होमपेट, जिला--बेलारी	आईएम 4449 : 1988	93-08-31	लाइसेंसधारी की कृति नहीं
3.	0262939	पम्पासर डिस्टिलरीज लि., चित्तवादी 583 211, होमपेट, जिला--बेलारी	आईएम 3811 : 1988	93-08-31	लाइसेंसधारी की कृति नहीं
4.	0482044	कामधेनु पेस्ट्रीमाइड्स, कुचि भवन, 1379 भजानी पेठ, पूना 411 002	आईएम 4323 : 1980	93-08-31	कार्य संतोषप्रद नहीं
5.	0559760	गार्डन केमिकल वर्क्स, शिवकरुषा इंड. एस्टेट, यूनिट नं. 113, प्रथम तल, एल बी एस मार्ग, बिकरोली (पू.), बम्बई 400 079	आईएम 5346 : 1975	93-10-31	कार्य संतोषप्रद नहीं

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
6. 0715142	द साइंटिफिक इंसैकटीसाइड्स कं., "सुंदरसनम" पुनुरामगाम रोड, आर. एम. पुरम, कोयम्बतूर 641 002	आईएस 2567 : 1978	93-11-30	रखि नहीं	
7. 0804242	भारत स्टील इंडस्ट्राइसेस, 11-22-41 आर. आर. स्ट्रीट, विजयवाड़ा 520 001	आईएस 1786 : 1985	92-10-16	रखि नहीं	
8. 0879980	आजाद बिस्कुट कं., बागल कुंटी, हेसराघाटा रोड, बंगनीर 560 073	आईएस 1011 : 1981	93-07-31	लाइसेंसधारी की रखि नहीं	
9. 0880894	द साइंटिफिक इंसैकटीसाइड्स कं., "सुंदरसनम" पुनुरामगाम रोड, आर. एम. पुरम, कोयम्बतूर 641 002	आईएस 4323 : 1980	93-11-30	रखि नहीं	
10. 0980969	कार्तिकेय इंजी. इंडस्ट्रीज, 131, अविनाशी रोड, कोयम्बतूर 641 004	आईएस 7538 : 1975	93-07-15	रखि नहीं	
11. 1141326	खेताल डिस्त्रिब्यूटर्स इलेक्ट्रिकल लि., ए-13, को-आप, इंड. एस्टेट, बालानगर, हैदराबाद 500 037	आईएस 374 : 1979	93-12-31	आवेदन नहीं किया	
12. 1250230	जे पी इंटरप्राइसेज, 10, सुगाकर इंड. एस्टेट आर आर रोड, गोरेगांव (पू) बम्बई 400 062	आईएस 781 : 1984	93-11-15	मुहरांकन शुल्क नहीं दिया।	
13. 1347447	स्वल्प इंडस्ट्रीज, स्वरूप भवन, 35-ए, सिविल लाइन, बरेली	आईएस 458 : 1988	93-10-16	फर्म की रखि नहीं	
14. 1424843	म्वास्तिक कांटेनर, 14-10-1276 लुभर धोलपेट, हैदराबाद 500 006	आईएस 916 : 1975	93-05-31	लाइसेंसधारी की रखि नहीं	
15. 1441843	स्ट्रेकलिग स्टील, मा. नं. 155, मालापुरम, एमिल रोड, हैदराबाद	आईएस 1786 : 1985	93-08-15	लाइसेंसधारी की रखि नहीं	
16. 1464047	द रामनगर सेने एण्ड सूगर कं. लि., 164/181 इंडस्ट्रियल एरिया, जोतबाड़ा, जयपुर 302 012	आईएस 10633 : 1986	93-12-01	रखि नहीं।	
17. 1585463	सुंगमद्रा इंडस्ट्रीज लि., 108 आलकर टाउन, सिकन्दराबाद 500 025	आईएस 11352 : 1985	93-06-30	लाइसेंसधारी की रखि नहीं	
18. 1607245	सेडल कंस्ट्रक्शन इंजी. कं. लि., गांधी रोड पोस्ट आफिस : सिदरथ, सिरोही, सिदरथ 307 001	आईएस 269 : 1989	93-12-06	रखि नहीं।	
19. 1617349	आर. के. सेठ वायर इंडस्ट्रीज, 4. कापर रोड, लालबाग, लखनऊ 225 001	आईएस 398 (भाग 2) : 1976	93-11-01	लाइसेंसधारी की रखि नहीं।	
20. 1721041	पांता इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, न. सी-16, इंड. एस्टेट, ययैदी, मंगलोर 575 008	आईएस 1534 (भाग 1) : 1977	93-08-15	लाइसेंसधारी की रखि नहीं।	
21. 1736357	विहेन्ट स्टील लि., एच-9, एमआईडीसी एरिया, जलगांव 425 003	आईएस 2062 : 1984	93-09-30	कार्य संतोषप्रद नहीं।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
22. 1736559	लिफ्ट स्टील लि., एच-9 एमआईडीसी एरिया, जलगांव 425 003	आईएस 1786: 1985	93-09-30	कार्य सतोपप्रव नहीं।	
23. 1739060	व्हीलर इंडिया, 15-नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-110 015	आईएस-8168: 1979	93-12-16	रखि नहीं।	
24. 1824152	हैदराबाद सिलिडर प्रा. लि., 37वां किमी. हैदराबाद बंगलूर हाइवे गांधीनगर, तालुक आंध्रनगर, जिला—महबूब नगर	आईएस 3196: 1982	93-10-15	रखि नहीं।	
25. 1846970	ममजीत इंडस्ट्रीज, 578/1 मेन रोड, बंडोली ग्रामीण संघ नगर	आईएस 362: 1982	93-12-20	रखि नहीं।	
26. 1854060	एस सिस्टेम इंजीनियर्स, सी-13, इ. एस्टेट, धारसीकर 573 103	आईएस 3450: 976	93-07-31	कार्य सतोपप्रव नहीं।	
27. 1857066	एसोसिएटेड इंजीनियर्स, सी-13 इ. एस्टेट, धारसीकर 573 103	आईएस 1531: 1976	93-07-31	रखि नहीं।	
28. 1867673	सूरज लैम्प, नं. 1, मंगवी मेन रोड, सभीप : गायत्री फूलोर मिल्स, बंगलूर 560 023	आईएस 418: 1978	93-08-31	रखि नहीं।	
29. 1907072	बैरगेर केमिकल्स (प्रा.) लि., 3-सोमसुन्दर स्ट्रीट, टी-नगर, मद्रास 600 017	आईएस 4956: 1977	93-07-15	कार्य सतोपप्रव नहीं।	
30. 2020824	बी बी एस ग्रामर बक्स (प्रा.) लि., द्वारा : सिंहवी केमिकल इ. लि., आईटी आई जॉनसन, बिगाबापल्लनम	आईएस 1728: 1979	93-08-31	रखि नहीं।	
31. 2027232	ससकम्प इंटरप्राइसेज, 172, नागबरापल्लयम, ओल्ड मद्रास रोड, बंगलूर 560 016	आईएस 2834: 1986	93-09-15	रखि नहीं।	
32. 2030322	सरीन पाइप (प्रा.) लि., एएम-98, शालीमार बाग, दिल्ली-110 052	आईएस 4985: 1988	93-12-22	रखि नहीं।	
33. 2036940	एण्ड्रस इलेक्ट्रिकल प्रा. लि., ए मआईडीसी ब्लॉक, फ्लैट नं. 5, मोसबी, पूणे 411 026	आईएस 8034: 1988	93-10-15	कार्य सतोपप्रव नहीं।	
34. 2049848	इक्वे डेमेंस इंडिया (प्रा.) लि., गांधी सारक बोवली, देहरादून रोड, सहारनपुर (उ. प्र.)	आईएस 458: 1988	93-12-17	रखि नहीं।	
35. 2051431	आइट इंजीनियरिंग इंटरप्राइसेज, 1 - बी कॉ-आपरेटिव इंड एस्टेट, उद्योग नगर, कानपुर	आईएस 10325: 1989	94-11-16	रखि नहीं।	
36. 2120929	वेक्टरमिट बाजार प्राइवेट लि., पो. बा. नं. 149, V/360-1, एस जी रोड, कोचीन 682 016	आईएस 3975: 1988	93-05-31	रखि नहीं।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
37. 2142131	पाम रॉक होम एप्लायसेस 560/1 एमटीएच रोड, धम्मालूर-मद्रास 600 098	आईएस 6290: 1986	93-08-15	रखि नहीं।	
38. 2131637	बीनस इंडीसियरिंग क., 110 पाणनीर मिन्स रोड, पीलामेट्ट, कोयम्बलूर 641 004	आईएस 7538: 1975	93-09-30	रखि नहीं।	
39. 2154239	एकमे सॉप वक्स, राम मंदिर रोड, गोरिगांव (पू), बम्बई 400 104	आईएस 4955: 1982	93-09-30	मुद्रांकन फीस नहीं दी।	
40. 2134340	एकमे सॉप वक्स, राम मंदिर रोड, गोरिगांव (पू), बम्बई 400 104	आईएस 288: 1974	93-09-30	मुद्रांकन फीस नहीं दी।	
41. 2155039	मगसर इंड कार्पोरेशन, मिथिल रोड, मगसर (पञ्जाब)	आईएस 398 (भाग 2): 1976	93-10-01	नवीकरण के लिए घोषित नहीं।	
42. 2160840	शक्ति क्रीट प्रा. लि., मीड 40 घमाउमी इंड. एरिया, लखनऊ	आईएस 453: 1988	93-10-16	वाइसेसकारी की रखि नहीं।	
43. 2248248	फिक्सीट इंडरविइसेस, 1-8-449 सम्मुख : पुलिस लेन, सिकंदरगढ़ (भा.प्र.) 500 003	आईएस 11246: 1985	93-06-15	रखि नहीं।	
44. 2272243	भोपाल वायर्स (प्रा.) लि., 7-1 इड. एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल,	आईएस 398 (भाग 1): 1976	93-12-13	रखि नहीं।	
45. 2273146	फुल पावर वक्स, 384-ए, बिराग बिल्डी, नई दिल्ली 110 017	आईएस 4151: 1982	93-12-22	रखि नहीं।	
46. 2276253	सतने गेस फिक्स, 473-ए, 2, सीमा IV फेस, 12वां फेस, बैंगलूर 560 058	आईएस 325: 1978	93-08-31	रखि नहीं।	
47. 2279966	कश्यप इंडस्ट्रीज प्रा. लि., विज्ञानी मानसल, एम जी रोड, रतलाम 457001	आईएस 4246: 1984	93-12-22	रखि नहीं।	
48. 2280244	कॉन्टिनेंटल पावर फोक्स (प्रा) लि., 7, बी-8 इड. एस्टेट, कुरुनूल रोड, अगोला, जिला प्रकासम (भा.प्र.) 523 002	आईएस 398 (भाग 1): 1976	93-09-15	रखि नहीं।	
49. 2286967	नब फर्नाटिक स्टोन्स लि., पो. बा. न. 46, विसिलाल्ली, अ नन्नापुर रोड, बेस्लारी, (कर्नाटक), 583 101	आईएस 2830: 1992	93-09-30	घोषित नहीं।	
50. 2292857	राजधानी पावर कार्पोरेशन, 12/3 सीध स्टोन, माधुर रोड, पो. अमर नगर, करावाबाद, (हरियाणा) 121 003	आईएस 438: 1988	93-00-16	मुद्रांकन फीस नहीं दी।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
51. 2301347	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स लि., इंडिस्ट्रियल एरिया, पाटन जेम् 502 320	आईएस 3431 : 1982	92-11-15	रखि नहीं।	
52. 2311219	हरजित स्टील इंडस्ट्रीज, 7374 बनजारा मेम्राउट, मिलिडी, कामपट्टी रोड, नामपुर 440 026	आईएस 1786 : 1985	93-12-15	महाराजन फीस नहीं दी।	
53. 2396041	महफारी कीटनाशक दवाई फैक्टरी, 89 ई. एरिया, मोतबादा, (जयपुर प.), जयपुर 302 012	आईएस 1308 : 1984	93-12-21	रखि नहीं।	
54. 2409549	शर्मा गुज्जेली, 13/3 मधुरा रोड, प्लॉट नं. 12, नेमला नगर इड. एस्टेट, फरीयाबाद 121 003	आईएस 398(भाग 2):1976	93-10-01	फर्म की रखि नहीं।	
55. 7003041	फिलॉस्फर ब्रादर्स लि., उद्योग भवन, तिलक रोड, पूणे 411 002	आईएस 10617(भाग 3):1983	93-11-30	फर्म की रखि नहीं।	

[सं. के प्र. वि./13 : 14]

एस. के. कर्मकार, अपर महानिदेशक

## MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS &amp; PUBLIC DISTRIBUTION

## BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 30th August, 1995

S.O. 2566 .—In pursuance of Sub-regulation (6) of Regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, it is, hereby notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have expired:

## SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Name of the licensee	Number of the relevant Indian Standard	Date of expiry	Reason for expiry
1	2	3	4	5	
1	0238336	Pampasar Distilleries Ltd. Chitwadgi 583 211 Hospet, Distt. Bellary	IS 4450 : 1988	93-08-031	Party not interested
2	0238437	Pampasar Distilleries Ltd. Chitwadgi 583 211 Hospet, Distt. Bellary	IS 4449 : 1988	93-08-31	Party not interested
3	0262939	Pampasar Distilleries Ltd., Chitwadgi 583 211 Hospet, Distt. Bellary	IS 3811 : 1988	93-08-31	Party not interested

1	2	3	4	5
4 0482044	Kamdhenu Pesticides Krisbi Bhavan 1379, Bhawani Peth Poona 411 002	IS 4323 : 1980	93-08-31	Unsatisfactory performance
5 0559760	Garden Chemical Works Shivkrupa Indl. Estate Unit No. 113, 1st Floor L.B.S. Marg, Vikhroli (W) Bombay 400 079	IS 5346 : 1975	93-10-31	Unsatisfactory performance
6 0715142	The Scientific Insecticides Co. "Sudarsanam" Ponnurangam Road R.S. Puram Coimbatore 641 002	IS 2567 : 1978	93-11-30	Not interested
7 0804242	Bharat Steel Enterprises 11-22-41, R.R. Street Vijayawada 520 001	IS 1786 : 1985	92-10-16	Not interested
8 0879980	Azad Biscuit Co. Bagal Kunte Hesaragatta Road Bangalore 560 073	IS 1011 : 1981	93-07-31	Party not interested
9 0880864	The Scientific Insecticides Co. "Sudarsanam" Ponnurangam Road R.S. Puram Coimbatore 641 002	IS 4323 : 1980	93-11-30	Not interested
10 0980969	Karthikeya Engg. Industries 131, Avanashi Road Coimbatore 641 004	IS 7538 : 1975	93-07-15	Not interested
11 1141326	Khaitan Tiberwala Electricals Ltd. A-13, Co-Opt. Indl. Estate Balanagar Hyderabad 500 037	IS 374 : 1979	93-12-31	Not applied
12 1250230	Jaypee Enterprises 10, Mungakar Indl. Estate Off. Aarey Road Goregaon (E) Bombay 400062	IS 781 : 1984	93-11-15	Marking fee not accepted
13 1347447	Swarup Industries Swarup Bhawan 35-A, Civil Lines Bareilly	IS 458 : 1988	93-10-16	Firm not interested
14 1424843	Swastik Containers 14-10-1276, Lower Dhodipet Hyderabad 500 006	IS 916 : 1975	93-05-31	Not applied
15 1441843	Sterling Steels S. N. 155 Mallapuram Ecil Road Hyderabad	IS 1786 : 1985	93-08-15	Party not interested

1	2	3	4	5
16 1464047	The Ramnuggar Cane & Sugar Co. Ltd. 164/181, Industrial Area Jhotwara Jaipur 302 012	IS 10633 : 1986	93-12-01	Not interested
17 1585463	Tungabhadra Industries Ltd. 108, Walker Town Secunderebad 500 025	IS 11352 : 1985	93-06-30	Party not interested
18 1607245	Central Construction Engg. Co. Ltd., Village and Post Office: Sindrath, Sirohi Sindrath 307001	IS 269 : 1989	93-12-06	Not interested
19 1617349	R.K. Seth Wire Industries 4, Copper Road Lal Bagh Lucknow 226 001	IS 398(Part 2): 1976	93-11-01	Party not interested
20 1721041	Shantha Electrical Industries No. C-16, Indl. Estate Yeyyedi, Mangalore 575 008	IS 1534 (Part 1):1977	93-08-15	Party not interested
21 1736357	Trident Steels Ltd. H-9, MIDC Area Jalgaon 425 003	IS 2062 : 1984	93-09-30	Performance not satisfactory
22 1736559	Trident Steels Ltd. H-9, MIDC Area Jalgaon 425 003	IS 1786 : 1985	93-09-30	Performance not satisfactory
23 1739060	Wheels India 15, Najafgarh Road New Delhi-110015	IS 9168 : 1979	93-12-16	Not interested
24 1824152	Hyderabad Cylinders Pvt. Ltd. 37th, K.M. Hyderabad Bangalore Highway Vill. Nandigoan TQ, Shadnagar Distt. Mahboob Nagar	IS 3196 : 1982	93-10-15	Party not interested
25 1846970	Manjit Industries 573/1, Main Road Mandoli (Near Nand Nagri) Shahdara Delhi-110093	IS 362 : 1982	93-12-20	Not interested
26 1854060	Associated Engineers C-13, Indl. Estate Arsiker 573 103	IS 3450 : 1976	93-07-31	Not Applied
27 1857066	Associated Engineers C-13, Indl. Estate Arsiker 573 103	IS 1551 : 1976	93-07-31	Not Interested

1	2	3	4	5
28 1867675	Surja Lamps No. 1 Magadi Main Road Near Gayathri Flour Mills Bangalore 560023	IS 418 : 1978	93-08-31	Not Interested
29 1997082	Berger Chemicals (P) Ltd. 3 Somasundaram Street T. Nagar Madras 600017	IS 4956 : 1977	93-07-15	Unsatisfactory performance
30 2020824	WS Iron Works (P) Ltd. C/o Singhvi Chemical Inds Ltd. ITI Junction Visakhapatnam	IS 1729 : 1979	93-08-31	Party not interested
31 2027232	Syssoomp Enterprises 172, Nagavarapalayam Old Madras Road Bangalore 560016	IS 2834 : 1986	93-09-15	Party not interested
32 2030322	Sarin Pipes (P) Ltd. AM-98 Shalimar Bagh Delhi-110052	IS 4985 : 1988	93-12-22	Not Interested
33 2036940	Apple Electric Pvt.Ltd. MIDC Block Plot No. 5, Bhosari Pune-411026	IS 8034 : 1989	93-10-15	Performance not satisfactory
34 2049848	ADME Cementation India (Pvt) Ltd. Village Sarak Dodhli Dehradoon Road Saharanpur (U.P.)	IS 458 : 1988	93-12-17	Not Interested
35 2051431	Light Engineering Enterprises 10-B, Co-Operative Indl. Estate Uydog Nagar Kanpur	IS 10325 : 1989	93-11-16	Party not interested
36 2120929	Pearlite Wire Products Ltd. P.B. No. 149, XXXV/360-1 M.G. Road Cochin 682 016	IS 3975 : 1988	93-05-31	Party not interested
37 2142131	Pam Rock Home Appliances 560/1, Mth Road Ambattur Madras 600098	IS 6290 : 1986	93-08-15	Party not interested
38 2151637	Venus Engineering Co. 110, Pioneer Mills Road Peelamedu Coimbatore 641 004	IS 7538 : 1975	93-09-30	Party not interested
39 2154239	ADME Soap Works Ram Mandir Road Goregaon (W) Bombay 400104	IS 4955 : 1982	93-09-30	Marking fee not paid



1	2	3	4	5
40 2154340	ADME Soap Works Ram Mandir Road Goregaon (W) Bombay 400104	IS 285 : 1974	93-09-30	Marking fee not paid
41 2155039	Sangrur Indl. Corporation Sibian Road Sangrur (PB)	IS 398 (Part 2):1976	93-10-01	Non-Submission of renewal app.
42 2160840	Shakti Concrete Pvt. Ltd. C-40, Amausi Indl. Area Lucknow	IS 458 : 1988	93-10-16	Party not interested
43 2248248	Fibrolite Enterprises 1-8-449, Opp. Police Lines Secunderabad (AP) 500003	IS 11246 : 1985	93-06-15	Not Interested
44 2272245	Bhopal Wires (P) Ltd. 7-1 Indl. Area Govindpura Bhopal	IS 398 (Part 1): 1976	93-12-13	Not Interested
45 2273146	Full Power Works 364-A, Chirag Delhi New Delhi 110017	IS 4151 : 1982	93-12-22	Not Interested
46 2276253	Stanzen Links 473-A 2 Peenya IV Phase 12th Cross Bangalore 560058	IS 325 : 1978	93-08-31	Not Interested
47 2279966	Kasyap Industries Pvt. Ltd. Visaji Mansion M.G. Road Ratlam 457001	IS 4246 : 1984	93-12-22	Not Interested
48 2280244	Continental Power Cables (P) Ltd. B-7, B-8, Indl. Estate Kurnool Road Ongole Distt. Prakasam (AP) 523002	IS 398 (Part 1): 1976	93-09-15	Party not interested
49 2288967	Nava Karnataka Steels Ltd. P.B. No. 46 Bisilahalli Ananthapur Road (Karnataka) Bellary-583101	IS 2830 : 1992	93-09-30	Not applied
50 2292857	Rajdhani Pipe Corporation 12/3, Mile Stone Mathura Road PO Amar Nagar Faridabad-121003 (Haryana)	IS 458 : 1988	93-10-16	Marking fee not paid
51 2301327	Partap Steel Rolling Mills Ltd. Industrial Area Patancheru 502 320	IS 3431 : 1982	92-11-15	Not Interested

1	2	3	4	5
52 2311229	Harjeet Steel Industries 7374 Wanjara Layout Pilinadi Kamptee Road Nagpur 440026	IS 1786 : 1985	93-12-15	Marking fee not utilised
53 2396061	Sahkari Kitnasak Davai Factory 89, Indl. Area Jhotwara (Jaipur West) Jaipur 302012	IS 1308 : 1984	93-12-21	Not interested
54 2409549	Sharma Agencies 13/3, Mathura Road Plot No. 12 Hemla Nagar Indl. Estate Faridabad 121003	IS 398 (Part 2): 1976	93-10-01	Firm not interested
55 7003041	Kirloskar Brothers Ltd. Udyog Bhawan Tilk Road Pune-411002	IS 10617 (Part 3) : 1983	93-11-30	Firm not interested

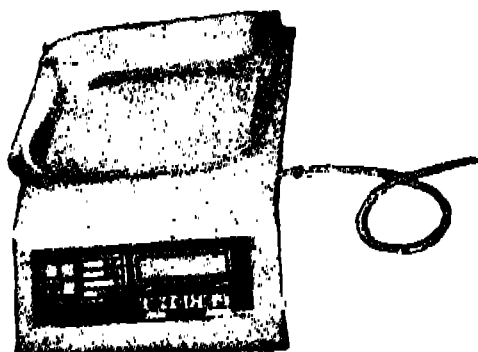
[No. CMD/13 : 14]

S.K. KARMAKAR, Addl. Director General

नई दिल्ली, 12 सितम्बर 1995

का.आ. 2567.—केन्द्रीय का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबन्धों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि उक्त माडल लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाये रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "डी एस टी" सीरीज वर्ग III टाइप से स्वतः सूचक गैर-स्वचालित टेबल टॉप तोलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स दोविया स्केल्स कं., सरकारी गोदाम के सामने, हिम्मत नगर, गुजरात द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई.एन.डी. 09/94/63 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र प्रकाशित करती है।



माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग 3) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 5 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 20 ग्राम है। सरवापन मापमान अन्तर (ई) 1 ग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यकलनात्मक प्रतिधारण टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। आधार और प्लेटफार्म घाटिवक हैं, भारग्राही आयताकार आकृति का कड़ाह है जिसका आकार 220 मि.मी. × 280 मि.मी. है। संप्रतीक का प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रदर्श तोल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्टज के प्रयावर्ती धारा विद्युत् प्रवाय पर प्रचालित होता है।

आगे, केन्द्रीय सरकार यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित 200 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम, 2 किलोग्राम, 10 किलोग्राम, 15 किलोग्राम, 20 किलोग्राम और 30 किलोग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मेक, यथार्थता और 3 सी सीरीज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू.एम. 21(29)93]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 12th September, 1995

S.O. 2567.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards

of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of Model of self-indicating non-automatic table top weighing instrument of type "DST" series class III (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. Dodia Scales Co, Opposite Govt. Godown, Himmat Nagar, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/94/63;

The Model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 5 kg and minimum capacity of 20 gram. The verification scale interval (e) is 1 gram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The base and the platform are metallic. The load receptor is a pan of rectangle shape of sizes 220×280 millimetre. The LED display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 hertz alternate current power supply.



Figure

Further, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance with a maximum capacity of 200g, 500g, 1 kg, 2 kg, 10 kg, 15 kg, 20 kg and 30 kg manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

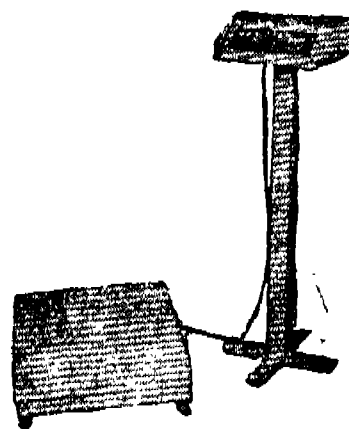
[F. No. WM-21(29)/93]

RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1995

का.आ. 2568—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबन्धों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि उक्त माडल लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाये रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "डी एस सी" सीरीज वर्ग III टाइप के स्वतः सूचक गैर-स्वचालित टेबल टॉप तोलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स दोदिया स्केल्स कं., सरकारी गोदाम के सामने, हिम्मत नगर, गुजरात द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई.एन.डी. 09/94/64 समनुवेशिक किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र प्रकाशित करती है।



माडल (आकृति देखिए एक मध्यम यथार्थता) (यथार्थता वर्ग 3) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 100 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 400 ग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तर (ई) 20 ग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यकलनात्मक प्रतिधारण टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। आधार और प्लेटफार्म धात्विक हैं। भारग्राही वर्गीकार आकृति का प्लेटफार्म है जिसका आकार 500 मि.मी. × 500 मि.मी. है।

संप्रतीक का प्रकाश उत्सर्जन डायोड संपर्क तोल परिणाम उपरक्षित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत् प्रदाय पर प्रचालित होता है।

आगे, केन्द्रीय सरकार यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित 50 किलोग्राम, 60 किलोग्राम, 150 किलोग्राम, 200 किलोग्राम, 300 किलोग्राम, 500 किलोग्राम, 1000 किलोग्राम और 2000 किलोग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मेक, यथार्थता और उसी सिरीज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू.एम. 21(29)/93]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

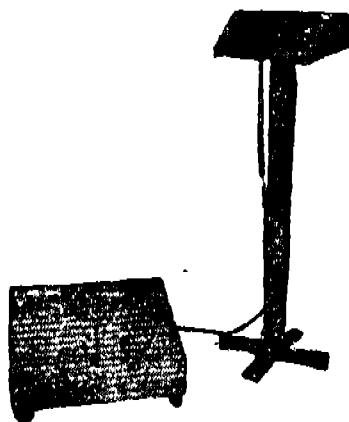
New Delhi, the 12th September, 1995

S.O. 2568.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the

Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of model of self-indicating non-automatic electronic weighing instrument of type "DSP" series class III (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. Dodia Scales Co., Opposite Govt. Godown, Himmat Nagar, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/94/64;

The Model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 100 kg and minimum capacity of 400 gram. The verification scale interval (e) is 20 gram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The base and the platform are metallic. The load receptor is a platform of square shape of sizes 500×500 millimetre. The LED display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 hertz alternate current power supply.



Figure

Further, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and perfor-

mance with a maximum capacity of 50 kg, 60 kg, 150 kg, 200 kg, 300 kg, 500kg, 1000 kg, and 2000 kg manufactured by the same manufacturer in accordance with the same (principle) and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

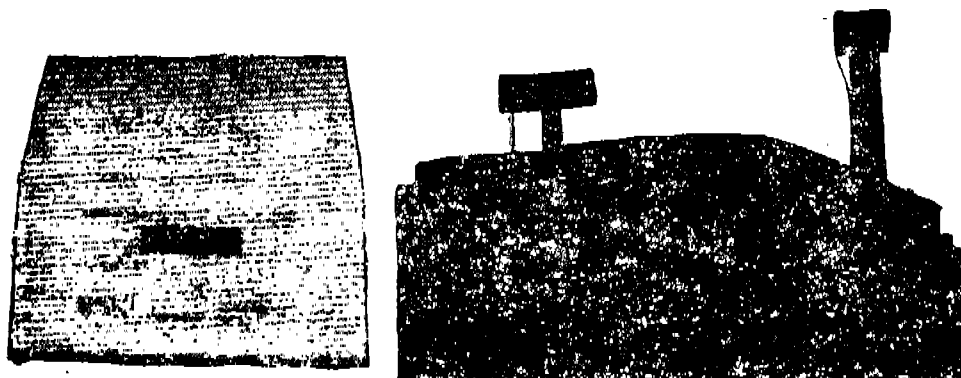
[F. No. WM-21(29)/93]

RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1995

का.आ. 2569-केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उम्मे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबन्धों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि उक्त माडल लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाये रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "डी एस डब्ल्यू" सीरीज वर्ग III टाइप के स्वतः सूचक गैर-स्वचालित टेबल टॉप तोलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स दोदिया स्केल्स क., सरकारी गोदाम के सामने, हिम्मत नगर, गुजरात द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई.एन.डी. 09/94/65 समनु-देशिक किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र प्रकाशित करती है।



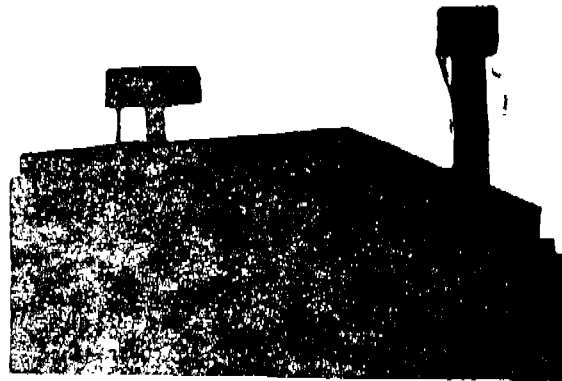
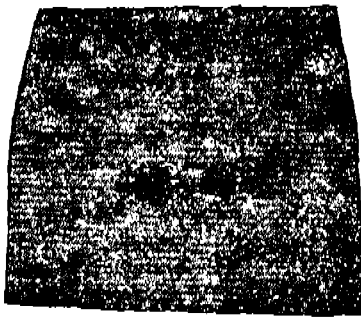
New Delhi, the 12th September, 1995

माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 5 टन और न्यूनतम क्षमता 20 किलोग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तर (ई) 2 किलोग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यकलनात्मक प्रतिधारण टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। आधार और प्लेटफार्म धात्विक हैं। भारग्राही आयताकार कड़ाह आकृति का है जिसका आकार 6000 मि.मी. × 2400 मि.मी. है। सप्रतीक का प्रकाश उत्सर्जन डायोड संवर्धन तोल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत् प्रदाय पर प्रचलित होता है।

आगे केन्द्रीय सरकार यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित 10 टन, 20 टन, 25 टन, 30 टन, 40 टन, 50 टन, 60 टन, 80 टन और 100 टन की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मेक, यथार्थता और उसी मिरिज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी हैं।

[फा.सं. डब्ल्यूएम-21(29)/93]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव



पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1995

फा. आ. 2570 :—केन्द्रीय सरकार ने, पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. फा. आ. 69 तारीख 14 जनवरी, 1995, द्वारा पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 23 जनवरी, 1995 को उपलब्ध करा दी गई थी;

S.O. 2569.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of Model of self-indicating non-automatic electronic weighbridge of type "DSW" series class III (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. Dodia Scales Co, Opposite Govt. Godown, Himmat Nagar, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/94/65;

The Model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 5 tonne and minimum capacity of 20 kg. The verification scale interval (e) is 1 kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The base and the platform are metallic. The load receptor is a platform of rectangular shape of sizes 6000×2400 millimetre. The LED display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 hertz alternate current power supply.

Further, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance with a maximum capacity of 10t, 20t, 25t, 30t, 40t, 50t, 60t, 80t, and 100t manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(29)/93]

RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में मध्यम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आगे यह निर्णय लेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी

विल्लगमें से मुक्त, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा :-

भनुसूची					
तहसील : सुनाम	जिला : संगरूर	राज्य : पंजाब			
शिव का नाम	हदबस्त नं.	भुस्तलील नं. किला नं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	धारे	सीटीमारे
1	2	3	4	5	6
मेहला	54	58			
		17	00	01	26
		18	00	12	39
		19	00	12	15
		23	00	00	51
		24	00	01	01
गोबिन्दपुर नगरी	57	27			
		17	00	00	76
		24	00	12	14
		25	00	05	82
		28			
		5	00	10	12
		29			
		1/1	00	07	84
		1/2	00	00	51
		8/2	00	00	25
		9	00	11	63
		10/1	00	05	56
		10/2	00	01	01
		12/1	00	04	05
गुजरा	110	8			
		17	00	02	53
		24, 2	00	05	82
		25	00	10	62
		17			
		1	00	10	12
		9/1	00	04	0 5
		9/2	00	02	78
		10/1	00	03	79
		10/ 2	00	03	04
		12	00	13	15
		13	00	01	01
		18	00	13	66
		19	00	00	51
		23	00	04	55
		18			
		5/1	00	05	82
		214	00	19	98
		1228/1	00	00	25
		1233	00	00	51
नागरा	109	2881	00	13	91
		2882	00	00	51
		2884	00	09	36
		2885/2	00	05	82

नागरा—(जारी)		2888	00	05	56
		2890	00	01	26
		2891	00	13	66
		2892	00	00	76
		2893	00	00	51
रामनगर	37	85	00	01	02
सिबियान		339	00	07	08
		355/1	00	00	51
		357/1	00	01	26
		357	00	14	16
		357/3	00	07	59
		358	00	05	56
		368	00	02	02
		370	00	25	55
		376	00	19	22
		377/1	00	05	56
		380/1	00	13	13
		381/1	00	12	39
		380/1	00	16	19
		441	00	04	55
		442	00	04	55
		443/1	00	22	76
		444	00	21	76
उपली	7	2122	00	02	02
झरू के	11	229			
		3/2	00	13	91
चाऊके	450	212			
		16	00	01	

[संख्या भार-31015/4/94—बो. भार. -1]  
के. सी. फटोच, सचिव

# MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 12th September, 1995

S.O. 2570.—Whereas by the notification of the Government of India the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 69, dated the 14th January, 1995, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum ;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 23rd January, 1995;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government ;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired ;

And further in exercise of the powers conferred by the sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited ;

## SCHEDULE

Tehsil : Sunam District : Sangrur State : Punjab

Name of Village	Hadbast No.	Mustateel/ Killa No.	Area		
			Hec- tare	Are	Centiare

1	2	3	4	5	6
Mehlan	54	58			
		17	00	01	26
		18	00	12	39
		19	00	12	15
		23	00	00	51
		24	00	01	01
Gobindpur Nagri 57		27			
		17	00	00	76
		24	00	12	14
		25	00	05	82
		28			
		5	00	10	12
		29			
		1/1	00	07	84
		1/2	00	00	51
		8/2	00	00	25
		9	00	11	63
		10/1	00	05	56
		10/2	00	01	01
		12/1	00	04	05
Gujran	110	8			
		17	00	02	53
		24/2	00	05	82
		25	00	10	62
		17			
		1	00	10	12
		9/1	00	04	05
		9/2	00	02	78
		10/1	00	03	79
		10/2	00	03	04
		12	00	13	15
		13	00	01	01
		18	00	13	66
		19	00	00	51
		23	00	04	55
		18			
		5/1	00	05	82
		214	00	19	98
		1228/1	00	00	25
		1233	00	00	51

1	2	3	4	5	6
Nagra	109	2881	00	13	91
		2882	00	00	51
		2884	00	09	36
		2885/2	00	05	82
		2888	00	05	56
		2890	00	01	26
		2891	00	13	66
		2892	00	00	66
		2893	00	00	51
Ram Nagar Sibian 37		85	00	01	02
		339	00	07	08
		355/1	00	00	51
		357/1	00	01	26
		357/2	00	14	16
		357/3	00	07	59
		358	00	05	56
		368	00	02	02
		370	00	25	55
		376	00	19	22
		377/1	00	05	56
		380/1	00	13	15
		381	00	12	39
		389/1	00	16	19
		441	00	04	55
		442	00	04	55
		443/1	00	22	76
		444	00	21	76
Upli	7	2122	00	02	02
Jhanduke	11	229			
		3/2	00	13	91
Chauke	450	212			
		16	00	01	77

[No. R-31015/4/94- OR-I]

K.C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1995

का. प्रा. 2571:—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाश्चात्य (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मन्त्रालय की नीचे दी गई अनुसूची में यथा उल्लिखित तारीख की अधिसूचना स. का. प्रा. द्वारा उन अधिसूचनाओं से सलग अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन प्राप्त किया था ;

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार, जो सभी विभागों से सुक्त है, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित किया था ;

और सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है कि पेट्रोलियम परिवहन के प्रयोजन के लिए गुजरात राज्य में कांठला सेपजब राज्य में भटिडा तक उक्त भूमियों में पाश्चात्य बिछाई जा चुकी है अतः इन भूमियों की बाबत प्रचालन की समाप्ति की जाए जिसका सक्षम विवरण इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट किया जाता है ;

अतः, अब, पेट्रोलियम पाश्चात्य (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) नियम 1963 के नियम 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए केन्द्रीय सरकार "प्रचालन की समाप्ति" की तारीख के रूप में उक्त अनुसूची के स्तंभ 6 में उल्लिखित तारीखों की घोषणा करती है:

अनुसूची					
क्र. भा. सं. व तारीख	गांव का नाम	तहसील	जिला	राज्य	प्रचालन की समाप्ति की तारीख
1	2	3	4	5	6
3186 28 दिसम्बर, 1991	मीठी-रोहर	अंजार	कच्छ	गुजरात	05 जून, 1995
3036 12 दिसम्बर, 1992	मीठी-रोहर	अंजार	कच्छ	गुजरात	05 जून, 1995
3186 28 दिसम्बर, 1991	चुडवा	अंजार	कच्छ	गुजरात	17 जून, 1995
3036 12 दिसम्बर, 1992	चुडवा	अंजार	कच्छ	गुजरात	17 जून, 1995
3186 28 दिसम्बर, 1991	पडाना	अंजार	कच्छ	गुजरात	08 जून, 1995
3036 12 दिसम्बर, 1992	पडाना	अंजार	कच्छ	गुजरात	08 जून, 1995
3186 28 दिसम्बर, 1991	वरसाना	अंजार	कच्छ	गुजरात	20 जून, 1995
680 03 अप्रैल, 1993	वरसाना	अंजार	कच्छ	गुजरात	20 जून, 1995

[स. भार-31015/1/95--ओ. भार.-I]  
के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 12th September, 1995

S. O. 2571.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No., S.O. and date as mentioned in the schedule below, issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government acquired the right of user in the lands specified in the schedule appended to those notifications;

And whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government vested the right of user in the said lands, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas, the Competent Authority has made a report to the Central Government that the pipeline for the purpose of transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab has been laid in the said lands so that the operation may be terminated in respect of the land the description of which in brief is specified in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Central Government hereby

declares the dates mentioned in column 6 of the Schedule as the dates of termination of the operation;

#### SCHEDULE

S.O. No. and date	Name of Village	Teshil
1	2	3
3186, 28th Dec. 1991	Mithirohar	Anjar
3036, 12th Dec., 1992	Mithirohar	Anjar
3186, 28th Dec., 1991	Chudva	Anjar
3036, 12th Dec., 1992	Chudva	Anjar
3186, 28th Dec., 1991	Padana	Anjar
3036, 12th Dec., 1992	Padana	Anjar
3186, 28th Dec., 1991	Varsana	Anjar
680, 3rd April, 1993	Varsana	Anjar

District	State	Date of Termination of operation
4	5	6
Kachchh	Gujarat	5th June, 1995
Kachchh	Gujarat	5th June, 1995
Kachchh	Gujarat	17th June, 1995
Kachchh	Gujarat	17th June, 1995
Kachchh	Gujarat	8th June, 1995
Kachchh	Gujarat	8th June, 1995
Kachchh	Gujarat	20th June, 1995
Kachchh	Gujarat	20th June, 1995

[No. R-31015/1/95-O.R.I]  
K. C. KATOCH, Under Secy.

मुख्यपत्र

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1995

का. भा. 2572 :—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन जारी और भारत के राजपत्र के भाग-2, खण्ड-3, उपखण्ड (ii) की पुष्ट संख्या 1686 और 1687 पर प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. भा. 1248, तारीख 06 मई, 1995 द्वारा यह घोषित किया कि उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए,

और केन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह साया गया है कि राजपत्र में प्रकाशित उक्त अधिसूचना में सुदृढ़ प्रकृति की कुछ गलतियाँ हैं;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

पुष्ट संख्या 1686 : अनुसूची के स्तंभ 3 में गांव चाम के किल्ला में 16 के सामने स्तम्भ 8 के नीचे "00" के स्थान पर "88" पढ़ें।

पुष्ट संख्या 1687 : स्तम्भ 3 में गांव कारद के किल्ला में 10 के सामने स्तम्भ 6 के नीचे "88" के स्थान पर "83" पढ़ें।

यह और कि केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आगे यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्र सरकार



में निहित होने के बजाए सभी विषयों में संयुक्त होकर, डॉक्टर, डॉक्टरों और कारपोरेशन निमित्त में निहित होगा।

[संख्या भार. — 31015/41/93—आ. भार. — 1 (पार्ट—1)]

के. सी. कटोव, अवर सचिव

### स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1995

का. प्रा. 2573 :—केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 7 की उप-धारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. प्रा. 138, तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, “धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (4) के अधीन “नामनिविष्ट” शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 4 और उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ जाएंगी, अर्थात् :—

“4. डा. बी. के. गोयल

डीन,

हृदय रोग विभाग के प्रोफेसर व अध्यक्ष

बम्बई अस्पताल

बम्बई”

[सं. बी. 11013/33/94—एम ई. (यू. जी.)]

दिलीप सिंह, उप सचिव (एम ई.)

पाठ टिप्पण :—अधिन अधिसूचना दिनांक 9-1-1960 के का. प्रा.

सं. 138 के तहत प्रकाशित की गई थी।

### MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 29th August, 1995

S.O. 2573.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 read with sub-section (4) of section 7 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government hereby makes the following amendments further to amend the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare S.O. No. 138 dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading “Nominated under clause (e) of sub-section (1) of section 3” for serial number 4 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

4. Dr. B. K. Goyal,  
Dean,  
Professor and Head of Cardiology Department,  
Bombay Hospital,  
Bombay.”

[No. V-11013/33/94-ME(UG)]  
DALIP SINGH, Dy. Secy.

Foot Note.—The principal notification was published vide S.O. No. 138 dated 9th January, 1960.

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1995

का. प्रा. 2574.—होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1973 (1973 का 59) की उपधारा (1) के खंड (ख)

के उपधारा (1) के अनुसरण में, डा. एस. राधाकृष्णन को, 28 सितम्बर, 1994 को तमिलनाडु, डा. एम.जी. प्रार. आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, मद्रास के होम्योपैथी संकाय के सदस्यों द्वारा अपने में से केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है।

अतः, अवर. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के तत्कालीन स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं. का. प्रा. 482 (अ), तारीख 6 अगस्त, 1994 निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की मारणी में, धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित शीर्षक के नीचे क्रम सं. 7 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :—

(1)

(2)

“7 डा. एस. राधाकृष्णन,  
प्रधानाचार्य,  
राजकीय होम्योपैथी  
आयुर्विज्ञान कालेज,  
तिरुमंगलम मदुरै  
(तमिलनाडु)

तमिल नाडु डा. एम.जी.  
प्रार. आयुर्विज्ञान  
विश्वविद्यालय,  
मद्रास।

[सं. बी. 27021/46/(15)/94—होम्यो—ई.यू.]

बी.सी. मेहता, ऐस्क अधिकाारी (होम्यो०)

पाठ टिप्पण : मूल अधिसूचना सं. का. प्रा. 482(अ), तारीख 6 अगस्त, 1994 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई थी और तत्पश्चात् उसमें अधिसूचना सं. का. प्रा. 740(अ) तारीख 29 अगस्त, 1990, सं. का. प्रा. 547 तारीख 27 जनवरी, 1992 और सं. का. प्रा. 1263 तारीख 27 अप्रैल, 1992 द्वारा संशोधन किए गए।

New Delhi, the 5th September, 1995

S.O. 2574.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973), Dr. S. Radhakrishnan has been elected on the 28th December, 1994 from amongst themselves by the members of the Faculty of Homoeopathy of the Tamil Nadu Dr. M.G.R. Medical University, Madras as a member to the Central Council of Homoeopathy.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the

notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health). No. S.O. 482 (E), dated the 6th August, 1974, namely :—

In the Table to the said notification, under the heading "elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for serial number 7 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

1	2
"7. Dr. S. Radhakrishnan Principal, Government Homoeopathic Medical College, Thirumangalam, Madurai (Tamil Nadu)	TAMIL NADU Dr. M.G.R. Medical Univer- sity, Madras.

[No. V-27021/46(15)/Homoeo-EU]

B. C. MEHTA, Desk Officer (Homoeo)

FOOT NOTE.—The principle notification was published in the Gazette of India vide No. S.O. 482(E), dated the 6th August, 1974 and subsequently amended vide notification No. S.O. 740(E) dt. 29th August, 1990, No. S.O. 547 dated 27th January, 1992 and No. S.O. 1263 dated 27th April, 1992.

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

का.भा. 2575.—केन्द्रीय दीपघर सलाहकार समिति (प्रक्रियात्मक) नियमावली 1976 के नियम 3, 4 और 11 के साथ पठित दीपघर अधिनियम, 1927 (संख्या 1927 का 17) की धारा 4 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्र सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार, जल भूतल परिवहन मंत्रालय की दिनांक 24 मार्च, 1995 की अधिसूचना का.भा. संख्या 877 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उपर्युक्त अधिसूचना में :—

(1) क्रमसं. 5 के सामने की गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी

5. श्री कर्मा टोपडेन, संसद सदस्य, राज्य सभा।

[का.सं. एल.एच. 11015/1/94-एस.एल.]

मुंशी राम, सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2575.—In pursuance of Sub-section (i) of section 4 of the Lighthouse Act, 1927 (No. 17 of 1927) read with rule 3, 4 and 11 of the Central Advisory Committee for Lighthouse (Procedural) Rules, 1976, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India, in the Ministry of Surface

Transport, S.O. No. 877 dated the 24th March, 1995, namely :—

In the said notification :—

(i) Against Serial No. 5, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

5. Shri Karma Topden, Member of Parliament, Rajya Sabha.

[F. No. LH-11015/1/94-SL.]

MUNSHI RAM, Under Secy.

(नौवहन महानिदेशालय)

बम्बई, 7 सितम्बर, 1995

(वाणिज्य पोत परिवहन)

का.आ. 2576.—वाणिज्य पोत परिवहन (नाविक रोजगार कार्यालय) नियम, 1986 के नियम 3 के साथ पठित, भारत सरकार, जल भूतल परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. एम. डब्ल्यू/एम. डब्ल्यू एम 40/85/एमटी दिनांक 22 अप्रैल, 1988 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नौवहन महानिदेशक इस अधिसूचना के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की समयावधि के लिए बम्बई पत्तन, एतद्द्वारा नाविक रोजगार बोर्ड (विदेशगामी) स्थापित करने हैं, जिसमें निम्नलिखित सदस्य हैं, अर्थात् :—

- |   |   |   |
|---|---|---|
| 1. नौवहन महानिदेशक  | } | सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य         |
| 2. उप नौवहन महानिदेशक, नाविक रोजगार कार्यालय बम्बई के प्रभारी   |   |   |
| 3. श्रम आयुक्त, बम्बई   |   |   |
| 4. शिपिंग मास्टर, बम्बई   |   |   |
| 5. निदेशक, नाविक रोजगार कार्यालय, बम्बई   |   |   |
| 6. पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी, बम्बई   |   |   |
| 7. श्री एच.एच. मेहता (भारतीय नौवहन निगम)  | } | पोत स्वामियों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य |
| 8. कैप्टन पी.के. देशपांडे (ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कं. लि., बम्बई)   |   |   |
| 9. कैप्टन अजित केसरकोडि (चौगुले स्टिमिंग लि.)   |   |   |
| 10. कैप्टन एम.एम. नाईक (मैसर्स : डेनक्लाव मैरिज सर्विसेज लि. 61, मेकर चैम्बर III, 6 मंजिल, गारीमन प्लाट, बम्बई-21 |   |   |

11. कैप्टन ई. बी. परेरा, एण्ड  
संगम : जे. एम. बकशी क.  
सर्वोदय विनिर्देश, 2 मंजिल,  
70-ए नेहरू मार्ग,  
विले पार्ले (पूर्व)  
बम्बई-99
12. कैप्टन ए. बत्रा  
(संगम : किल्लिक निक्सन लि.)
13. डॉ. लियो बान्स
14. श्री एम. टी. जोसेफ
15. श्री थामस एन्थनी
16. श्री माखनी रेश्मकर
17. श्री अरुण मोर्जे
18. श्री डेनिस वाज

नाविकों का प्रति-  
निधित्व करने वाले  
सदस्य

11. Capt. E. B. Pereira, (M/s. J.M. Baxi and Co.,  
Sarvodaya Building, 2nd Floor, 70-A, Nehru  
Road, Vile Parle (East) Bombay-400 099.
12. Capt. A. Batra (M/s. Killick Nixon Ltd.,  
Bombay).
13. Dr. Leo Barnes,
14. Shri M.T. Joseph,
15. Shri Thomas Anthony,
16. Shri Maunil Rethacker,
17. Shri Arun Morje,
18. Shri Denis Vaz,

Members  
representing  
Seamen.

The Director General of Shipping and the Dy. Director General of Shipping incharge of the Seamen's Employment Office, Bombay shall respectively be the Chairman and the Vice-Chairman of the aforesaid Board. The Director, Seamen's Employment Office, Bombay shall be the Member-Secretary of the aforesaid Board.

[No. 24(1)/CR/90]

H.P. SHARMA, Dy. Dir. Gen. of Shipping.

नौवहन महानिदेशक और उप नौवहन महानिदेशक प्रभारी नाविक रोजगार कार्यालय, बम्बई उपायुक्त बोर्ड के क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष होंगे। निदेशक, नाविक रोजगार कार्यालय, बम्बई उपायुक्त बोर्ड के सदस्य सांचव होंगे।

[नं. 24(1) सी आर/90]

एच पी. शर्मा, उप नौवहन महानिदेशक

(DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING)

Bombay the 7th September, 1995

(MERCHANT SHIPPING)

S.O. 2576.—In exercise of the powers conferred by Rule 3 of the Merchant Shipping (Seamen's Employment Office) Rules, 1986 read with the Notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport No. SW/MWS-40/85-MT dated the 22nd April, 1988 the Director General of Shipping hereby appoints Seamen's Employment Board (Foreign Going) at the Port of Bombay for a period of two years with effect from the date of publication of this notification in the official Gazette, consisting of the following members namely:—

1. The Director General of Shipping
2. The Dy. Director General of Shipping  
Incharge of Seamen's Employment Office.  
Bombay.
3. The Labour Commissioner, Bombay
4. The Shipping Master, Bombay
5. The Director, Seamen's Employment  
Office, Bombay.
6. The Port Health Officer, Bombay
7. Shri H.H. Metha (Shipping Corpn.  
of India).
8. Capt. P. K. Deshpande (Great Eastern  
Shipping Co. Ltd., Bombay)
9. Capt. Ajit Kesarkodi, (Chowgule  
Steamship Ltd. Bombay)
10. Capt. M. S. Naik, (M/s. Denklav  
Marine Services Ltd., 61, Maker  
Chamber III, 6th Floor, Nariman Point,  
Bombay-400 021.)

Members  
representing  
Government

Members  
representing  
Shipowners.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1995

का.आ. 2577.—केन्द्रीय सरकार, अंतर्राष्ट्रियक प्रवासी कर्मकार (नियोजन का विनियमन और सेवा शर्त) अधिनियम, 1979 (1979 का 30) की धारा 2 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपखण्ड (i) की मद (1) के अनुसरण में, परमाणु ऊर्जा के विनिर्माण या उत्पादन में लगे हुए उद्योग में संबंधित स्थापनों, को, जिनके अंतर्गत उनकी निर्माण परियोजनाएं भी है, जो उक्त प्रयोजनों के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 (1962 का 33) की धारा 3 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियंत्रित है, विनिर्दिष्ट करती है।

[फा.सं. एस. 45011/1/94-आर. डब्ल्यू]

एस.एस. शर्मा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 7th September, 1995

S.O. 2577.—In pursuance of item (1) of sub-clause (i) of clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the Inter-State Migrant Workmen (Regulation of Employment and Conditions of Service) Act, 1979 (30 of 1979), the Central Government hereby specifies the establishments pertaining to industry engaged in the manufacture or production of Atomic Energy, including construction projects thereof which is controlled by the Central Government under section 3 of the Atomic Energy Act, 1962 (33 of 1962), for the purposes of said item.

[F. No. S-45011/1/94-RW]

S. S. SHARMA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1995

का.आ. 2578.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आयात इंडिया लि., नूनमती के प्रबन्धतंत्र के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, औद्योगिक अधिकरण, गुवाहाटी, के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-42011/7/91-आई आर (विविध)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1995

S.O. 2578.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Guwahati as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Oil India limited, Noonmati and their workmen, which was received by the Central Government on 5-9-95.

[No. L-42011/7/91-IR(Misc.)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

## ANNEXURE

IN THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, GUWAHATI.

ASSAM

Reference No. 11(C)/92

## PRESENT :

Shri J. C. Kalita B.A. (Hons) LL.B.,  
Presiding Officer,  
Industrial Tribunal, Guwahati,  
In the matter of an Industrial Dispute between :

The Management,  
Oil India Ltd., Noonmati,  
Guwahati.

-Versus-

Their workmen rep. by Assam Petroleum Mazdoor  
Union, Pipeline Workers Union, Maikhuli.

## APPEARANCES :

Shri S. N. Sarmah, Advocate—For the Management.  
Shri B. N. Sarmah, Advocate—For the Workmen.

## AWARD

The reference arising out of the Govt. notification No. L-42011/7/92-IR (Misc.) dated 26-6-92 relates to the dispute indicated in the schedule below :—

"Whether the action of the management of Oil India Limited Pipeline Division, Guwahati in replacing the ambulance services at PHO Noonmati and P.S. 8 Sonapur from departmental service to contractual services is justified? If not, to what relief the workmen is entitled to?"

On receipt of notice both the parties present the petition submitted on behalf of the Union stating that they have come to a settlement outside the court and do not want to proceed further with the reference. Heard the learned counsel on both sides. The settlement arrived has been found to be fair and have been accepted. The existing ambulance services shall continue as fair and convenient.

The workmen now desires to withdraw the claim and to effect a petition marked 'X' has been also filed before the Tribunal. Thus the reference is hereby disposed of by an award as stated above. The petition will be treated as part of the award. The case is disposed of accordingly on this 23rd Aug. 95 under my hand and seal.

Shri J. C. KALITA, Presiding Officer

Marked 'X'

Sd/- J. C. Kalita

Presiding Officer

Industrial Tribunal, Assam,  
Guwahati.

Before the Hon'ble Industrial Tribunal, Assam at  
Guwahati.

Ref. No. 11(C)/92

Management of Oil India Ltd.

Versus

Secy. Assam Petroleum Mazdoor Union.

The Humble Joint petition of the above named parties  
Most respectfully sheweth :—

1. That the above case is fixed today for hearing.
2. That the parties have settled their dispute amicably out of Court.
3. That the Union is satisfied with the present ambulance and they withdraw their demand of putting the old ambulance into service.
4. That this petition is filed bonafide and in the interest of justice.

In the premises aforesaid it is prayed that your Honour  
will be pleased to pass as Award in terms of para  
3 of the petition.

Sd/- Gopal ch. Kalita, Secretary,  
Assam Petroleum Mazdoor Union.  
P/L unit.

Sd/- Rajeev Baruah,  
Senior Industrial Relations Officer,  
Pipelines.  
22-8-95

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1995

का.आ. 2579.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन बुरई आफ माइन्स, सिविल लाइन्स के प्रबन्धतंत्र के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जब्तपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-42012/146/91-आई आर (डी यू)]

के.वी.बी. उप्पी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1995

S.O. 2579.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Bureau of Mines, Civil Lines, and their workmen, which was received by the Central Government on 8-9-95.

[No. L-42012/146/91-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

## ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

1 Case Ref. No. CGIT/LC(R)(146)/1992.

AND

2. Case Ref. No. CGIT/LC(R)(162)/1992.

BETWEEN

Shri Anil Shankarrao Dandekar R/o Somalwada, Zenda Chowk, Wardha Road, Nagpur (MS)-440 001.

AND

The Controller General, Indian Bureau of Mines, Civil Lines, Nagpur (MS)-440 001.

PRESIDED IN : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For workman.—None.

For Management.—Shri P. F. Sarode.

INDUSTRY : Bureau of Mines. DISTRICT : Nagpur (MS).

AWARD

Dated, August, 7th 1995

These are two references made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its two separate Notification No. L-42012/146/91-IR(DU) Dated 30-6-92 and 20-7-1992, for adjudication of the following industrial dispute :—

## SCHEDULE

"Whether the Indian Bureau of Mines is an industry, if so whether the action of the management of IBM, Nagpur in terminating the services of Shri Anil Shankarrao Dandekar, Electrician, is justified? If not, what relief he is entitled to?"

2. The first reference was received from the Ministry of Labour on 9-7-1992. However, a similar reference was again sent which was received on 27-7-92 & registered as Ref. No. 162/92. From the perusal of the terms of reference, it is clear that they are the same and parties are also the same. However, the second reference was tagged with the Ref. No. 146/92.

3. Parties were noticed to file the statement of claim. In spite of several notices to the workman and the management, they have not filed the statement of claim nor the workman appeared.

4. Representative of the management appeared on several hearings and prayed to close the case as the workman is not attending to the proceedings. Consequently, it is clear that the workman is not interested in pursuing his case. As such, no dispute award is passed without any order as to costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.आ. 2580.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार एस डी ओ, टैलीग्राफ, चिंदवारा के प्रबंधक के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक

अधिकरण, जयनपुर के पंचपट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-40012/35/90/आई बाइडी यू]

के.वी.बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2580.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of SIDO, Telegraphs, Chhindwara (MP) and their workmen, which was received by the Central Government on 8-9-95.

[No. L-40012/35/90-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

## ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(222)/1990

BETWEEN :

Shri Dasrath Sherka S/o Fusia Sherka, Gram Khedi, P.O. Mau, Teh. &amp; Distt. Chhindwara (MP)-480 001

AND

The Sub-Divisional Officer, Telegraphs, Chhindwara Division, Chhindwara (MP)-480 001.

PRESIDED IN : By Sri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman.—None.

For Management.—S. L. Dhabe.

INDUSTRY : Telegraphs. DISTRICT : Chhindwara (MP)

AWARD

Dated, August, 7th 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-40012/35/90 IR(DU) Dated 20/30-11-90, for adjudication of the following industrial dispute :—

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of Sub-Divisional Officer (Telegraphs) Chhindwara under the control of Telecom District Engineer (Chhindwara), 16 Civil Centre, Jabalpur (MP) in stopping from work to Shri Dhararath Sherka S/o Fusia Sherka worker with effect from 31-3-88 is justified and legal? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. The case of the workman is that he was appointed on 10-10-1985 as Mazdoor at S.D.O. (T) at Chhindwara and he has worked upto 1987 for more than 240 days in a calendar year, but he has been illegally retrenched. The workman prayed for reinstatement with back wages.

3. The case of the management is that the workman was engaged for short period as casual worker and he has not completed the work of more than 240 days and as such he is not entitled for reinstatement.

4. The case was posted on 3-2-1992 for filing rejoinder and documents by the workman and after that the workman appeared on 13-5-1992 and thereafter the workman remained absent for more than 3 years in spite of the repeated notices.

5. The workman has not adduced any evidence to prove his case.

6. On last hearing the management also remained absent. Consequently, no dispute award is passed. No order as to costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1995

का.आ. 2581.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गन कैरिज फैक्टरी, जबलपुर के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर, के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-14012/92/90-आई आर (डीयू)]

के.बी.बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1995

S.O. 2581.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 8-9-1995.

[No. L-14012/92/90-IR (DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

## ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)  
Case Ref. No. CGIT/LC(R)(74)/1991

## BETWEEN

Shri Deendayal S/o Durga Prasad Dubey, Ex-Messenger Boy, Ticket No. NIE 2893, R/o 397, Ghara, Jabalpur(MP).

## AND

The General Manager, Gun Carriage Factory, Jabalpur (MP).

## PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

## APPEARANCES :

For Workman—Shri R. C. Srivastava, Advocate.

For Management—Shri B. Da'Silva, Advocate.

INDUSTRY : GCF.

DISTRICT : Jabalpur (MP)

## AWARD

Dated, the 28th July, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-14012/92/90-IR (DU) dated 11-4-1991, for adjudication of the following industrial dispute :—

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur (M.P.) in terminating the services of Shri Deendayal, S/o Shri Durga Prasad Dubey, Ex-messenger Boy, w.e.f. 15-10-84 is justified? If not, what relief he is entitled to and from what date "

2. Admitted facts of the case are that the workman was appointed as Messenger Boy on 12-10-1979. It is also an admitted fact that the workman was involved in a Criminal case under Section 302 I.P.C., that the Additional District and Session Judge sentenced the workman for imprisonment of life on 30-9-1981, that the workman fled the appeal before the Hon'ble High Court and that he was acquitted vide Judgment dated 24-1-1985.

3. The case of the workman is that after his appointment as Messenger Boy on 12-10-1979 the workman was confirmed and although he was acquitted and department has not reinstated the workman. The workman has prayed for reinstatement with back wages.

4. The case of the management is that the workman was not a permanent employee. During the period of probation the workman was sentenced for Life Imprisonment vide Judgment dated 30-9-1981. The management has stated that in view of the terms of sentence the services of the workman were terminated.

5. The case was posted for filing of documents and issues on 28-11-1994 and thereafter few opportunities were given, but the workman has not filed documents. On 12-7-1995 none appeared for workman.

6. In view of the admitted fact that the workman was sentenced by the Additional District and Sessions Judge Narsinghpur and the workman has not led any evidence to substantiate that the order of the management in terminating his services is not justified. Consequently, ex parte award is passed against the workman. Workman is not entitled to any relief. Reference is answered in favour of the parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.आ. 2582.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एन.सी. एल. के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/74/88डी-4(बी)]

एल 22012/83/88डी-4(बी)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New, Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2582.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of N.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 5-9-1995.

[No. L-22012/74/88-D.IV (B)]

L-22012/83/88-D-4(B)]

RAJA LAL, Desk Officer

## ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)  
Case Ref. No. CGIT/LS(R)(41)/1989  
(Workman concerned Shri Surendra Bhakta)  
Dudhichuha Colliery, Sidhi (MP).

## AND

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(43)/1989  
(Workman concerned Shri Dilip Kumar)  
Dudhichuha Colliery of M/s. NCL, Sidhi (MP)

## AND

General Manager, M/s. N.C.L. Dudhichuha Project,  
Post Jayant Colliery, District Sidhi (MP)

## PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

## APPEARANCES :

For Workmen—Shri S. N. Mishra, Advocate.

For Management—Shri R. Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mines

DISTRICT : Sidhi (MP)

## AWARD

Dated, the 8th August, 1995

These are two references made by the Central Government Ministry of Labour, vide its two separate Notification No. L. 22012/83-88 D. 4(B) dated 12-2-1989 and No. L. 22012/74/88-D.4(B) dated 15-2-1989, for adjudication of the following industrial dispute :—

## MATTER OF DISPUTE

(Referred vide Notification dated 12-2-1989)

"Whether the action of the Management of Dudhichua Project of Northern Coalfields Ltd. in dismissing their workman Sri Surendra Bhakta, Security Guard vide their letter/order No. GM/DCH/PD/Disc. Action/87/2028 dated 17-4-1987, is legal and justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled and from what date?"

(Referred vide Notification dated 15-2-1989)

"Whether the action of the Management of Dudhichua Project of Northern Coalfields Ltd. Singrauli Area, in dismissing their workmen Sri Dilip Kumar Singh, Security Guard vide their letter/order No. GM/DCH/PD/Disc. Action/87/2029 dated 17-4-1987, is legal and justified? If not, to what relief the workmen concerned is entitled and from what date?"

2. Admitted facts of the case are that the workmen Shri Surendra Bhakta and Shri Dilip Kumar Singh were working as Security Guards in Dudhichua, Project of Northern Coalfields Ltd Singrauli and the complainant, Shri S. N. Pande, was their Assistant Security Sub-Inspector. It is also common ground that on the basis of the complaint dated 4-2-1987 the departmental enquiry was conducted against Shri Dilip Kumar and Surendra Bhakta by the Enquiry Officer, Shri S. N. P. Rai, Personnel Manager and that the services of the workmen were dismissed by the impugned order dated 17-4-1987.

3. The case of the management is that on 3-2-1987 at about 7.40 p.m. at Dudhichua Project of M/s. Northern Coalfields Ltd. Singrauli, when the complainant, Shri S. N. Pande, Assistant Security Sub-Inspector was at his residence, the workmen Shri Dilip Kumar Singh and Shri Surendra Bhakta, Security Guards entered into the quarter of the complainant and asked him about their duty, that both the workmen physically assaulted Shri S. N. Pande by using Lathi and caused injury on his other party of the body and that the workman also kicked and gave list below to Shri Pande and filthy abuses were hurled on him by the workmen; that both the workmen left the place and other employees from the neighbourhood reached the house of the complainant, Shri S. N. Pande and Shri Pande apprised them about the incident and complainant was taken to Dudhichua Hospital. The complainant, Shri S. N. Pande was medically examined and the report was lodged against both the workmen on 4-2-1987.

4. That on the basis of the complaint, chargesheet was issued against the workmen and Shri S. N. P. Rai, Personnel Manager, was appointed as the Enquiry Officer; that Shri S. N. P. Rai conducted the enquiry against both the workmen and these workmen requested to appoint Shri T. N. Singh, Foreman, as the coworker in the enquiry. The five witnesses were examined by the management and the workman examined themselves and two witnesses in their defence. The Enquiry Officer found the charge proved and looking into the gravity of the misconduct the impugned order dated 17-4-1987 of their dismissal was passed.

5. The case of the workman is that the false complaint was made against them by Shri S. N. Pande; that the real facts are that Shri S. N. Pande had caused injury to the workmen and the workmen were beaten by Shri S. N. Pande and the report was lodged by the workmen against Shri S. N. Pande in the Police Station. The workmen have alleged that the relevant documents were not supplied to them during

the enquiry and the Enquiry Officer was not validly appointed and the required opportunity to defend the case was not accorded to the workmen. The workmen have further alleged that the findings of the Enquiry Officer are perverse and the Enquiry Officer has completely overlooked the statement of management witnesses who have testified that they have not seen the incident. The allegation of the workmen is that the Disciplinary Authority have not applied his mind and mechanically agreed with the findings of the Enquiry Officer and his findings is perverse and the punishment is disproportionate to the proved misconduct.

6. Two separate reference were made by the Ministry of Labour Case of both the workmen were related to the same incident and the common domestic enquiry was held against them and the common written arguments were filed by their Counsel. Consequently, this Award is being Passed for both the References No. 41/89 and 43/89.

7. Following issues framed by me which are as follows along with my findings —

## ISSUES

1. Whether the enquiry is just, proper and legal?
2. Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal?
3. Whether the charges of misconduct are proved on the facts of the case?
4. Whether the punishment awarded is proper and legal?
5. Relief and Costs.

8. Issue No. 1 and 2.—My learned predecessor vide Order dated 6-2-92 in Case No. 43/89 and vide Order dated 4-3-92 in case No. 41/89 has held that the domestic enquiry was fair, proper and valid. The case was posted by my learned predecessor for arguments on other issues i.e. perversity of findings etc.

9. Issue No. 3.—Complainant, Shri S. N. Pande (MW-1), has stated that he was posted as Assistant Security Sub-Inspector at Dudhichua Project and on 3-2-87 in the evening when he was with his family in his quarter, the workmen Surendra Bhakta and Dilip Kumar Singh, Security Guards came to his quarter and started abusing him and they were saying that why their attendance were not marked for 24th January. Complainant, Shri S. N. Pande, has further stated that both the workmen threw him on the ground and they beat him by fist and kicks and the workmen also assaulted him by Lathis. Complainant, Shri S. N. Pande, has further stated that his family members started crying and weeping and Behari Singh Yadav, Dhananay Singh and others from the neighbourhood came to his quarter and both the workmen left the place. Shri S. N. Pande has further stated that his face was bleeding and he got the injuries on other part of his body and he was taken to Dudhichua Hospital of the Colliery by the neighbours. Shri S. N. Pande has also stated that for his treatment in the hospital he gave written report to his officers.

10. Complainant, Shri S. N. Pande, was thoroughly and extensively cross-examined by the workmen, but nothing was elicited in his cross-examination to doubt his testimony. Shri S. N. Pande had no enmity with both the workmen and there appears no reason of his giving false evidence against both the workmen. The medical report of the complainant dated 3-2-87 and the prescription of Dr. R. K. Behare dated 3-2-87 clearly goes to show that Shri S. N. Pande was badly beaten and he had sustained injury on his face. Injury report of Medical Officer dated 25-2-87 further corroborates the fact that the complainant had received the injuries and he was medically examined and treated for the injuries. However, from the clear statement of the eye witness, Hoob Lal, Head Constable (Security) MW-3 and Behari Singh Yadav (MW-4) Security Guard it is established that on 3-2-87 in the evening the complainant, Shri S. N. Pande, was badly beaten and he had sustained injury for which he was taken to the Dudhichua Hospital. The statement of Hoob Lal and Behari Singh Yadav that condition of the complainant due to the injury was bad and

he was taken for medical treatment, was not assailed in his cross-examination. From the medical evidence and the unassailed evidence of Hoob Lal and Behari Singh Yadav it is proved that the complainant, Shri S. N. Pande, was badly beaten on 3-2-87 in the evening at his quarter.

11. Complainant, Shri S. N. Pande, Asstt. Security Sub-Inspector, who was humiliated and severally assaulted will not hide the name of the real culprits and he will not falsely implicate these workmen against whom he had to enmity. However, the management witness, Hoob Lal (MW-3) and Behari Singh Yadav (MW-4) and Brahmdev Singh have clearly stated that immediately after the incident complainant, Shri S. N. Pande, informed them that he was beaten by both the workmen, Dilip Kumar Singh and Surendra Bhakta. This fact that just after the incident the badly injured complainant, Shri S. N. Pande, referred the name of both the workmen further corroborates the testimony of the complainant and establishes the involvement of the workman, Surendra Bhakta and Dilip Kumar Singh in assaulting the complainant.

12. Behari Singh Yadav (MW-4) stated that his quarter is nearer to the quarter of the complainant and after hearing the cries he reached to the house of the complainant and saw that Dilip Kumar Singh and Surendra Bhakta were running away from the house of the complainant. Not a single question was asked in the cross-examination of Shri Behari Singh Yadav (MW-4). No explanation was given of the fact that why the workmen were running away from the house of the complainant and the complainant who was injured was crying and complaining that he was beaten by the workmen. Consequently, Behari Singh Yadav (MW-4) is a material witness to corroborate the testimony of the complainant, Shri S. N. Pande. Learned Counsel for the workman has argued that the management witness No. 2 Dhanjay Singh has stated that he was pressurised to give the evidence against both the workman and to file written complaint against them. It appears that Dhananjay Singh (MW-2) has turned hostile and he has admitted in his examination that he is drunkard. Consequently, the statement of Dhananjay Singh (MW-2) was rightly discarded by the Enquiry Officer.

13. The workmen have examined themselves and two witnesses in their defence. Kamla Kant (DW-1) and U. N. Singh (DW-2). These witnesses have stated that when they reached on the place of incident they saw that complainant, Shri S. N. Pande, was sitting on the chest of the workman, Dilip Kumar and he was trying to bite the workman, Shri Dilip Kumar. The statement of Kamla Kant (DW-1) and U. N. Singh (DW-2) are not reliable because the workmen have not made any report against the complainant, Shri Pande and that the medical evidence to show that the workman sustained injury was also not filed. No explanation is given by the workmen that why the workmen have not asked about their defence story in the cross-examination of any of the management witnesses and about the presence of defence witnesses, Kamla Kant and U. N. Singh at the place of the incident.

14. From the aforesaid discussions, it is clear that unblemished statement of the complainant, Shri S. N. Pande, are fully corroborated by the circumstantial evidence, the evidence of his injuries and the statement of MW-4. Learned Enquiry Officer and the learned Disciplinary Authority have rightly held that the charges of assault by both the workmen as fully established. Finding of the learned Enquiry Officer is hereby confirmed. Issue No. 3 is answered in favour of the management.

15. Issue No. 4—The workman, Surendra Bhakta and Dilip Kumar, Security Guards have committed serious misconduct by assaulting their Assistant Security Sub-Inspector at his residence. The assault by both the workmen was preplanned and their motive was to threaten and deprive his superior officer from discharging his duties. The contention of the learned counsel for the workman that the assault was not during office hours and has no relevance with the duties of the workmen and as such they do not amount to misconduct is against the facts and circumstances of the case. Security Guards of the management have beaten their superior officer in the vicinity of the 2195 GI/95—11

management with the oblique motive of threatening and humiliating the superior from discharging the duties. The loss of confidence of the management in such delinquents is natural and such misconduct needs exemplary punishment of dismissal which was rightly extended by the management. Issue No. 4 is answered in favour of the management.

16. Issue No. 5—Consequently, it is held that the management was justified in dismissing both the workmen, Surendra Bhakta and Dilip Kumar Singh from the service. Both the reference are answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.आ. 2583:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस सी सी एल के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-8-95 को प्राप्त हुआ था

[सं. एल-22012/66/92आई. आर. (सी.-II)]

[एल-22012/124/92 आई.आर. (सी.)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2583.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C.C. Ltd. and their workmen which was received by the Central Government on the 30-8-1995.

[No. L-22012/66/92-IR (C-II)]

[L-22012/124/92-IC (C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL  
AT HYDERABAD.

PRESENT :

Sri A. Hanumanthu, M.A., LL.B.,  
Industrial Tribunal-I.

Dated : 8th day of June, 1995.  
INDUSTRIAL DISPUTE NO. 30 OF 1992

BETWEEN :

The Vice President, S.C. Workers Union,  
(AITUC), P.O. Coal Chemical Complex,  
Dist. Adilabad (AP)-504 001. .. Petitioner

AND

The Project Manager,  
Coal Chemical Complex,  
M/s. S.C. Co. Ltd.,  
P.O. Coal Chemical Complex,  
Dist. Adilabad (AP)-504 001. .. Respondent



# INDUSTRIAL DISPUTE NO. 47 OF 1992 BETWEEN

The Vice President, S.C. Workers Union,  
(AITUC) P.O. Coal Chemical Complex,  
Nagpur, Dist. Adilabad (AP)-504001.

.. Petitioner

AND

The General Manager, M/s. S.C. Co. Ltd.,  
P.O. Srirampur, Dist. Adilabad. .. Respondent

## APPEARANCES :

Smt. N.K. Annapurna Devi, Advocate for the  
Petitioners.

M/s. K. Srinivasa Murthy & G. Sudha, Advoca-  
cate for the Respondents.

## COMMON AWARD :

In I. D. No. 30 of 1992 :

This is a reference made under Section 10(1)-(d) & (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as Act) by the Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-22012/66/92-IR(C.II), dated 9-6-1992 for adjudication of the dispute annexed in its schedule which reads as follows:—

“Whether the action of the management of M/s. SCC Ltd., Kothagadem in not stepping up the pay of S/Sri C.K.V. Raghavacharyulu, P. Satyalingam and K. Ganga Raju, Clerk-Gr. I to the level of Sri C.K. Gangadhar's pay who is junior to them as per I. I. No. 18 is legal and justified? If not, to what relief the workman are entitled to?”

The said reference has been registered as Industrial Dispute No. 30 of 1992 on the file of this Tribunal. After service of notices the parties have appeared before this Tribunal and they are being represented by their counsel.

2. On behalf of the claimants, a claim statement has been filed to the following effect. The Petitioners C.K.V. Raghavacharyulu, Satyalingam and K. Ganga Raju have been appointed as Clerks in the Respondent-Company in 1979. Sri Ch. Gangadhar and M. Ravinder Reddy were appointed as Clerks in the Respondent-Company in 1984. But the petitioners herein Ch. V. Raghavacharyulu and other two clerks are drawing less basic pay than Sri Ch. Gangadhar who is junior to them. The basic pay of the petitioners Senior Clerks as on 1-6-1984 in the category of Clerk Grade II was Rs. 858.00 and the basic pay of the junior clerk, Ch. Gangadhar is also Rs. 858.00. The Senior clerks were promoted to Grade I on 1-9-1985 whereas the junior clerk, were promoted to Grade

I on 1-9-1990. The basic pay of the Senior Clerks as on 1-6-1988 was Rs. 1,582.00 while that of the junior clerk was Rs. 1,542.00. The basic pay of Senior Clerk on 1-6-1989 was Rs. 1,642.00 while that of Junior Clerk was Rs. 1,600.00. The basic pay of Senior Clerk as on 1-6-1990 was Rs. 1,702.00 while that of the Junior Clerks was Rs. 1,658.00 and the basic pay of Senior Clerk as on 1-9-1990 was Rs. 1,702.00 while that of the Junior Clerk was Rs. 1,768.00. Thus while promoting Ch. Gangadhar to the Category of Clerk Grade I w.e.f. 1-9-1990 his basic pay was fixed at Rs. 1,768.00 which is more than the basic pay of the other senior clerks i.e. the petitioners herein. Therefore, an anomaly has arisen amongst the seniority list of persons. This has to be rectified as per the implementation Instruction No. 18 circulated by General Manager (Personnel), dated 24-1-1990. On verifications, the petitioners are entitled for the basic pay as that of Ch. Gangadhar w.e.f. 1-9-1990. The Petitioner made representations to the Assistant Commissioner of Labour and conciliation efforts were made but without any effect. Hence the Hon'ble Tribunal may be pleased to rectify the anomaly arisen between the Petitioners herein and the junior clerk Ch. Gangadhar and direct the Respondent to step-up the basic pay of the Petitioners with that of Ch. Gangadhar w.e.f. 1-9-1990.

3. On behalf of the Respondent-Management, a counter has been filed to the following effect. The Implementation Instruction No. 18 is confined only with anomaly that arose as a result of implementation of new pay scales of National Coal Wage Agreement-IV. The present case does not fall under that category. The present so called anomaly agitated by these petitioners has nothing to do with the implementation of the basic pay under National Coal Wage Agreement IV. The Petitioners Ch. Raghavacharyulu, K. Ranga Raju and Sri P. Satyalingam were appointed as Clerks Grade II on 22-3-1979, 27-3-1979 and 24. 3. 1979 respectively at Coal Chemical Complex. These petitioners cannot compare the case with Ch. Gangadhar, M. Ravinder Reddy and V. Venkateshwarlu. Their case is not identical with that of Sri Gangadhar and others. Gangadhar and others were originally appointed on daily rated category and subsequently promoted to Category-V and they were appointed as clerk Grade-II. Hence their previous wage has to be protected and accordingly it has been protected. Only to prejudice the case of the Management, the petitioners who are drawing basic pay of Rs. 1,702.00 from 1-3-1990 have chosen to state that they are drawing basic pay of Rs. 1,702.00 from 1-6-1990 which is not correct. The Basic pay for the petitioners herein is fixed on National Coal Wage Agreement-I. Whereas the basic fixed for Gangadhar and two others is based on National Coal Wage Agreement-II. The Petitioners are trying to compare with uncomparable

only on the ground that they are juniors to them. In the year 1990 the Petitioners raised a dispute that there was an anomaly in the basic pay fixation as well as increments and compared with one Sri Sudhakar alleging that he was drawing higher pay. The Management under bonafide impression that the dispute raised by the Petitioners was a bonafide one rectified the anomaly. Their case was considered and their date of increment was shifted from 1st September to 1st March w.e.f. 1-3-1987 to correct the anomaly in their basic pay fixation. Having received those benefits, the petitioners developed a modus operandi of comparing with every one and raising frivolous disputes. Thus once again they raised the present dispute stating that they can compare their case with Sri Gangadhar and others. It may be noticed those Clerks who are drawing Rs. 1,768.00 per month, were daily rated employees in higher category and they also earned increments in those categories. If an employee is promoted to a higher post, his pay has to be protected and the promotion benefit should be given to him. There is no procedure or rule in the Respondent-Company basing on seniority to protect the pay scale. The promotion channels to each post is from various levels and from various departments which resulted any daily rated workmen can sit for the selection test of clerks and get promotion. While promoting, previous basic pay and increments have to be taken into consideration and their earlier basic pay has to be protected in the promotion scale. Otherwise, the employees will not have any incentive to come for a promotional post. Promotions are not given on mere seniority. The Petitioners herein and Ch. Gangadhar and others were not appointed as Clerks on the same date or the year. The petitioners herein are treated as senior to Gangadhar and others and they will come first in the seniority list but that does not mean that their basic pay should be more than all others at the lower place in the seniority list. The basic pay of Gangadhar and others has been fixed taking into account their earlier basic pay in daily rated category. As such nobody can have any grievance against such basic fixation. There is no strict rule that seniors should get higher basic pay. Seniority in a grade or post is different from that of basic pay. Basic pay depends upon total length of service of an employee, number of promotions he got, change of posts etc. Hence there is no question of rectifying the so-called anomaly in this case. The question of stepping up the basic pay of these petitioners with effect from 1-9-1990 on par with Sri Gangadhar does not arise. There is no violation of fundamental rights or principles of natural justice in this case. The Petitioners with a view to have an unjust enrichment, this dispute has been raised by scheming out a plan. The petitioner by using their influence camouflaged the entire issue and projected the entire issue as if the Management has violated the rules and wrongly fixed their basic pay and deprived them of their basic

pay by comparing with juniors. If such demands from the same persons are entertained again and again, it will have a chain reaction and there will be industrial unrest in the establishment. There are no merits in the petitioners case. The petitioners are not entitled for any relief.

#### 4. Industrial Dispute No. 47 of 1992.

This is a reference made under Sections 10(1)-(d) & (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-22012/124/92-IR(C.II), dated 20-7-1992 for adjudication of the dispute annexed in its schedule which read as follows:—

“Whether the managements’ action in not stepping-up the pay of Sri D. S. Rao, Clerk Gr. I upto the level of Sri Ch. Gangadhar, Junior to him in violation of JBCCI Implementation Instructions No. 18 is legal and justified? If not, to what, relief the workman is entitled to?”

The said reference has been registered as Industrial Dispute No. 47 of 1992 on the file of this Tribunal. In pursuance of the notice issued to them, the petitioner and the Respondent have appeared in this Tribunal and they are defended by their counsel.

5. On behalf of the Petitioner, a claim statement has been filed with the allegations similar to the claim statement in I.D. No. 30 of 1992.

6. On behalf of the Respondent-Management, a counter has been filed with similar allegations as found in the counter in I.D. No. 30 of 1992.

7. As per the orders on the Joint Memo dt. 29-12-1994, both these industrial disputes are clubbed together and they are jointly enquired into and the evidence recorded in I.D. No. 30 of 1992 is being treated as evidence in I.D. No. 47 of 1992, and both are being disposed of a common award.

8. On behalf of the Petitioners, W.W. 1 has been examined and Ext. W1 to W5 are marked. Dhoolpala Sambasiva Rao claimant in I.D. No. 47 of 1992 got himself examined as W.W.1. He deposed to the averments in the claim statements. On behalf of the Management, M.W.1 is examined and Exs. M1 to M3 are marked. P. A. V. V. Sarma, Deputy Personnel Manager working in the Respondent-Company is examined as M.W.1 and he deposed to the averments in the counters. The details of the documents Exs. W1 to W5 and M1 to M3 are appended to this common Award.

9. The points for consideration are as follows :

- (1) Whether the action of the Management of the Respondent-Company in not stepping-up the pay of Ch. Raghavachayulu, P. Satyalinagam, K. Ganga

Raju, workmen in I.D. No. 30 of 1992 and D. S. Rao, workman in I.D. No. 47 to 1992 to the level of the basic pay of Ch. Gangadhar who is junior to them, is legal and justified ?

- (2) To what relief the said workmen are entitled ?

10. POINT 1:—The admitted facts as revealed from the evidence on record are as follows :—

The workmen P. Satyalingam and D. Ganga, Raju claimants in I.D. No. 30 of 1992 and the workman D.S. Rao in I.D. No. 47 of 1992 were appointed directly as Clerks Grade II on 24-3-1979 and 27-3-1979 respectively. While Ch. Gangadhar was originally appointed as Daily rated worker and subsequently he was promoted to Category V and thereafter as Clerk Grade II on 24-5-1984. The workman Ch. Raghavacharyulu, one of the claimant in I.D. No. 30 of 1992, was also originally appointed as Daily rated worker on 24-5-1975 and subsequently he was promoted and appointed as Clerk Grade II on 22-3-1979. The claimants under these references were promoted as Clerks Grade I w.e.f. 1-9-1985 while Gangadhar was promoted as Clerk Grade I w.e.f. 1-9-1990. Therefore the said Gangadhar is junior to the claimants under these references in the category of Clerk Grade II and also Clerk Grade I.

11. It is also not disputed that the claimants under these reference (ho are being referred to as Senior Clerks for the sake of convenience) and the workman Gangadhar (who is referred to as Junior Clerk for the sake of convenience) have been drawing their basic pay with effect from 1-6-1984 as follows :—

Basic Pay as on	Claimants under these references/ Senior Clerks	Ch. Gangadhar, junior Clerk.
1-6-1984	Rs. 858.00	Rs. 858.00
1-6-1988	Rs. 1582.00	Rs. 1542.00
1-6-1989	Rs. 1642.00	Rs. 1600.00
1-6-1990	Rs. 1702.00	Rs. 1658.00
1-6-1990	Rs. 1702.00	Rs. 1768.00

It is pleaded in the counter filed on behalf of the Respondent-Management that senior clerks have been drawing basic pay of Rs. 1702.00 w.e.f. 1-3-1990 and that they have falsely stated in

their claim statement that they have been drawing basic pay of Rs. 1702.00 from 1-6-1990 just to cause prejudice to the case of the management. The Respondent-Management have not disputed the other basic particulars of the senior clerks and junior clerk as mentioned above.

12. Under these two reference, four senior-clerks are claiming that they are entitled for stepping up their basic pay to the level of the basic pay of their junior Ch. Gangadhar w.e.f. 1-9-1990 on the ground that till 1-9-1990 the basic pay of junior clerk Ch. Gangadhar was far less than their basic pay, but when Gangadhar was promoted as Clerk Grade I w.e.f. 1-9-1990 his basic pay was fixed at Rs. 1768.00 whereas the basic pay of the senior clerks continued to be at Rs. 1702.00 and thus there is an anomaly and the same has to be rectified under Implementation Instructions No. 18. It is the case of the Respondent-Management that the Junior clerk Ch. Gangadhar was originally appointed as daily rated worker, subsequently he was promoted to Category V worker and later on he was promoted as Clerk Grade II and while he was promoted as Clerk Grade II his basic pay was fixed considering his last drawn pay as daily rated category V workers and giving promotional benefits and therefore the difference in basic pay is bound to occur and the claimants though senior to Gangadhar are not entitled for stepping-up of basic pay on par with their junior Gangadhar. It is no doubt true that the three senior clerks namely P. Satyalingam and Ganga Raju and D.S. Rao were directly recruited as Clerk Grade II in 1979. But the senior Clerk Ch. Raghavacharyulu was also promoted from daily rated worker and appointed as Clerk Grade II in March 1979. The junior clerk Gangadhar was from the Category of daily rated worker and he was promoted and appointed as Clerk Grade II in 1984. In view of their different channels of promotion their pay has to be protected at the time of their promotion. The daily rated workers who are promoted and appointed as Clerk Grade II have naturally to be protected in their respective basic pay which they were getting at the time of their promotion and they are also entitled for promotional benefits, as otherwise, there will be no incentive for promotion to the higher post. But in the instant case for the reasons best known to the Respondent-Management the wage particulars of the junior worker Gangadhar at the time of his promotion and posting as Clerk Grade II in 1984 are not produced. The management also failed to produce the basic salary particulars of junior clerk Gangadhar at the time of his promotion as Clerk Grade I in 1990 have also produced. Further as earlier stated, the Respondent-Management has not disputed the figures relating to their basic pay as gained by the senior and junior clerks from time to time as detailed in

the claim statement filed on behalf of the claimants herein. As seen from these basic salary particulars as Grade II Clerks, both the senior clerks as well as junior clerk Gangadhar were getting the same basic salary of Rs. 858.00 as on 1-6-1984. On 1-6-1988 while his seniors were getting basic pay of Rs. 1582.00 the junior clerk was getting Rs. 1542.00 only. As on 1-6-1988 the seniors were drawing basic pay of Rs. 1642.00 while the junior clerk was drawing basic pay of Rs. 1600.00 only. As on 1-6-1990 the seniors were drawing basic pay of Rs. 1702.00 while the junior was drawing Rs. 1658.00 and as on 1-9-1990 the seniors were drawing basic pay of Rs. 1702.00 while he juniors were drawing Rs. 1768.00. It is clear from this the junior clerk Ch. Gangadhar while he was promoted and appointed as Clerk Grade II his basic pay was fixed at Rs. 858.00 and the basic pay of senior clerks was also the same by that date. Thus even at the time of his promotion as Clerk Grade II the junior clerk Ch. Gangadhar was fixed at the same basic pay as that of the senior clerks and he was not getting more than the basic pay of the senior clerks. Admittedly the senior clerks got their Promotions as Clerk Grade I w.e.f. 1-9-1985 and therefore they were drawing basic pay of Rs. 1582.00 as on 1-6-1988 while the basic pay of the junior clerk Gangadhar was at Rs. 1542.00, as he continued to be as Clerk Grade II only by then. Further till 31-8-1990 the basic pay of senior clerks Gr. I was more than the junior clerk Gangadhar. Admittedly, the Junior clerk Gangadhar was promoted as Clerk Gr. I w.e.f. 1-9-1990 and his basic pay was fixed at Rs. 1768.00 while the senior clerks were getting basic pay of Rs. 1702.00 as on 1-9-1990. Obviously no explanation is forthcoming from the Respondent-Management for fixing the basic pay of the junior clerk Gangadhar at higher stage than the senior clerks w.e.f. 1-9-1990. Till he was promoted to Grade I Clerk, Gangadhar was getting less basic pay than his senior clerks. There is no justification for fixing his basic pay at higher than his senior colleagues when he was promoted to Grade I Clerk from 1-9-1990. The Deputy Personnel Manager of the Respondent-Company examined as M.W.1 has not come up with any specific explanation for this anomaly in fixing the basic pay of the seniors and the junior clerks. He simply deposed with regard to the general practice of fixing the basic pay while promoting daily rated worker as clerk giving protection of the wages he was getting as workman and also giving promotional benefits. MW1 did not speak about the actual wage which the junior clerk was getting as worker at the time of his promotion as Clerk Grade II. On the other hand, as earlier stated, his basic pay was fixed on par with that the seniors at the time of his appointment as Clerk Grade II w.e.f. 1-6-1984 Rs. 858.00. Hence the senior clerks are entitled for rectifying the anomaly with regard to their basic pay when compared with their junior Ch. Gangadhar w.e.f. 1-9-1990. As

seen from Exs. W1 the representation made to the Assistant Commissioner of Labour Mancherial for rectifying of these anomalies and the Assistant Commissioner of Labour made efforts for conciliation of the dispute and conciliation meeting was held on 26-12-1991 and that dispute could not be settled in the said meeting. Ex. W2 is the minutes of conciliation held on 5-2-92. Ex. W3 is the copy of the minutes of the conciliation proceedings held on 26-12-1991. There is no substance in the plea raised by the Respondent-Management that the senior clerks cannot compare themselves with the junior clerk Gangadhar. Both are in the category of clerks. It is not dispute that the claimants herein are seniors to Gangadhar in the category of clerks. The action of the Respondent-Management in not rectifying the anomaly is highly discriminatory. The claimants under these references are entitled for stopping up of their basic pay with that of the basic pay of the junior Gangadhar w.e.f. 1-9-1990.

13. In the light of my above discussion, I hold on point 1 that the action of the Management Respondent-Company in not stepping-up the basic pay of Ch. Raghavacharyulu, P. Satyalingham and K. Ganga Raju, claimants in I.D. No. 30 of 1992 and D.S. Rao claimant in I.D. No. 47 of 1992 to the level of their junior Ch. Gangadhar's basic pay is not legal and not justified. The point is thus decided in favour of the petitioners and against the Respondent-Management.

14. Point 2 :—This point relates to the relief granted to the workman under these reference. In view of my finding on Point 1, the workmen Ch. Raghavacharyulu, P. Satyalinga and K. Ganga Raju claimants in I.D. No. 30/92 and D.S. Rao claimant in I.D. No. 47/92 are entitled for stepping up of their basic pay as Clerks Grade I to the level of the basic pay of their junior Ch. Gangadhar w.e.f. 1-9-1990. The Respondent-Management is directed to pay the arrears within three months from the date of the publication of this common costs.

15. In the result, Award is passed stating that the action of the Respondent-Management in not stepping up the basic pay of Ch. Raghavacharyulu, P. Satyalingham and K. Ganga Raju claimants in I.D. No. 30 of 1992 and D.S. Rao claimant in I.D. No. 47 of 1992 Clerks Grade I, to the level of the basic pay Ch. Gangadhar who is junior to them, is illegal and not justified and that the said claimants are entitled for stepping up of their basic pay to the level of their junior Ch. Gangadhar w.e.f. 1-9-1990 and that the Respondent-Management is directed to pay the arrears to the claimants within three months from the date of publication of this common award. The reference is thus answered accordingly. The parties are directed to bear their costs.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the

seal of this Tribunal, this the 8th day of June, 1995.

**A. HANUMANTHU, Industrial Tribunal-I**  
**Appendix of Evidence**

witnesses Examined  
for Petitioner :

W.W.1 Dhoolpala Sambasiva Rao

Witnesses Examined for  
Respondent :

M.W.1 P.V.V. Sarma.

Documents marked for the Petitioner :

Ex. W1 14-1-92—Representation given to  
Asst. Labour Commissioner.

Ex. W2 5-2-92.—Minutes of conciliation held  
with regard to D.S.Rao, Clerk.

Ex. W3 26-12-91.—Minutes of conciliation  
proceedings with regard to Raghavachar-  
yulu and others.

Ex. W4 28-12-91.—Bipartite Committee cir-  
cular.

Ex. W5 1-12-91.—Circular No. 30/91.

Documents marked for the Respondent :

Ex. M1.—Extract N.C.W.A.IV.

Ex. M2.—Xerox copy of implementation Inst-  
ruction No. 18.

Ex. M3.—16-7-89 Representation of Sri Ch.  
V.Raghavacharyulu for rectification of  
pay anomaly.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.आ. 2584—औद्योगिक विवाद अधिनियम,  
1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में,  
केन्द्रीय सरकार एस सी सी एल के प्रबन्धन के संबंध  
नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में  
निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण,  
हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय  
सरकार को 30/8/95 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन.-22012/163/91 आई आर (सी-II)]

[सं. एन.-22012/166/91 आई आर (सी-II)]

[सं. एन.-22012/167/91 आई आर (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2584.—In pursuance of Section 17 of the Industrial  
Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government  
hereby publishes to award of the Industrial Tribunal  
Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dis-  
pute between the employers in relation to the management  
of S.C.C. Ltd., and their workmen, which was received by  
the Central Government on the 30-8-95.

[No. L-22012/163/91-IR-CII]

[No. L-22012/166/91-IR-CII]

[No. L-22012/167/91-IR-CII]

RAJA LAL, Desk Officer

**ANNEXURE**

**BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT  
HYDERABAD**

**PRESENT :**

Sri A. Hanumanthu, M.A., LL.B., Industrial Tribunal-I.  
Dated, 7th day of June, 1995

Industrial Dispute Nos. 21, 22 and 23 of 1991

**BETWEEN :**

The Chief Vice President,  
S. C. Workers Union (AITUC),  
P.O. Bellampalli,  
Dist. Adilabad.

.. Petitioner

**AND**

The General Manager,  
M/s. S.C. Co. Limited,  
P.O. Mandamarri,  
Dist. Adilabad.

.. Respondent.

**APPEARANCES :**

Sri B. Ganga Ram, Representative—for the Petitioners.  
M/s K. Srinivasa Murthy & G. Sudha, M. Anantha Sen  
and Suresh, Advocates—for Respondent.

**COMMON AWARD**

In I.D. No. 21 of 1991

This is a reference made under Sections 10(1)(d) & (2A)  
of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred as  
Act) by the Government of India, Ministry of Labour, by  
its Order No. L-22012/163/91-IR(C.II) dt. 27-6-1991 for  
adjudication of the dispute annexed in its schedule which  
reads as follows :—

"Whether the action of the management of M/s. S.C.  
Co. Ltd. Mandamarri in denying promotion to S/Sri  
K. Shyam Sunder and K. Dakshina Murthy, L. R.  
Staff from Cat. III to Cat. V on completion of  
5 years service on par with the workmen of I.D.  
No. 42/85 is justified? If not, to what relief the  
workmen are entitled to?"

The said reference has been registered as Industrial Dispute  
No. 21 of 1991 on the file of this Tribunal. After service  
of notice, parties have appeared before this Tribunal and  
they are being represented by their counsel.

2. On behalf of the Petitioner, a claim statement has been  
filed to the following effect. The workmen under this re-  
ference are K. Shyam Sunder and K. Dakshina Murthy.  
They have been working as Charger Safety Lamp (Category  
III) w.e.f. 1-1-1972 and 1-7-1977 respectively in Somagundam  
I Incline, and as a Lamp Room Attenders Category IV  
w.e.f. 1-1-1979 and 1-3-1981 respectively. These two work-  
men are senior most of all the Lamp Room Staff working in  
Coal areas of coal belt in Adilabad District. In an earlier  
case i.e. I.D. No. 42 of 1985 on the file of this Tribunal an  
Award has been passed stating that the Management of  
the Respondent—Company is not justified in denying promo-  
tion to Category V to Sri R. Venkateshwar Rao and others  
who were Charger Safety Lamp Category III w.e.f. 1-3-1983  
and that they are entitled for the benefits of Category V as  
Lamp Room Fitter with all other attendant benefits from  
1-3-1983. The Respondent—Management has implemented  
the said Award and promoted A. Venkateshwar Rao and  
others who have worked for five years as Charger Safety  
Lamp Cat. III to Category V w.e.f. 1-3-1983 and all arrears  
have been paid to them. During the year 1983 the Res-  
pondent—Management promoted 24 workmen belonging to  
Category III and Category IV to Category V as Lamp Room  
Fitters w.e.f. 1-6-1983 and they belonged to four areas of  
Bellampalli, Mandamarri, Ramakrishnapur and Srirampur.  
The said 24 workmen are juniors to the workmen under  
this reference. In Srirampur area five workmen of Lamp  
Room Staff namely S. Sunder Raju, G. Yadagiri, B. Laxmi-  
narayana, M. Laxminarayana and M. Paparao who are  
juniors to these workmen were given promotion to Category  
V. The General Manager of Mandamarri Area of the Res-  
pondent by his letter dt. 8-9-1990 had called the work-  
men under this reference and 20 other to attend the test  
for promotion to Cat. V but all of them refused and boycotted  
the test demanding their promotion as per the seniority and  
that on par with the workmen in I.D. No. 42 of 1985.

Some workmen were given promotions three times within a period of seven months. The Management is not willing to promote the workmen under this reference as Lamp Room Fitters (Category V) with retrospective effect i.e. from the date of completion of five years service in Category III. The Management has shown discrimination against these workmen. Many juniors to these workmen have been promoted to Category V. The Management is violating the principle of equal pay for equal work and the workmen under this reference are entitled for promotion to Category V from the date of their completion of five years service in Category III on par with the workmen in I.D. No. 42 of 1985.

3. On behalf of the Respondent-Management, a counter has been filed to the following effect. Industrial Dispute No. 42 of 1985 was disposed off ex parte and this reference based on the Award in I.D. No. 42/85 is not maintainable. The Respondent Company is a Public Sector undertaking carrying on mining operations in Karimnagar, Khammam, Adilabad and Warangal districts. The Company is governed by the National Coal Wage Agreement. Initially the Singareni Colliery was divided Regionwise for the purpose of administration and later on it was divided on Area-wise. As on today on Area-wise, the company is administered by 19 areas headed by General Managers. When the Regionwise policy was introduced the employees who were more attached to their native places and working for a long time in one area were not willing to leave their places and join at the place of posting on promotion to carry out the work and it resulted in certain areas, juniors getting promotions where there were no seniors and in some areas seniors could not get promotions because of their disinclination to go to other places on promotion. Some of the categories of the workmen and the Unions have requested to follow Area-wise seniority for the purpose of promotions and therefore the Company was constrained to change the Regionwise promotion to areawise promotion policy. As per the Area-wise promotion policy, basing upon available vacancies merit and need and to maintain industrial relation, promotions are effected from time to time issuing circulars. At no point time the then existing rules were violated by the management.

The Singareni Collieries Company Engineering Workers Union suppressing the true facts, obtained an ex parte award in I.D. No. 42 of 1985. The entries Singareni Collieries Company Coal belt area was declared by the Government of Andhra Pradesh as disturbed area and it is totally a Naxalite infested area and Singareni Karmika Samakhya (SIKASA) Union took over the regions of administration by terrorist activities. Recruitments, promotions and transfers were done by the managerial staff, including the General Managers, as per their dictated terms to keep safety of men and machinery. At no point of time there was any promotion policy to give promotions to the employees who are in Category III directly to Category V skipping over Category IV. The petitioners are seeking an automatic promotion from Category III to Category V in Lamp Room Personnel who have completed five years of service giving jump to Category V as if Category IV is not there. This will affect not only the Lamp Room personnel but all other cadres of workmen in all Areas. In various works and it will have serious repercussion in the promotion policy of the Respondent Company. This will also create heavy financial burden on the Company which is already running in loss.

The Respondent Company issued a Circular dt. 5-5-1979 for Lamp Room Staff. Under Item 5 of the said Circular, Charger Safety Lamp Category III who have put in five years in that category as on 1-1-1979 will be placed in Category IV from 1-1-1979 and they will attend to repairs and maintenance of safety lamps in addition to their normal work as Charger Safety Lamp. This facility was given to charger safety lamp in Cat. III as there was stagnation in promotion and the Unions have made demands for promotion with regard to the Lamp Room Staff in various categories. Thus all Category III people who have completed five years service were automatically promoted to Category IV by virtue of this Circular. There was no promotion policy to promote any one directly from Category III to Category V. As per the Company promotion policy, Category V post is not an automatic promotion post nor it is a post of up-gradation from lower to higher category. It is purely a post given on merits to eligible persons. After identifying the vacancies, the fitable candidates will be called for at the rate of 1:3 ratio, for trade test and selection will be made on merits. Hence the employees who were working in

Category IV in Lamp Room have no right to make a demand for promotion to Cat. V automatically. Basing upon this Circular dt. 5-5-1979 the workman Shyam Sunder and K. Dakshina Murthy were promoted to Category IV w.e.f. 1-1-1979 and 1-3-1981 respectively. The allegation that these two workmen are the seniormost of all the Lamp Room staff of Coal area of coal belt in Adilabad District is incorrect. The Respondent Management did not file its counter and contest the matter in I.D. No. 42/85 due to the then existing circumstances. The Award in I.D. No. 42 of 1985 cannot be made applicable to the workmen under this reference. It is not binding on the Management to promote all people in Cat. III directly to Cat. V on completion of five years service. There is no promotion policy which abolishes intermediate category and gives promotion to the next higher category. Because of the terrorist activities no choice was left to the Management but to implement the Award passed in I.D. No. 42 of 1985 keeping in view the safety of men and machinery. Simply because the Award in I.D. No. 42/85 was implemented, it does not mean a vested right is created to raise demand seeking replacement of all the workers. In 1983 all the Unions including the Petitioners Union made a representation to the Respondent-Management to identify and fill up the vacancies of Lamp Room Fitters Cat. V and the Management identified 24 vacancies. With the concurrence of the Union only it evolved a scheme of calling the Lamp Room personnel for trade test in 1 : 3 ratio so as to give fair opportunity to all the employees in Category IV. During that period in Cat. IV there were no sufficient number of people in the Region to fulfil the criteria of 1 : 3 ratio. The Union once again requested the Management to call the seniormost personnel in Cat. III also to sit for the trade test and whoever is successful they are promoted. The Company agreed for the said suggestion of the Union and it has filled up 24 vacancies by calling the candidates in 1 : 3 ratio and all the 19 category IV personnel and Category III personnel were called for the test. In that batch the workmen under reference namely Shyam Sunder and Dakshina Murthy were also called for trade test while they were in Cat. IV. In that test 8 candidates in Cat. IV and 16 candidates in Cat. III got selected in order of merits. Shyam Sunder and Dakshina Murthy workmen under this reference, were not successful and they are at S. No. 60 and 62 in the merit list. Hence they cannot have any claim for promotion basing on 1983 selection. The Petitioner Union is seeking in this reference that these two workmen though failed in trade test held in 1983, they would be given promotion to Cat. V which is unjust. This will create anomaly in promotion policy of the Company. The Union have not challenged the 1983 promotions in the year 1990 when vacancies for Cat. V were identified. The Management called for trade test but SIKASA Union which was practically controlling and administering the entire region made a protest not to conduct the trade test and the entire administration has to be done according to their dictated terms. The persons whose names were suggested by that Union were promoted. So the said promotions were not done in the normal course of administration at all. The petitioners cannot make the Respondent to perpetuate the mistakes nor can cite it as example about 1990 promotions. Infact no trade test was conducted in 1990. The promotions in Sirampur given to five workmen were also given at the instance of SIKASA Union and they were not regular promotions. On 4-5-1988 the settlement was entered under Section 12(3) of the I.D. Act between the employees and the management and it is binding on the petitioner Union also. The Management has to strike a balance between the SIKASA terrorist activities and the demands of other Unions, which resulted the names mentioned in para 7 of the claim statement. Hence the allegation that in seven months period three promotions were given cannot be taken as a policy matter. The Management justified in not giving the promotion to workmen Shyam Sunder and Kakshina Murthy as they have failed in trade test. The question of promoting them with retrospective effect after completion of their five years service in Cat. III does not arise, and on the date of raising the dispute they are in Cat. IV. No discriminatory attitude was adopted by the Management. The workman under this reference are not entitled for any relief.

4. In I.D. No. 22 of 1991.

This is a reference made under Sections 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the Act) by the Government of India, Ministry of Labour,

by its Order No. L-22012/166/91-IR(C.II), dated 27-6-1991 for adjudication of the industrial dispute annexed in its Schedule which read as follows :—

"Whether the action of the management of M/s. S.C. Co. Ltd., Mandamarri in denying promotion to S/Sri G. Rajanna and D. R. Krishna, L. R. Staff from Cat. III to Cat. V on completion of 5 years of service on par with the workmen of I.D. No. 42/85 is justified? If not to what relief the workmen are entitled to?"

The said reference has been registered as Industrial Dispute No. 22 of 1991 on the file of this Tribunal. After service of notice, parties have appeared before this Tribunal and they are being represented by their counsel.

5. On behalf of the Petitioner, claim statement has been filed. The allegations made in this claim statement are similar to the allegations in the claim statement filed in I.D. No. 21 of 1991.

6. On behalf of the Respondent-Management, counter also has been filed with the allegations similar to the counter in I.D. No. 21 of 1991.

7. In I.D. No. 23 of 1991 :—

This is a reference made under Sections 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-22012/167/91-IR(C.II), dated 27-6-1991 for adjudication of the Industrial Dispute annexed in its schedule which reads as follows :—

"Whether the action of the management of M/s. S.C. Co. Ltd., Mandamarri, in denying promotion to S/Sri G. Chandralah and A. P. Raju, L.R. Staff from Cat. III to Cat. V on completion of 5 years on par with the workman of I.D. No. 42/85 is justified? If not, to what relief the workmen are entitled to?"

The said reference has been registered as Industrial Dispute No. 23 of 1991 on the file of this Tribunal. After service of notice, parties have appeared before this Tribunal and they are being represented by their counsel.

8. On behalf of the Petitioner, claim statement has been filed. The allegations made in this claim statement are similar to the claim statement filed in I.D. No. 21 of 1991.

9. On behalf of the Respondent Management, counter also has been filed with the allegations similar to the counter in I.D. No. 21 of 1991.

10. The issues involved in all the three references are similar. Hence as per the order in I.A. No. 20/94 dated 27-1-94 all the three references i.e. I.D. No. 21 of 1991, 22 of 1991 and 23 of 1991 are being enquired jointly and the evidence recorded in I.D. No. 21 of 1991 is being treated as evidence in I.D. No. 22 and I.D. No. 23 of 1991 and a common award is being passed.

11. On behalf of the Petitioners, W.W.1 is examined and Exs. W1 to W15 are marked. On behalf of the Management, M.W.1 is examined and Exs. M1 to M5 are marked. K. Shyam Sunder one of the workmen concerned in I.D. No. 21 of 1991 got examined himself as W.W.1 and he deposed to the averments in the claim statement. J. Lakshminarayana working as Deputy Personnel Manager in the Respondent Company is examined as M.W.1 and he deposed to the averments in the counter. The details of the documents marked on behalf of the Petitioners and the Management are appended to this common Award.

12. The points that arise for consideration are :

- (1) Whether the action of the Management of Respondent Company in denying promotion to K. Shyam Sunder, K. Dakshina Murthy, G. Chandralah, G. Rajana, D. R. Krishna, G. Chandralah and A. P. Raju, workmen under these three references working as Lamp Room Staff Category III to Category V on completion of their five years service on par with the workmen in I.D. No. 42 of 1985 is justified?
- (2) To what relief the workmen under these references are entitled?

13. POINT (1).—The admitted facts, as revealed from the evidence on record, are as follows :—The workmen Sri K. Shyam Sunder and Sri K. Dakshina Murthy are the workmen in I.D. No. 21/91; Sri G. Rajanna and D. R. Krishna are the workmen in I.D. No. 22/91 and Sri G. Chandralah and A. P. Raju are the workmen concerned in I.D. No. 23/21. The workman D. R. Krishna died subsequent to the making of this reference to this Tribunal. These workmen have been working as Lamp Room Staff in the Respondent-Company. The said staff consist of three categories i.e. Category III Charge Safety Lamp; Category IV Lamp Room Attender and Category V Lamp Room Fitter. The nature of work of Lamp Room Staff is to issue electrical lamps daily to all the workers working in the Mine before they go underground after collecting token from each worker. Those electrical lamps are essential for each and every worker working in the underground mine. After the end of the shift, each worker returns the lamp in the Lamp Room and takes back his token. The returned lamps are being checked, repaired and charged. The Charger Safety Lamp Category III attends to the duty of charging the lamps and Lamp Room Attender Category IV and Lamp Room Fitter Category V attends to the repairs and maintenance of the lamps, to keep the lamp in order with the help of the Lamp Room Mazdoors Category I. The workman K. Shyam Sunder (W.W.1) was promoted as Charger Safety Lamp Category III on 1-1-1973 and he was promoted to Lamp Room Attender Category IV on 1-3-1979. The workman K. Dakshina Murthy was promoted as Charger Safety Lamp on 1-2-1977 and he was promoted as Lamp Room Attender Category IV on 1-3-1981. The workmen G. Chandralah, Pallam Raju and Gundeti Rajam were promoted as Charge Safety Lamp Category III on 1-3-83 and subsequently they were promoted to Lamp Room Attender Category IV on 1-3-1988.

14. The workmen A. Venkateshwar Rao, M. Ramalah, R. Prabhakar, P. Madhavarao, J. Packeer, M. V. Satyanarayana and M. Nageshwar Rao worked as Charger Safety Lamp Category III in the Respondent-Company and they raised a dispute with regard to denial of their promotion to Category V as Lamp Room Fitter and a reference was made to this Tribunal in I.D. No. 42 of 1985, to the effect whether the Management of the Respondent Company was justified in denying promotion to the said workmen from Category III to Category V as Lamp Room Fitters. An Award was passed in that I.D. No. 42/85 on 10-3-1987 allowing the claim of the workmen. This Tribunal has categorically held in that Award that the Respondent Company is not justified in denying promotion to Category V to the said workmen who were working as Charger Safety Lamp Category III w.e.f. 1-3-1983 and that the said workmen are entitled to the benefits of Category V with all other attendant benefits from 1-3-1983. It is also admitted that it is an ex-parte award. The Respondent-Management did not choose to contest the claim of the said workmen. As the Respondent Management failed to file its counter and rebut the evidence adduced on behalf of the claimants in I.D. No. 42/85, this Tribunal passed the said Award. The Respondent-Management did not prefer an Appeal to the Hon'ble High Court against the Award in I.D. No. 42/85. Hence the Award in I.D. 42/85 has become final between the parties. It is also admitted that the Respondent-Management implemented the directions in that Award by giving promotion to Category V to all those workmen and also gave the attendant benefits w.e.f. 1-3-1983. Subsequent to the Award passed in I.D. No. 42/85, the workmen under these three references submitted letters to the Assistant Labour Commissioner (Central), Manchaerial demanding promotion to Category V w.e.f. the date they have completed five years of service in Category III on par with the workmen in I.D. No. 42 of 1985. Exs. W2, W3 and W4 are the copies of the letters submitted by these workmen. The Assistant Labour Commissioner, Manchaerial held conciliation meeting between the Management and the workers to resolve the dispute. But the said conciliation meeting ended in failure and the Assistant Labour Commissioner submitted his failure report. Ex. W5 is the minutes of the said conciliation proceedings held on 26-2-1991. On receipt of the failure report submitted by the Assistant Labour Commissioner, the Government of India through the Ministry of Labour, made these references for adjudication of the dispute with regard to the promotion of these workmen from Category III to Category V.

15. The claim of the workmen under these references is that they have been working as Charger Safety Lamps Cat. III for more than five years and they should be promoted as Lamp Room Fitter Category V on par with the workers



promoted under the Award in I.D. No. 42/85 (Ex. W1). It is also their case that the post of Lamp Room Attender Category IV has been abolished since 1978. In other words, these claimants are seeking automatic promotion from Category III to Category V on completion of five years service in Category III on par with the workers in I.D. No. 42/85. The learned counsel for the Respondent submits that the post of Lamp Room Attender Category IV is very much in existence and it was never abolished at any time, that the post of Category V Lamp Room Fitter is a selection post and it will be recruited after conducting a written test, and oral interview and that the claimants in I.D. No. 21/91 appeared for the test held in 1983 and they could not succeed in that test and having failed in the test, they are claiming automatic promotion on par with the workers in I.D. No. 42/85. The learned counsel for the Respondent further submits that the claimants under these references are not entitled for promotion on par with the workers in I.D. No. 42/85.

16. Admittedly there is nothing on record to show that Category IV Lamp Room Attender post has been abolished by the Respondent-Management. It is no doubt true that there is a mention in the Award (Ex. W1) that the post of Category IV was abolished w.e.f. 1979. Admittedly the Award in I.D. No. 42/85 is an ex-parte Award. For the reasons mentioned in the counter it appears, that the Respondent-Management did not file its counter or contest I.D. No. 42/85. In the absence of rebuttal evidence, it has been observed in the Award (Ex. W1) that the post of Category IV was abolished w.e.f. 1979. In the present case, it is in the evidence of M.W.1 the Deputy Personnel Manager working in the Respondent Company that the post of Lamp Room Attender Category IV is not abolished and that it is very much in existence. The Circular Ex. M2 dated 5-5-1979 also corroborate the statement of M.W.1 with regard to the existence of the post of Lamp Room Attender Category IV. Under Para 4 of the Circular Ex. M2, the Lamp Room Attenders working in Category IV w.e.f. 1st January, 1979 will be deployed in the Lamp Room Attender in Category V in any of the Lamp Rooms in the Area. Under Para 5 of Ex. M2, the Charger Safety Lamp Category III who have put in five years of service in that category as on 1-1-1979 will be placed in Category IV from 1-1-1979 and they attend to repairs and maintenance of Safety Lamps in addition to their normal work as Charger Safety Lamps. It is only by virtue of this Circular, all the Charger Safety Lamps Category III working as such on 1-1-1979 were promoted to Lamp Room Attender Category IV w. e. f. 1-1-1979. Therefore, it is explicit from this Circular that the post of Lamp Room Attender is very much in existence and that it was never abolished. Hence there is no force in the contention of the Learned Counsel for the Petitioners that the post of Lamp Room Attender was abolished in the year 1979 itself.

17. There is also no justification for the demand of the workers under these references that they should be given promotion from Category III to Category V by virtue of their seniority on par with the workmen in I. D. No. 42/85. As earlier state, I. D. No. 42/85 relates to eight workmen and they demanded promotion from Category III to Category V. Under peculiar circumstances the Management did not contest that matter and an Award was passed unholding the claim of those workmen and they were promoted to Category V w. e. f. 1-3-1983. Ex. W9 is the order promoting three workmen to Category V as per the Award (Ex. W1). It is categorically observed by this Tribunal that the workmen under the reference in I. D. 42/85 had passed the qualifying test for promotion to Category V and therefore the said workmen were given promotion to Category V w. e. f. 1-3-1983. In the instant case, there is nothing on record to show that these workmen had passed the qualifying test for promotion to Category V though they might have completed five years of service in the post of Category III. Further the Award in I. D. No. 42/85 is for the benefit of the workmen in that reference only. It does not specifically say that all the workmen who have completed five years of service in Cat. III should automatically be given promotion to Category V. The workmen under these references are not entitled for promotion to Category V on par with the workmen in I. D. No. 42/85.

18. It is contended by the learned counsel for the Petitioners that the juniors of these workmen have been promoted to Category V ignoring their seniority and as such it is an

unfair labour practice. It is further contended that under Ex. W7, 24 persons have been promoted as Lamp Room Fitters Category V w. e. f. 1-6-1983 and all those people were working as Charger Safety Lamp Category III w. e. f. 1-3-1980 only and that they have been promoted to Category V after putting only three years 3 months service, as Charger Safety Lamp Category III. It is also contended that under Ex. W8 four Charger Safety Lamp Category III workmen were promoted to Category V w. e. f. 1-11-1983 and those four workmen were promoted as Charger Safety Lamp Category III w. e. f. 1-3-1980 and these four persons were promoted to Cat. V after 3 years 8 months service in Category III. It is also contended that under Ex. W10 8 workmen working as Charger Safety Lamp Category III were promoted to Category V w. e. f. 1-3-1980, though they have not put in 5 years of service as Charger Safety Lamp Category III. In his cross examination W. W1 has categorically stated that the promotions under Exs. W7, W8 and W10 were effected by virtue of Selection after test. He stated thus "It is true that the persons mentioned in Exs. W7, W8 and W10 have got promotion by virtue of selection after test." Further there is ample evidence on record to show that the workmen Shyam Sunder, Dakshina Murthy, P. R. Krishna appeared for the test held in 1983 for the promotion post of Category V. But they could not get selected as they did not secure qualifying marks in the test. Ex. W7 relates to Selection of 24 workers for promotion to the post of Category V in the test held in 1980 W.W1 admits in his cross examination with regard to their appearance in the test and they failed to secure the qualifying marks in that test. W.W-1 stated thus "It is true that the Lamp room Fitter post is selection post and one has to appear and pass the test. .... It is true that myself and Dakshina Murthy sat for trade test in the year 1983. I do not remember whether in the merit list we are at Sl. Numbers 60 and 62 in the 1983 selection. It is true that we are unsuccessful candidates we were not given promotion. .... It is true that in 1983, 24 vacancies were identified and a trade test was called in 1 : 3 ratio. It is true that 19 category IV persons and 53 Category III persons were called for test. It is true and after conducting over all test in Singapore 8 candidates from Category IV and 16 candidates from Category III got selected and promoted to Category V. It is true that for this examination we attended and we have been unsuccessful candidates. Hence we could not get the post. According to me no test was conducted subsequent to 1983."

19. MW-1 with regard to the holding of test for promotion to the post of Category V in 1983, stated thus "During the year 1983 24 Lamp Room Fitter were identified and for filling up the same test was conducted. Since 1:3 ratio is to be maintained, 72 candidates were called and they were only 19 Lamp room attendants in the region and all of them have been called for the test. The 53 Charger Safety Lamps as per seniority were also called to the test to maintain the proportion. The test was conducted and 24 persons from amongst them were selected. The minutes of the committee constituted for the purpose and the selection list as per merit are filed into Court. Ex. M3 is the copy of the resolution. Ex. M-4 is the merit list. .... Out of the 6 employees present in 3 I.Ds, three employees namely G. Chandraiah, A. P. Raju and Rajanna were not working as Charger Safety Lamp as on the date of test and as such they could not participate in the test. The other 3 namely Shyam Sunder, Dakshinamurthy and D. R. Krishna Reddy have not come in the merit list above serial No. 24 and as such it cannot be said that juniors were promoted". It is clear from the documents Exs. M3 and M4 and the oral evidence of W.W.1 and M.W.1 that the workmen Shyam Sunder, Dakshinamurthy and D. R. Krishna Reddy the workmen under these references also appeared for the test held in 1983 and they could not secure qualifying marks for promotion to the post of Category V. Further as seen from Ex. W14 there was a proposal during the year 1990 to fill up the post of Lamp Room Fitter by conducting test as per the procedure and 22 Lamp Room Attenders Category IV were directed to appear for written test and practical test on 23rd September, 1990. The six workmen under these references were also informed to appear for the said test. Admittedly, the said test could not take place for the reasons beyond the control of the Respondent-Management. It is also contended on behalf of the Petitioners that one Rayamallu, Hauler Operator, Somagundam I Incline has been promoted as



Lamp Room Fitter Category V under Ex. W15 without subjecting him to any test. The Respondent-Management has come up with the explanation stating that the said Rayamallu was working as Hauler Operator in Cat. V and he was working in Lamp Cabin doing Lamp Room Fitter work and therefore, the designation of Hauler Operator has been changed to Lamp Room Fitter Cat. V. The evidence of M.W.1 is to that effect. Further as seen from Ex. W15 the designation of Rayamallu, Hauler Operator Cat. V in his existing grade and basic pay continued and there is no change in his present basic pay and service condition. Therefore, this also does not in any way help the case of the Petitioners. Exs. W11, W12 and W13 filed on behalf of the Workmen are not at all relevant for disposing the issue under these references.

20. The demand made by the workmen under these references for promotion to Cat. V on par with the workmen in I. D. No. 4285 is also contrary to the existing promotional policy of the Respondent-Management. The workmen under these references are not entitled for promotion to Cat. V as of right by virtue of the Award passed in I. D. No. 42/85.

21. In the light of my above discussion, I hold on the point that the action of the Respondent-Management in denying promotion to S/Sri K. Shyam Sunder, K. Dakshina Murthy, G. Rajanna, D. R. Krishna, G. Chandriah and A. P. Raju on completion of 5 years of service as Lamp Room Staff Category III to Category V on par with the workmen in I. D. No. 42/85 is justified. The point is thus decided in favour of the Respondent-Management and against the Petitioner-workmen.

22. Point (2)—This point relates to the relief to be granted to the Petitioners under these references. In view of my finding on Point (1) the workmen under these references are not entitled for any relief.

23. In the result, Award is passed stating that the action of the Respondent-Management in denying promotion to the workmen in I. D. No. 21/91, I. D. No. 22/91 and I. D. No. 23/91 from Category III to Category V on completion of five years of service in Category III on par with the workmen in I. D. No. 42/85 is justified and the workmen in these references are not entitled for any relief. The parties are directed to bear their costs.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer; transcribed by him; corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 7th day of June, 1995.

A. HANUMANTHU, Industrial Tribunal I

#### Appendix of Evidence

Witness Examined for the Petitioner :	Witnesses Examined for the Respondent :
WW-1—K. Shyam Sunder.	MW-1—J. Laxminarayana.

Documents marked for the Petitioner/Workmen

Ex. W-1/5-3-87—Xerox copy of the Award copy in I. D. No. 42/85.

Ex. W-2/4-5-90—Letter addressed to A.L.C., Mancheriial regarding K. Shyam Sunder and Dakshinamurthy.

Ex. W-3/5-3-90—Letter addressed to Asst. Labour Commissioner, Mancheriial regarding G. Chandriah and A. Pullam Raju.

Ex. W-4/4-7-90—Letter addressed to Asst. Labour Commissioner, Mancheriial regarding G. Rajam and Krishna Reddy.

Ex. W-5 —Minutes copy of conciliation in three disputes.

Ex. W-6028-2-91—Views of S. C. W. Union in three disputes to Asst. Labour Commissioner, Mancheriial.

Ex. W-7/22-6-83—Office Order of the Executive Director regarding promotion to 24 persons to Lamp Room Fitters Cat. V.

Ex. W-8/10-11-93—Xerox copy of the Executive Director Bellampalli promoting three Charger Safety Lamps Cat. III as Lamp Room Fitter Cat. V w.e.f. 1-11-1983.

Ex. W-9/7-2-90—Xerox copy of office order of General Manager, Mandamrtn promoting S/Sri K. Venkateshwar Rao and two others as Lamp Room Fitter Cat. V w.e.f. 1-3-83 in accordance with the Award in I. D. No. 42/85.

Ex. W-10/27-3-80—Xerox copy of orders of General Manager promoting Charger Safety Lamp workmen Cat. II as Lamp Room Fitter Cat. V.

Ex. W-11/31-5-77—Xerox copy of promotion order given by Addl. General Manager of Sri P. Vishwanath, Temp. General Mazdoor as Charger Safety Lamp Cat. III w.e.f. 1-6-72.

Ex. W-12/31-5-77—Promotion order to R. M. Jagannath Prasad as Charger Safety Lamp Cat. III.

Ex. W13/12-9-78—Xerox copy of promotion order of Addl. General Manager Bellampalli Area Promoting M. Jagannatha Prasad, Charger Safety Room Cat. III as Lamp Room Attender w.e.f. 1-9-1978.

Ex. W-14/7-9-90—Xerox copy of notice to 22 Lamp Room Attendants Cat. IV to attend the test on 23-9-90 for Selection of Category V Lamp Room Fitter.

Ex. W-15/20-3-90—Xerox copy of the office order of the Agent, Somagundam I promoting Sri Konka Rayamallu, Hauler Operator, Somagundam I Incline as Lamp Room Fitter Category V with immediate effect.

Documents marked for the Respondent-Management

Ex. M-1/16-11-90/7-12-1990—Representation of the Union to the Management.

Ex. M-2/5-5-1979—Circular regarding Lamp Room Staff-Reg.

Ex. M-3 —Copy of the Resolution.

Ex. M-4 —Merit list (xerox copy).

Ex. M-5/4-4-89—Settlement dated 4-4-89 U/Section 12(3) of the I. D. Act by the Management and Workmen.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का. आ. 2505 औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, कैंट बोर्ड, मोरार, ग्वालियर, के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल - 13012/3/90 - आई. आर (डी यू)]

कै. बी. बी. उन्नो, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2525.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to

the management of Cantt. Board, Morar, Gwalior and their workmen, which was received by the Central Government on 8-9-95.

[No. L-13012/3/90-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

Case Ref. No. CGIT/LC/(R)(14)/1991

#### BETWEEN

Shri Net Ram Modi, Ex-Mason-cum-Carpenter, House No. 507, P.W.S. Block, 13, Saraswati Nagar, Jawahar Chowk, Bhopal (MP)-462001.

#### AND

The Cantt. Executive Officer, Cantt. Board, Morar, Gwalior (MP)-474006.

#### PRESIDED IN

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

#### APPEARANCES :

For workman : None.

For Management : Shri B. D'Silva, Advocate.

INDUSTRY : Cant Board DISTRICT : Bhopal (MP)

#### AWARD

Dated : August 3, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-13012/3/90-IR(DU) dated 31-1-91/4-2-91, for adjudication of the following industrial dispute :—

#### SCHEDULE

"Whether the action of Cantonment Board, Gwalior in terminating the services of Shri Net Ram Modi, Ex. Mason-cum-carpenter w.e.f. 15-11-88 is justified, If not, to what relief the concerned workman is entitled to."

2. Admitted facts of the case are that the workman, Shri Nat Ram Modi was Mason-cum-Carpenter and his services were terminated after the enquiry w.e.f. 15-11-1988.

3. The case of the workman is that the Enquiry Officer has not provided him opportunity to cross-examine the witness and the ex parte proceedings gone against him in violation of the principles of natural justice. It is further alleged that the order of dismissal from the service is illegal and unjustified. The workman has prayed for reinstatement with back wages.

4. The case of the management is that the charge-sheet on the allegation of disobedience and misbehaviour was issued against the workman and the workman took the help of the co-worker in the domestic enquiry and that the order of dismissal of the workman is an accordance with the proved misconduct.

5. The workman has never appeared after 15-10-1991 after filing the statement of claim.

6. The management has alleged that the case be closed and no dispute award be passed as the workman is not appearing from last 3-4 years to pursue the dispute. Consequently, on account of the non-appearance of the workman, no dispute award is hereby passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का. प्रा. 2586—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलीकाम नालगोंडा के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, प्रनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण आन्ध्र प्रदेश के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल - 40012/247/91—आई प्रार (डीयू)]  
के. वी. बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2586.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Andhra Pradesh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecom, Nalgonda and their workmen, which was received by the Central Government on 8-9-1995.

[No. L-40012/247/91-IR(DU)]

K.V.B. UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD.

#### PRESENT :

Sri A. Hanumanthu, M.A., LL.B.,  
Industrial Tribunal-I.

Dated : 21st day of June, 1995.

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 66 OF 1992

## BETWEEN :

Sri N. Sattaiah, Khudabakashpalli,  
Via Marriguda-508 245,  
Nalgonda District. . . Petitioner

## AND

The Sub-Divisional Office, Telecom,  
Dist. Nalgonda-508001. . . Respondent

## APPEARANCES :

Sri C. Surya Narayana & R. Yogander Singh,  
Advocate for the Petitioner.

Sri P. Damodar Reddy, Addl. Standing Coun-  
sel, Central Government for Respon-  
dent.

## AWARD

This is a reference made under Sections 10(1)-(d) & (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter called the Act) by the Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-40012/247/91-IR(DU), dated 25-9-1992 for adjudication of the industrial dispute mentioned in the schedule which reads as follows:—

“Whether the action of the management of Telecom, Nalgonda A.P., represented by the Sub-Divisional Officer, in terminating the services of Shri N. Sattaiah, Casual Mazdoor w.e.f. 1-11-87 is justified? If not what relief he is entitled to?”

This reference has been registered as Industrial Dispute No. 66 of 1992 on the file of this Tribunal.

2. On behalf of the Petitioner, a claim statement has been filed to the following effect. The petitioner is orthopaedically handicapped as both of his legs and hands being affected by Polio. The year 1981 was declared as the year of Orthopaedically handicapped and during the year the Petitioner was employed on 1-11-1981 as Casual Mazdoor on daily wages, to maintain and operate a 10-Line PMBX (Private Manual Box Exchange) at Khudabakshpalli with 9 extension. The petitioner worked till June 1983 every day except on Sundays. But after June 1983 the Petitioner was employed every day including Sundays, but he was not paid extra wages by way of overtime wages. The Petitioner was under the employment of the Respondent upto 31-1-1987 without any breaks. After 31-1-1987 the PMBX Board was abolished and consequently the Petitioner was retrenched from service he was not the junior most in Nalgonda Telecom District. Since then the petitioner was not shown any alternate employment even though other Casual mazdoors recruited after 1-1-1981 were continued in service and

several other new Casual Mazdoors were recruited later with most of them being absorbed as regular mazdoors or granted temporary status in the absence of regular mazdoor posts for their absorption. The Petitioner was thus employed continuously for 8 hours a day for a period of six years without any break. But the Respondent retrenched him from service without notice and without furnishing any reasons for such retrenchment and also without paying any terminal benefits as per the Mandatory provisions of Section 25-F of the Act. The seniority list of casual mazdoors showing the petitioner's name was not published at all as required by Rule 77 of the I.D. (Central) Rules, 1957. Thus the petitioner's retrenchment is illegal and null and void. Hence the Petitioner prays that this Tribunal may be pleased to declare that his retrenchment is illegal, null and void and that he is entitled for reinstatement into service with full back wages, continuity of service, protection of seniority and all other benefits which are consequential and incidental to reinstatement.

3. The Respondent after service of notice, engaged a counsel but subsequently remained exparte. No counter has been filed on behalf of the Respondent;

4. On behalf of the Petitioner-workman, W.W1 is examined and Ex. W1 marked. The petitioner Workman N. Sattaiah got himself examined as W.W1 and he deposed to the averments in his claim statement. Ex. W1 is the statement of working days particulars of the petitioner-workman for the period from 1-11-1981 to 14. 9. 1987 issued by the Respondent. On behalf of the Respondent no oral or documentary evidence has been adduced.

5. The points for consideration are :—

(1) Whether the action of the Respondent-Management in terminating the services of the petitioner N. Sattaiah w.e.f. 1-11-1987 is justified?

(2) To what relief the workman N. Sattiah is entitled?

6. Point (1).—The Petitioner-workman examined as W.W1 deposed that he was engaged by the Respondent as casual labourer in the year 1981, that he worked till the end of September, 1987, that he was engaged as PMBX Board Operator, that in September, 1987 the Respondent disengaged him without giving any reasons, that he has not served with notice of retrenchment, nor he was paid wages in lieu of notice and that subsequently he requested the Respondent-Management to engage him once again but he was not engaged. He also produced the statement of this working days particulars issued by the Respondent. Admittedly the Respondent remained exparte. No counter has been filed on behalf of the Respondent controverting the pleas taken in the claim statement. The Respondent also failed to adduce any oral or

documentary evidence, challenging the evidence of W.W1. Thus the averments made in the claim statement filed on behalf of the Petitioner-workman are not controverted and as such they go unchallenged. The evidence of W.W1 also is un-rebutted by the Respondent-Management. Therefore the allegations that in the claim statement have to be admitted as correct. As seen from Ex. W1 the working days particulars furnished by the Respondent, the petitioner was appointed on daily wages by the Respondent to work as an PMBX operator i.e. Private Manual Box Exchange Operator at Khudabakshpally. He was engaged on 1-11-1981 and he continued in service till 14-9-1987 as mentioned in Ex.W1, though it is stated in the claim statement that he continued in service till 31-1-1987.

7. The learned counsel for the Petitioner Workman submits that the Petitioner worked for nearly six years in the service of the Respondent though on daily wages that the petitioner's services were terminated w.e.f. 15-9-1987 without complying with the mandatory provisions of Section 25-F of the Act, that the Petitioner was not given one month's notice pay or wages for that in lieu of notice nor he was paid retrenchment compensation. The learned counsel for the Petitioner further argues that provisions of Section 25-G of the Act and Rule 77 of the I.D. (Central) Rules also have been violated as no seniority list has been published and that the Petitioner was picked arbitrarily for termination. He further contends that provision of Section 25-H of the Act have been violated as the Respondent appointed new casual mazdoors without considering the claim of the petitioner. It is averred in the claim statement that before terminating his services no notice was issued to him and that no wages in lieu of notice was paid. It is also averred in the claim statement that many of juniors recruited after 1-11-87 were allowed to continue in service and several other new casual mazdoors were recruited later without his claim being considered for reinstatement. But the Petitioner workman examined as W.W1 has not spoken to with regard to the violation of the provisions of Section 25-G and 25-H of the Act and also Rule 77 of the I.D. (Central) Rules 1947. But as earlier stated the averments in the claim statement have not been controverted by the Respondent as he failed to file any counter on his behalf.

8. The petitioner comes under the definition of 'workman' as defined under Section 2(s) of the Act. As seen from the working days particulars as furnished by the Respondent under Ex.W1, the Petitioner worked for more than 240 days in a year continuously as casual labourers in the Respondent-Department. The Petitioner has been disengaged on 15-9-1987 without giving

any reason by the Respondent. It is settled law that the definition of retrenchment in Section 2(oo) of the Act is comprehensive one intended to cover any action of the Management to put an end of the employment of the employee for any reason whatsoever except if the case falls within any of the excepted categories in that section, vide D.K. YADAV v. IMA INDUSTRIES Ltd. [1993(3) Supreme Court cases page 259], L. ROBERT D'SOUZE v. EXECUTIVE ENGINEER SOUTHERN RAILWAY & ANOTHER (AIR 1982 S.C. page 9854), ORIENTAL BANK OF COMMERCE v. PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL ANR [1994 (II) LLJ page 770 Rajasthan]. In the present case, the services of the Petitioner-workman were terminated w.e.f. 15-9-1987 and the said termination does not fall within any of the expected categories under Section 2(oo) of the Act. Therefore, the termination of the petitioner amounts to retrenchment as defined under Section 2(oo) of the Act. Further, in B. SRINIVAS v. PRESIDING OFFICER, LABOUR COURT, HYDERABAD [1990(I)LLJ. page 577] our High Court held that discontinuance casual labourer on daily wages amounts to retrenchment under Section 2(oo) of the Act. As seen from the evidence on record, the retrenchment of the Petitioner, workman has been effected without following the mandatory provisions contained in Section 25-F of the Act and as such the retrenchment of the petitioner is illegal and void.

9. In the light of my above discussion, I hold on Point (1) that the action of the Respondent-Management in terminating the services of the workman N. Sattaiah is not justified.

10. POINT (2) .--This point relates to the relief to be granted to the petitioner workman. It is well settled that if the services of an employee are terminated in violation of Section 25-F of the Act, that retrenchment is rendered ab initio void and the employee would be entitled to be reinstated into services along with his back wages, vide GAMMON INDIA LTD. v. NIRANJAN DASS (1984(I) S.C.C. page 509) and NAROTHAM CHOPA v. PRESIDING OFFICER, LABOUR COURT & ORS. (1988(4) SLR page 388). The Hon'ble Court in the case of daily rated casual labour employed in the POST AND TELEGRAPH DEPARTMENT v. UNION OF INDIA & ORS. (1888(I) SLR page 211) directed the Union of India to pay the wages to the workmen who are employed as casual labourers in the Post and Telegraphic Department at the rate equal to minimum pay in the pay scale of regularly employed workmen in the corresponding cadres but without any increment together with corresponding D.A. and additional D.A., if any, payable thereon.

It is also not disputed that orders for payment of wages at the minimum pay of the basic pay of the regularly employed workmen were accordingly issued by the Director General, P&T on 10-2-1988. Obviously in the instant case, there is abnormal delay on the part of the petitioner-workman in approaching the Assistant Commissioner of Labour seeking redressal of his grievances. Admittedly, he has been retrenched from service w.e.f. 15-9-1987. This reference has been made by the Government of India by its Order dt. 25-9-1992. There is no explanation forthcoming on the part of the Petitioner workman for the abnormal delay in approaching the Assistant Commissioner of Labour. Further there is no evidence on record to show that the Petitioner was not gainfully employed elsewhere subsequent to his retrenchment. Considering the circumstances of this case, I am of the opinion that the ends of justice will be met if the workman is awarded reinstatement with full back wages from the date of reference made by the Government of India i.e. 25-9-1992. The Respondent is directed to pay the back wages to the petitioner at the rate equal to the minimum pay in the pay scale of the regularly employed workman in the corresponding cadre but without any increment w.e.f. 25-9-1992 together with corresponding D.A., additional D.A., if any, payable thereon, as directed by the Supreme Court in *Daily rated casual labour employed in the Post and Telegraphic Department vs. Union of India* quoted supra.

11. In the result, Award is passed directing the Respondent Management to reinstate the workman N. Sattaiah into service as casual mazdoor forthwith and the Petitioner is entitled for back wages from 25-9-1992 with continuity of service. The Respondent is directed to pay the back wages to the Petitioner-workman at the rate equal to the minimum pay in the pay scale of regularly employed workman in the corresponding cadre but without any increment together with the corresponding D.A., additional D.A. if any, payable hereon with effect from 25-9-1992. The Petitioner is also entitled for protection of his seniority among the casual mazdoors employed by the Respondent. The Respondent is directed to pay the arrears towards the back wages of the petitioner within six months from the date of publication of this Award, failing which the arrear amount will carry interest at 12 per cent per annum. The parties are directed to bear their costs.

The reference is thus answered accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand

and the seal of this Tribunal, this the 21st day of June, 1995.

A. HANUMANTHU, Industrial Tribunal-I

#### APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses Examined for the Petitioner :	Witnesses Examined for the Respondent :
W.W1 N. Sattaiah	NIL

Documents marked for the Petitioner :

Ex.W1 Copy of the Working Days Particulars.

Documents marked for the Respondent :

NIL

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.आ. 2587:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय विद्यालय, खानापारा के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, गोहाटी के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-42012/182/91-आई.आर. (डीयू.)]

के. वी. बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th Septemebr, 1995

S.O. 2587.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Guwahati as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kendriya Vidyalaya, Khanapara and their workmen, which was received by the Central Government on 8-9-95.

[No. L-42012|182|91-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

IN THE INDUSTRIAL TRIBUNAL:

GUWAHATI, ASSAM

Reference No. 2(C) 1993

#### PRESENT

Shri J. C. Kalita, B.A. (Hons) LL.B.,

Presiding Officer,

Industrial Tribunal, Guwahati.

In the matter of an industrial Dispute between :

The Management,

Kendriya Vidyalaya Sangathan,

Khanapara, Guwahati.

## Versus

Their workman Sri Rajendra Basfore, Sweeper, Kendriya Vidyalaya, Khanapara.

## APPEARANCES :

Shri B. Kalita, Advocate : For the Management

Shri D. Talukdar, Advocate.

Shri A.R. Dasgupta, Advocate : for the workman.

## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by a notification No. L-42012/182/91-IR(DU) dated 28-12-1992 referred an Industrial Dispute between the Management of Kendriya Vidyalaya Sangathan, Guwahati and their workman Shri Rajendra Basfore, sweeper, Kendriya Vidyalaya Khanapara for adjudication by this Tribunal with copies to the parties. On receipt of the notification a case was registered and notices were sent to the parties to file their written statement in support of their cases. Both parties appeared and filed their written statement. The issue reads as follows :

“Whether the action of the management of Kendriya Vidyalaya Sangathan, Guwahati in terminating the services of Shri Rajendra Basfore, Sweeper, Kendriya Vidyalaya, Khanapara is legal and justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?”.

The workman contended in his written statement that he was appointed as ‘D’ group employee (Sweeper) in Kendriya Vidyalaya Khanapara on 15-11-88 against regular vacancy with the approval of the Asstt. Commissioner Guwahati. The Principal of Kendriya Vidyalaya, Khanapara recommended for regularisation of the services of the workman by a letter dt. 29-12-90 stating that the workman was appointed against a regular vacancy with due approval of the Asstt. Commissioner, Guwahati for scavenging work of the entire school consisting of 36 sections and three Laboratories, bath room etc. cannot be effectinglly carried out the lone old sick sweeper. But suddenly on 8-2-91 he was terminated from service. He raised a dispute before the conciliation officer but got no relief causing the dispute referred to the Industrial Tribunal, Guwahati. He prays for reinstatement with full back wages.

The management in their written statement while denying the contentions of the workman stated that the workman was appointed as group ‘D’ Sweeper on adhoc-basis on condition of terminating him without any notice. The workman was first terminated on 29-4-89, but his service was again extended from 1-5-89 to 30-5-89 and continued upto 8-1-91. Though he was relieved from

duty on 9-1-91 he was further appointed against the leave vacancy of Sri D. R. Deka on whose re-joining he was finally relieved from service on 8-2-91. He was never in continuous service and he cannot claim any benefit under the Industrial Dispute Act.

Management examined its principal in support of its case whereas the workman did not examined anybody. Both sides filed few documents into service.

It is out from the evidence of the principal that the workman was appointed on 15-11-88 as group ‘D’ Sweeper in the Kendriya Vidyalaya Khanapara where he worked upto 8-2-91 with breakage in service at intermittent period. Ext. 1 is the appointment letter. Though he was appointed on adhoc-basis he continued in the service of the Management for more than 240 days in a period of 12 months. Principal stoutly deposed on oath that the service of a sweeper in addition to the existing one is an absolute necessity for scavenging works of the school consisting of 36 sections, three laboratories and lavatories. Ext 2 is a letter written by the principal to the Asstt. Commissioner Kendriya Vidyalaya Sangathan Guwahati Region for regularisation of the post of the sweeper held by the workman. When the management felt the acute necessity of another sweeper to keep the Vidyalaya neat and clean and with utmost sincerity moved the competent authority to sanction the post, and workman's service was utilised with satisfaction. Termination of service of Rajendra Basfore was not justified and against the principle of natural justice.

Justification needs conscience consideration for the betterment of the institution as well as for the welfare of the victim employee, who rendered satisfactory service to the management. Principal express his helplessness to engage him in the service of the management unless the post is sanctioned by the competent authority but his helplessness could not be taken into consideration because of the continuation in service for more than 240 days in a year a statutory period provided in the Industrial Dispute Act.

Principal further deposed that he has been regularly writing to the highest authority every year for creation of two posts of sweeper, but no sanction is received. He further stated that the Kendriya Vidyalaya Khanapara has got as many as eight employees in grade IV post and one is living vacant at present.

In view of the facts and circumstances discussed above I am of the considered opinion that the action of the Management of the Kendriya Vidyalaya Khanapara in terminating the service of Sri Rajendra Basfore is legally unsound and unjustified. It is ordered that the workman should be immediately engaged by the Management as Sweeper with the pay he was paid during his tenure of

service till the post of sweeper is created by the competent authority. The Commissioner Kendriya Vidyalaya Sangathan, Delhi is hereby directed to sanction a post of Sweeper to the Kendriya Vidyalaya Khanapara in response to the letter written by the Principal and duly forwarded by the VMC through the Asstt. Commissioner, Guwahati. If the rule permits he may be engaged against the vacant post of grade IV staff till the post of Sweeper is created. Thus this reference is hereby disposed of without any award for back wages.

I given this Award on this 16th August, 1995 under my hand and seal.

J. C. KALITA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का. प्रा. 2588.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन ब्यूरो आफ माईन्स, सिविल लाईन्स के प्रबन्ध-तंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल - 42012/145/91 - आईआर (डीयू)]  
के. वी. बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2588.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Bureau of Mines, Civil Line and their workman, which was received by the Central Government on 8-9-1995.

[No. L-42012/145/91-IR(DU)]

K.V.B. UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

1. CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(145)/1992

AND

2. CASE REF. NO. CGIT/LC/(161)/1992.

BETWEEN

Shri Puranchand Sadashiv Kukde R/o & Post: Patansaongi, Tahsil Saoner, Distt. Nagpur (MS)-440 001.

AND

The Controller General, Indian Bureau of Mines, Civil Lines, Nagpur (MS)-440 001.

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman : None.

For Management : Shri P.F. Sarode.

INDUSTRY : Bureau of Mines DISTRICT : Nagpur (MS).

#### AWARD

Dated : August 7, 1995

These are two reference made by the Central Government Ministry of Labour, vide its two separate Notifications No. L-42012/145/91-IR(DU) dated 30-6-1992 & 20-7-1992 for adjudication of the following industrial dispute :—

#### SCHEDULE

"Whether the Indian Bureau of Mines is an industry? If so, whether the action of the management of IBM, Nagpur in terminating the services of Shri Puranchand Sadashiv Kukde, Pump Operator is justified? If not, what relief he is entitled to?"

2. The first reference was received from the Ministry of Labour on 9-7-1992. However, a similar reference was again sent which was received on 27-7-1992 (Registered as Ref. No. 161/92). From the perusal of the terms of references, it is clear that they are same and parties are also the same. However, the second reference was tagged with the Ref. No. 145/92.

3. Parties were noticed to the file the statement of claim. In spite of several notices to the workman and the management they have not filed the statement of claim, nor the workman appeared.

4. Representative of the management appeared on several hearings and prayed to close the case as the workman is not attending to the proceedings. Consequently, it is clear that the workman is not interested in pursuing his case. As such no dispute award is passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का. प्रा. 2589.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस. पी. एम. होशंगाबाद के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण

जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-16012/8/90-आईआर. (डीयू)  
के. वी. बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2589.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of S.P.M., Hoshangabad (M.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on 8-9-1995.

[No. L-16012/8/90-IR(DU)]  
K.V.B. UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)/(107)/1991  
BETWEEN

Shri Rajinder Singh Kushwaha C/o S.P.M.K. Union, Hoshangabad-461 005.

AND

The General Manager, S.P.M. Hoshangabad (MP)-461 005.

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman : None.

For Management : R.C. Srivastava, Advocate.

#### AWARD

Dated : August 3, 1995.

This is a reference made by the Central Government. Ministry of Labour, vide its Notification No. L-16012/8/90-IR(DU) dated 7-5-1991, for adjudication of the following industrial dispute:—

#### SCHEDULE

“Whether the action of the General Manager S.P.M. Hoshangabad in stoppage of one increment of their workman Shri Rajinder Singh Kushwaha, fitter, T. No. 1410 is justified. If not, what relief the workman is entitled to and from what date?”

2. Reference was received on 17-5-1991 and in spite of repeated notices to the workman to file 2195 GI/95—13

the statement of claim, workman has neither appeared nor the statement of claim was filed by the workman. Counsel of the management is appearing since 30-8-1991 and the management has prayed to pass a no dispute award. Consequently, it is clear that the workman is not interested in pursuing the case. No dispute award is passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1995

का.आ. 2590.—केन्द्रीय सरकार ने यह समझाना हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित है कि इंडिया गवर्नमेंट मिनट, बम्बई को, जो औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची में निश्चित है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाए,

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (vi) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एम-11017/3/85-डी-1(ए)]

एम. वेणुगोपालन, अवर सचिव

New Delhi, the 12th September, 1995

S.O. 2590.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the India Government Mint, Bombay which is specified in the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/3/85-D.I(A)]

S. VENUGOPALAN, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.आ. 2591.—अबकि केन्द्रीय सरकार की यह राय थी कि एयर इण्डिया के प्रबंधन और उनके श्रमिकों के बीच औद्योगिक विवाद विद्यमान था,



और जबकि केन्द्रीय सरकार की यह राय थी कि उपरोक्त विवाद में राष्ट्रीय महत्व का प्रश्न अन्तर्गस्त था,

और जबकि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 7(ख) (1947 का 14) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने श्रम मंत्रालय के आदेश सं. एल-11011/1/93-आई. आर. (विविध), दिनांक 2-4-93 के तहत एक राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण का गठन किया जिसका मुख्यालय बम्बई में रखा गया और इसके पीठासीन अधिकारी के रूप में न्यायाविद् श्री आर. जी. सिन्धाकर को नियुक्त किया और उपरोक्त अधिनियम की धारा 10 की उप-धारा (1क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त औद्योगिक विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए उपरोक्त राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के पास प्रेषित किया,

और जबकि श्री आर. जी. सिन्धाकर का कार्यकाल 11-5-95 को समाप्त हो गया,

अब, इसलिए, एक राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण का गठन किया जाता है, जिसका मुख्यालय बम्बई में होगा तथा जिसके पीठासीन अधिकारी न्यायाविद् श्री आर. एस. वर्मा होंगे और उपरोक्त विवाद को इस निदेश के साथ न्यायनिर्णयन के लिए उपरोक्त राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के पास प्रेषित किया जाता है कि न्यायाविद् श्री आर. एस. वर्मा उस स्थिति से न्यायिक कार्यवाई शुरू करेंगे जहाँ पर न्यायाविद् श्री आर. जी. सिन्धाकर ने उसे रोक दिया था और उसे कानून के अनुसार निष्पादित करेंगे।

[सं. एल-11011/1/93-आई. आर. (विविध)/(कोल-1)]

ब्राज मोहन, डेस्क अधिकारी

### ORDER

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2591.—Whereas the Central Government was of the opinion that an industrial dispute existed between the management of Air India and their workmen;

And whereas the Central Government was of the opinion that the above dispute involved a question of national importance;

And whereas the Central Government was of the opinion that the said above dispute should be adjudicated by a National Tribunal;

And whereas the Central Government, in exercise of the powers conferred by Section 7B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) constituted a National Industrial Tribunal vide Ministry of Labour Order No. L-11011/1/93-IR (Misc) dated 2-4-1993 with headquarters at Bombay and appointed Justice Shri R.C. Sindhakar as its Presiding Officer and in exercise of the powers conferred by sub-section (1 A) of Section 10 of the said

Act, referred the said industrial dispute to the said National Industrial Tribunal for adjudication;

And whereas the term of Shri R.G. Sindhakar expired on 11-5-1995;

Now, therefore, a National Industrial Tribunal is constituted with headquarters at Bombay with Justice Shri R.S. Verma as its Presiding Officer and the said above dispute is referred to the said National Industrial Tribunal for adjudication with the direction that Justice Shri R.S. Verma shall proceed with the proceedings from the stage at which it was left by Justice Shri R.G. Sindhakar and dispose off the same according to law.

[No. L-11011/1/93-IR (Misc)(Coal-1)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

अदेश

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का. प्रा. 2592.—जबकि केन्द्रीय सरकार की यह राय थी कि इण्डियन एयरलाइन्स के प्रबन्धन और उनके श्रमिकों के बीच औद्योगिक विवाद विद्यमान था,

और जबकि केन्द्रीय सरकार की यह राय थी कि उपरोक्त विवाद में राष्ट्रीय महत्व का प्रश्न अन्तर्गस्त था,

और जबकि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 7(ख) (1947 का 14) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने श्रम मंत्रालय के आदेश सं. एल-11011/3/89-आई. आर. (विविध), दिनांक 7/9-12-90 के तहत एक राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण का गठन किया जिसका मुख्यालय बम्बई में रखा गया और इसके पीठासीन अधिकारी के रूप में न्यायाविद् श्री आर. जी. सिन्धाकर को नियुक्त किया और उपरोक्त अधिनियम की धारा 10 की उप-धारा (1क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त औद्योगिक विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए उपरोक्त राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के पास प्रेषित किया,

और जबकि श्री आर. जी. सिन्धाकर का कार्यकाल 11-5-95 को समाप्त हो गया,

अब, इसलिए, एक राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण का गठन किया जाता है, जिसका मुख्यालय बम्बई में होगा तथा जिसके पीठासीन अधिकारी न्यायाविद् श्री आर. एस. वर्मा होंगे और उपरोक्त विवाद को इस निवेदन के साथ न्यायनिर्णयन के लिए उपरोक्त राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के पास प्रेषित किया जाता है कि न्यायाविद् श्री आर. एस. वर्मा उस स्थिति से न्यायिक कार्यवाई शुरू करेंगे जहाँ पर न्यायाविद् श्री आर. जी. सिन्धाकर ने उसे रोक दिया था और उसे कानून के अनुसार निष्पादित करेंगे।

[सं. एल-11011/3/89-आई. आर. (विविध) (कोल-1)]

ब्राज मोहन, डेस्क अधिकारी

**ORDER**

New Delhi, the 11th September, 1995

**S.O. 2592.**—Whereas the Central Government was of the opinion that an industrial dispute existed between the management of Indian Airlines and their workman;

And whereas the Central Government was of the opinion that the above dispute involved a question of national importance;

And whereas the Central Government was of the opinion that the said above dispute should be adjudicated by a National Industrial Tribunal.

And whereas the Central Government in exercise of the powers conferred by Section 7B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) constituted a National Industrial Tribunal vide Ministry of Labour Order No. L-11011/3/89-IR (Misc) dated 7/9-12-90. with headquarters at Bombay and appointed Justice Shri R. G. Sindhakar as the Presiding Officer and in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1A) of Section 10 of the said Act, referred the said industrial dispute to the said National Industrial Tribunal for adjudication;

And whereas the term of Shri R.G. Sindhakar expired on 11-5-1995.

Now, therefore, a National Industrial Tribunal is constituted with headquarters at Bombay with Justice Shri R.S. Verma as its Presiding Officer and the said above dispute is referred to the said National Industrial Tribunal for adjudication with the direction that Justice Shri R.S. Verma shall proceed with the proceedings from the stage at which it was left by Justice Shri R.G. Sindhakar and dispose of the same according to law.

[No. L-11011/3/89-IR(Misc)(Coal-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.आ. 2593.—जबकि केन्द्रीय सरकार की यह राय थी कि एयर इंडिया के प्रबन्धन और उनके श्रमिकों के बीच औद्योगिक विवाद विद्यमान था,

और जबकि केन्द्रीय सरकार की यह राय थी कि उपरोक्त विवाद में राष्ट्रीय महत्व का प्रश्न अन्तर्गस्त था,

और जबकि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 7(ख) (1947 का 14) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार के श्रम मंत्रालय के आदेश सं. एन-11013/1/93-आई.आर. (विविध), दिनांक 19-10-93 के तहत एक राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण का गठन किया जिसका मुख्यालय बम्बई में रखा गया और इसके पीठासीन अधिकारी के रूप में न्यायविद् श्री आर.जी. सिन्हाकर को नियुक्त किया और उपरोक्त अधिनियम की धारा 10 की

उप-धारा (1क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त औद्योगिक विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए उपरोक्त राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के पास प्रेषित किया,

और जबकि श्री आर.जी. सिन्हाकर का कार्यकाल 11-5-95 को समाप्त हो गया,

अब, इसलिए, एक राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण का गठन किया जाता है, जिसका मुख्यालय बम्बई में होगा तथा जिसके पीठासीन अधिकारी न्यायविद् श्री आर. एस. वर्मा होंगे और उपरोक्त विवाद को इस निर्देश के साथ न्यायनिर्णयन के लिए उपरोक्त राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के पास प्रेषित किया जाता है कि न्यायविद् श्री आर.एस. वर्मा उस स्थिति से न्यायिक कार्यवाई शुरू करेंगे जहां पर न्यायविद् श्री आर. जी. सिन्हाकर ने उसे रोक दिया था और उसे कानून के अनुसार निष्पादित करेंगे।

[सं. एन-11013/1/93-आई.आर. (विविध) (कोल-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

**ORDER**

New Delhi, the 11th September, 1995

**S.O. 2593.**—Whereas the Central Government was of the opinion that an industrial dispute existed between the management of Air India and their workmen;

And whereas the Central Government was of the opinion that the above dispute involved a question of national importance;

And whereas the Central Government was of the opinion that the said above dispute should be adjudicated by a National Industrial Tribunal;

And whereas the Central Government in exercise of the powers conferred by Section 7B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) constituted a National Industrial Tribunal vide Ministry of Labour Order No. L-11013/1/93-IR (Misc) dttd. 19-10-93. with headquarters at Bombay and appointed Justice Shri R. G. Sindhakar as the Presiding Officer and in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1A) of Section 10 of the said Act, referred the said industrial dispute to the said National Industrial Tribunal for adjudication;

And whereas the term of Shri R.G. Sindhakar expired on 11-5-1995.

Now, therefore, a National Industrial Tribunal is constituted with headquarters at Bombay with Justice Shri R.S. Verma as its Presiding Officer and the said above dispute is referred to the said National Industrial Tribunal for adjudication with the direction that Justice Shri R.S. Verma shall proceed with the proceedings from the stage at which it was left by justice Shri R.G. Sindhakar and dispose of the same according to law.

[No. L-11013/1/93-IR(Mis)(Coal-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

